दैनिक सुप्रभात रायपुर आम आदमी का खास अखबार

प्रतिदिन राजधानी

▸ संस्थापक-स्व. श्री रामचंद नचरानी ▸ प्रधान संपादक - शांति देवी नचरानी ▸ वर्ष : 26 ▸ अंक : 90 रायपुर, बुधवार, 15 अप्रैल 2026 ▸ पृष्ठ : 12 ▸ मूल्य ` 2.00 RNI NO. CHH HIN/2001/05596

E-mail pratidincg@gmail.com E-paper https://epaper.pratidinrajdhani.in WhatsApp +91 62629 04444

3 अबेडकर जयंती पर सीएम ...

गौरवपूर्ण वापसी पर ... 8

जिन किसी व्यक्ति को समाचार या विज्ञापन देना है संपर्क करे : मो. नं. 9806044444, 6262904444 इस नंबर के अलावा अन्य नंबर पर दी गई सूचना से समाचार पत्र का लेना-देना नही रहेगा...

शक्ति जिला के वेदांता पॉवर प्लांट में बॉयलर फटा... मचा अफरा-तफरी

हादसे में 11 मजदूरों की मौत, कई घायल

सक्ती (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के सक्ती जिले में वेदांता पावर प्लांट में मंगलवार दोपहर बॉयलर ब्लास्ट हो गया। हादसे में 10 मजदूरों की मौत हो गई है। पुलिस अधीक्षक प्रफुल्ल ठाकुर ने 4 मौतों की पुष्टि की है। वहीं 18 घायलों को रायगढ़ के जिंदल फोर्टिस अस्पताल लाया गया, जहां 6 मजदूरों ने दम तोड़ दिया है। बाकी 12 घायलों की हालत गंभीर है।

वेदांता पॉवर प्लांट में धमाके के बाद आसमान पर उड़ता काला धुंआ

सक्ती जिले के डभरा थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम सिंघीतराई स्थित वेदांता लिमिटेड के पावर प्लांट में रोजाना की तरह मजदूर अपना काम कर रहे थे, जब दोपहर को बॉयलर में अचानक जोरदार विस्फोट हुआ, जिससे चारों ओर आग और धुएं का गुबार फैल गया। इससे प्लांट में हड़कंप मच गया। विस्फोट इतना भयावह था कि आसपास काम कर रहे श्रमिक अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भागने लगे। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार हादसे के समय प्लांट परिसर में बड़ी संख्या में मजदूर काम कर रहे थे।

घटना के तुरंत बाद घायलों को नजदीकी अस्पतालों में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है। गंभीर रूप से झुलसे और घायल मजदूरों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है, जिससे मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका भी जताई जा रही है। सूचना मिलते ही जिला प्रशासन, पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं। घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन जारी है। प्लांट परिसर को घेराबंदी कर सुरक्षित किया गया है।

प्रशासन ने मामले की जांच शुरू कर दी है और तकनीकी विशेषज्ञों की टीम को हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए लगाया गया है। प्रारंभिक तौर पर बॉयलर फटना हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है, लेकिन वास्तविक कारण जांच के बाद ही स्पष्ट होगा। फिलहाल प्रशासन की प्राथमिकता घायलों का बेहतर इलाज और राहत कार्य है, जबकि पूरे मामले की विस्तृत रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है।

इस घटना ने एक बार फिर औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों पर सवाल खड़े कर दिए हैं। स्थानीय लोगों और श्रमिक संगठनों ने उच्चस्तरीय जांच की मांग की है।

विस्फोट के बाद प्लांट में मचा अफरा -तफरी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार विस्फोट के बाद पूरे प्लांट में अफरा-तफरी का माहौल था। कई मजदूर आग की चपेट में आकर झुलस गए, जबकि कई को गंभीर चोटें आई हैं। हादसे की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि धमाके की आवाज दूर तक सुनी गई।

हादसे पर सीएम ने जताया दुख, जांच के दिए निर्देश

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सक्ती जिले के सिंघीतराई स्थित वेदांता पावर प्लांट में बॉयलर फटने से हुई दुर्घटना पर गहरा दु:ख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत पीड़ादायक और हृदय विदारक बताते हुए मृतकों के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित की तथा शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ प्रकट की हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि घटना की सूचना मिलते ही जिला प्रशासन को तत्काल मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया है कि इस दुर्घटना की गहन और निष्पक्ष जांच कराई जाएगी। उन्होंने कहा कि जांच में जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके विरुद्ध सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि भविष्य में इस प्रकार की घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए सभी आवश्यक सुरक्षा उपायों की समीक्षा की जाए और औद्योगिक इकाइयों में सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाए।

मृतकों के परिजनों को मिलेगा मुआवजा : मंत्री देवांगन

वेदांता थर्मल पावर प्लांट में हुए भीषण बॉयलर ब्लास्ट हादसे के बाद छत्तीसगढ़ सरकार ने सख्त रुख अपनाते हुए श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने तत्काल जांच के निर्देश दिए और दोषियों पर श्रम कानून के तहत कड़ी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। मंत्री ने घायल मजदूरों के बेहतर इलाज और मृतकों के परिजनों को निर्धारित मुआवजा देने का आश्वासन दिया। उन्होंने विशेष जांच टीम गठित कर प्लांट प्रबंधन, ठेकेदार और सुरक्षा मानकों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

वेदांता प्लांट ब्लास्ट पर भूपेश बघेल ने की उचित मुआवजा की मांग

छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने सक्ती के वेदांता पावर प्लांट में हुए बॉयलर ब्लास्ट हादसे को पीड़ादायक बताते हुए सोशल मीडिया पर संवेदना व्यक्त की। उन्होंने बताया कि हादसे में कई मजदूरों की मौत हो गई और दर्जनों घायल हुए हैं, साथ ही शासन-प्रशासन से पीड़ित परिवारों को उचित मुआवजा और सभी घायलों के बेहतर इलाज की व्यवस्था करने की अपील की।

सीबीआई ने 8 राज्यों में 77 ठिकानों पर की छापेमारी

एजेंसी, नई दिल्ली

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के बीच कथित गठजोड़ से जुड़े मामलों में देशभर में बड़ी कार्रवाई की है। सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के आधार पर सीबीआई ने 22 नए मामले दर्ज किए और मंगलवार को 8 राज्यों में फैले 77 ठिकानों पर व्यापक छापेमारी की।

सीबीआई ने बताया कि मंगलावार को की गई तलाशी के दौरान सीबीआई ने कई आपत्तिजनक दस्तावेज, डिजिटल उपकरण और अन्य सामग्री जब्त किए हैं, जिनकी जांच की जा रही है। ये मामले उन आरोपों से जुड़े हैं जिनमें कुछ बिल्डरों और वित्तीय संस्थानों के अधिकारियों पर निर्दोष गृह खरीदारों को धोखा देने और ठगने का आरोप है।

जांच एजेंसी के अनुसार यह कार्रवाई कथित फंड डायवर्जन, वित्तीय अनियमितताओं और रियल एस्टेट सेक्टर में धोखाधड़ी की बड़ी साजिश को उजागर करने के लिए की गई है। इससे पहले सीबीआई ने सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के अनुपालन में 28 मामले दर्ज किए थे, जो अंतिम चरण में हैं। अब तक कुल 50 मामले दर्ज किए जा चुके हैं।

नकली दवाओं के अवैध कारोबार करने वाले तीन आरोपी गिरफ्तार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

खाद्य एवं औषधि प्रशासन द्वारा राज्य में नकली दवाओं के अवैध व्यापार के विरुद्ध सतत अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में कुछ माह पूर्व नागपुर गोल्डन ट्रांसपोर्ट, गोगाँव से नकली दवाओं की जब्ती के प्रकरण में एक बड़ी कार्रवाई की गई थी। जांच के दौरान इस संगठित सप्लाई चेन में संलिप्त आरोपितों-रोचक अग्रवाल (बिजरासन मेडिकोज, इंदौर), सुरेंद्र कामनानी (प्रेम प्रकाश एजेंसी, भाटापारा) एवं खेमराज बानी (सरस्वती मेडिकल स्टोर, सारंगढ़) की भूमिका सामने आई, जिन्हें रायपुर में कल सोमवार को गिरफ्तार किया गया।

उक्त प्रकरण की कड़ी में सरस्वती मेडिकल स्टोर, सारंगढ़ में दिनांक दिसंबर माह में विभाग द्वारा विस्तृत जांच एवं जब्ती की कार्रवाई की गई थी । निरीक्षण के दौरान संदिग्ध एवं नकली औषधियों के भंडारण एवं वितरण से संबंधित महत्वपूर्ण साक्ष्य प्राप्त हुए थे, जिन्हें विधिवत जब्त कर जांच में सम्मिलित किया गया।

प्रकरण की गंभीरता को देखते हुए तथा इस अवैध व्यापार के अन्य राज्यों से जुड़े होने की संभावना के आधार पर विभागीय टीम द्वारा अंतरराज्यीय जांच एवं विवेचना भी की गई। जांच के दौरान प्राप्त तथ्यों के आधार पर संबंधित आरोपियों एवं नेटवर्क की भूमिका का विस्तृत परीक्षण किया जा रहा है।

र्तमान में प्रकरण में नियमानुसार अभियोजन की कार्यवाही प्रक्रियाधीन है। विभाग द्वारा प्रकरण से जुड़े अन्य व्यक्तियों एवं संस्थानों की पहचान कर उनके विरुद्ध भी आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है।

खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि, वे दवाओं की खरीद केवल अधिकृत मेडिकल स्टोर्स से ही करें तथा किसी भी संदिग्ध गतिविधि की सूचना विभाग को दें। नकली दवाओं के विरुद्ध इस प्रकार की सख्त कार्रवाई भविष्य में भी निरंतर जारी रहेगी।

सड़क, रेलवे, अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की भाग्य रेखाएं होती हैं : मोदी

प्रधानमंत्री ने दिल्ली-देहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन किया

एजेंसी, देहरादून

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को बहुप्रतीक्षित दिल्लीङ्कदेहरादून आर्थिक गलियारे का उद्घाटन करते हुए कहा कि सड़क, रेलवे और अन्य इंफ्रास्ट्रक्चर देश की 'भाग्य रेखाएं' होती हैं और बीते एक दशक में भारत इनका व्यापक निर्माण कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह परियोजना उत्तराखंड के विकास को नई गति देने के साथ-साथ उत्तर प्रदेश के कई शहरों के लिए भी लाभकारी साबित होगी।

प्रधानमंत्री ने देहरादून में उद्घघाटन समारोह में कहा कि उत्तराखंड अपनी स्थापना के 25 वर्ष पूरे कर 26वें वर्ष में प्रवेश कर चुका है और इस अवसर पर दिल्लीङ्कदेहरादून एक्सप्रेस-वे का उद्घाटन राज्य की प्रगति में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। उन्होंने अपने पूर्व कथन को दोहराते हुए कहा कि यह दशक उत्तराखंड का दशक होगा और 'डबल इंजन' सरकार की नीतियों तथा राज्य के लोगों के परिश्रम से यह संभव होता दिख रहा है।

उन्होंने कहा कि यह आर्थिक गलियारा उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, बागपत, बड़ौत, शामली और सहारनपुर जैसे शहरों से होकर गुजरता है, जिससे इन क्षेत्रों को भी व्यापक लाभ मिलेगा। पर्यटन के दृष्टिकोण से इसे अत्यंत महत्वपूर्ण बताते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इससे देहरादून, हरिद्वार, ऋषिकेश, मसूरी और चारधाम यात्रा को नई गति मिलेगी।

प्रधानमंत्री ने इंफ्रास्ट्रक्चर को राष्ट्र के भविष्य से जोड़ते हुए कहा कि जैसे लोग हाथ की रेखाओं से भविष्य देखते हैं, वैसे ही किसी राष्ट्र की भाग्य रेखाएं उसकी सड़कें, हाई-वे, रेलवे, एयरवेज और वाटरवेज होती हैं। उन्होंने कहा कि ये केवल वर्तमान की सुविधाएं नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों की समृद्धि की गारंटी हैं।

टीएमसी ने बंगाल में खत्म किया उद्योग और रोजगार : राहुल गांधी

एजेंसी, मालदा

कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को पश्चिम बंगाल के मालदा में चुनावी जनसभा में तृणमुल कांग्रेस (टीएमसी)

और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर जमकर हमला बोला। उन्होंने तृणमुल पर प्रदेश में गुंडाराज चलाने का आरोप लगाया।

मालदा के चांचल स्थित कलम बागान में आयोजित जनसभा में राहुल ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के शासन में राज्य में उद्योग और व्यापार खत्म हो गया है। उन्होंने पांच लाख नौकरियों के वादे को झूठा बताते हुए दावा किया कि हजारों युवा रोजगार के इंतजार में है।

सम्राट चौधरी ने पेश किया सरकार बनाने का दावा, आज सुबह लेंगे शपथ

एजेंसी, पटना

बिहार में राजनीतिक बदलाव के बीच भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने नई सरकार गठन का दावा राज्यपाल के समक्ष पेश कर दिया है। भाजपा विधायक दल और राजग विधानमंडल दल के नेता चुने जाने के बाद उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी को राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनाए जाने की प्रक्रिया औपचारिक रूप से आगे बढ़ गई है।

मंगलवार शाम राजग के शीर्ष नेतृत्व के साथ सम्राट चौधरी ने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल सैयद अता हसनैन से मुलाकात की और सरकार गठन का दावा प्रस्तुत किया। राज्यपाल ने इस दावे को स्वीकार कर लिया है। 15 अप्रैल (बुधवार) सुबह 11 बजे शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा, जिसमें सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। उनके साथ नई कैबिनेट के अन्य मंत्री भी शपथ ग्रहण करेंगे।

सम्राट चौधरी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर जानकारी साझा करते हुए कहा, राजग (एनडीए) नेतृत्व के साथ राज्यपाल से भेंट कर सरकार गठन का दावा पेश किया गया है। जनता के विश्वास के साथ बिहार विकास, सुशासन और समृद्धि के नए अध्याय की ओर बढ़ेगा।

इससे पहले, निवर्तमान मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मंगलवार को कैबिनेट की अंतिम बैठक में अपने इस्तीफे की घोषणा की और मंत्रिपरिषद भंग करने का प्रस्ताव सर्वसम्मति से पारित किया गया। इसके बाद उन्होंने राजभवन पहुंचकर राज्यपाल को अपना इस्तीफा सौंप दिया।

पीएम किसान सम्मान निधि योजना में बड़ा घोटाला

रायपुर जिले के 2,163 मृत किसानों को भेजी जा रही थी राशि

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के रायपुर जिले में प्रधानमंत्री(पीएम)किसान सम्मान निधि योजना के तहत भौतिक सत्यापन के दौरान एक बड़ा फर्जीवाड़ा उजागर हुआ है। रायपुर जिले में 2,163 मृत किसानों की पहचान की गई है, जिनकी मृत्यु के बाद भी उनके बैंक खातों में योजना की राशि भेजी जा रही थी। इस फर्जीवाड़े की शुरुआती जांच में 1,310 किसान अपात्र पाए गए हैं, जो योजना के नियमों के तहत लाभ लेने के योग्य नहीं थे।

अधिकारियों ने पुष्टि की है कि 1,310 अपात्र किसानों की पहचान कर ली गई है। इन सभी के नाम हटाने की सूची बनाकर राज्य मुख्यालय को भेज दी गई है। वर्तमान में इन सभी संदिग्ध खातों को ब्लॉक कर दिया गया है। कृषि विभाग के अधिकारियों ने आज बताया है कि कई मामलों में किसानों की मृत्यु के बाद उनके परिजनों ने विभाग को सूचित नहीं किया और गलत तरीके से राशि प्राप्त करना जारी रखा।

रायपुर जिले में पीएम किसान सम्मान निधि योजना में यह फर्जीवाड़ा अप्रैल 2026 के मध्य में भौतिक सत्यापन के दौरान सामने आया है। प्रशासन ने अब तक 11,000 से अधिक संदिग्ध खातों की पहचान की है। इन खातों को ब्लॉक कर दिया गया है और अपात्र किसानों के नाम हटाने के लिए सूची मुख्यालय भेज दी गई है। अपात्र लाभार्थियों से भुगतान की गई राशि की वसूली के लिए कृषि विभाग द्वारा रिकवरी नोटिस जारी करने की तैयारी की जा रही है।

संविधान हमारे लोकतंत्र की आत्मा है और समरसता उसकी सबसे बड़ी शक्ति : मुख्यमंत्री साय

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर के शंकरनगर स्थित दुर्गा मैदान में डॉ. भीमराव आंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर आयोजित समरसता भोज कार्यक्रम में शामिल हुए। इस दौरान मुख्यमंत्री श्री साय ने जनप्रतिनिधियों और आमजन के साथ बैठकर भोजन किया तथा स्वयं लोगों को भोजन परोसकर सामाजिक समरसता का संदेश दिया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसके संविधान का निर्माण करने का गौरव बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर को प्राप्त है। उन्होंने कहा कि यह संविधान देश के 140 करोड़ नागरिकों को समानता, अधिकार और गरिमा के साथ जीवन जीने का आधार प्रदान करता है।

समरसता भोज में शामिल हुए मुख्यमंत्री साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों के बावजूद अपने दृढ़ संकल्प और अदम्य इच्छाशक्ति के बल पर उच्चतम स्थान प्राप्त किया और समाज के वंचित, शोषित एवं कमजोर वर्गों के उत्थान के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने नारी शिक्षा और सम्मान के लिए भी महत्वपूर्ण कार्य किए।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि महान समाज सुधारक महात्मा ज्योतिबा फुले और माता सावित्रीबाई फुले द्वारा प्रारंभ किए गए नारी शिक्षा और सामाजिक जागरूकता के अभियान को बाबा साहेब ने आगे बढ़ाया और उसे नई दिशा दी।

इस अवसर पर मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समरसता का प्रेरक उदाहरण है। उनके विचार आज भी समाज को समानता और न्याय की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हैं। मरसता भोज जैसे आयोजन सामाजिक सद्भाव को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल हैं।

होर्मुज की नाकाबंदी का असर, ईरान का रुख पड़ा नरम, अमेरिका भी पसीजा, शुरू हो सकती है बातचीत

एजेंसी, वाशिंगटन

अमेरिकी नौसेना की होर्मुज जलडमरूमध्य समेत ईरान के सभी बंदरगाहों की नाकाबंदी का असर दिखने लगा है। अमेरिका और ईरान के बीच जारी संघर्ष विराम के इस्लामाबाद में हुई शांति वार्ता के विफल होने पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कड़ा फैसला लिया। उन्होंने ईरान के सभी बंदरगाहों पर नाकाबंदी का ऐलान कर धमकी दी कि अगर इस क्षेत्र में कोई भी ईरानी जहाज पास आया तो उसे समुद्र में डुबो दिया जाएगा। अमेरिकी अधिकारियों के

अनुसार, जिद पर अड़े ईरान का रुख नरम पड़ा है। इससे ट्रंप भी खुश हैं। अब दोनों देशों के प्रतिनिधिमंडलों के बीच परसों (गुरुवार) बातचीत हो सकती है।

अल जजीरा और फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रंप ने कहा कि ईरान ने बातचीत करने की उत्सुकता जताई है। उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने भी कहा कि गेंद ईरान के पाले में है। अब निश्चिततौर पर को बड़ा समझौता हो सकता है।

मोर गांव-मोर पानी अभियान से जल संरक्षण को मिली नई दिशा

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर जिले में जल संरक्षण एवं जल संवर्धन को लेकर व्यापक स्तर पर जनजागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर संजय अग्रवाल एवं सीईओ जिला पंचायत संदीप अग्रवाल के मार्गदर्शन में जिले के सभी विभागों, जनप्रतिनिधियों एवं समाजसेवी संस्थाओं के सहयोग से एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई।

इस कार्ययोजना के तहत ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी और विभिन्न शासकीय विभागों के समन्वय से जिले के जनपदों में मोर गांव मोर पानी महाअभियान संचालित किया गया। अभियान के अंतर्गत जनपद एवं क्लस्टर स्तर पर कर्मचारियों और जल मित्रों ने सभी 486 ग्राम पंचायतों में पहुंचकर जल संरक्षण के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। अभियान के दौरान ग्रामीणों के श्रमदान से जिले में 55 हजार 567 सोक पिट का निर्माण किया गया, साथ ही नालों में 190 बोरी बंधान कार्य भी संपन्न हुए। इसके अतिरिक्त जिला पंचायत द्वारा अनुपयोगी बोरवेलों में 163 सैंड फिल्टर स्ट्रक्चर तथा परकोलेशन टैंकों में 41 इंजेक्शन वेल के निर्माण की स्वीकृति प्रदान कर कार्य पूर्ण कराया गया।

यह महाअभियान जल संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हो रहा है, जिसमें जनभागीदारी के माध्यम से जल संसाधनों के संरक्षण और संवर्धन को नई दिशा मिल रही है। सबसे बड़ा फायदा भू-जल स्तर में वृद्धि के रूप में सामने आएगा, जिससे गर्मी के मौसम में भी हैंडपंप और कुओं में पानी उपलब्ध रहेगा। किसानों को सिंचाई के लिए पर्याप्त पानी मिलने से फसल उत्पादन बढ़ेगा और खेती पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। सोक पिट और सैंड फिल्टर स्ट्रक्चर के निर्माण से वर्षा जल का बेहतर संचयन होगा, जिससे पानी की बर्बादी रुकेगी और गांवों में जल संकट कम होगा। नालों में किए गए बंधान कार्य से जल प्रवाह नियंत्रित होगा और मिट्टी का कटाव भी कम होगा।

साड़ी गुणवत्ता पर सरकार सख्त
प्रबंध संचालक खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को पत्र जारी

रायपुर, प्रतिदिन राजधानी

राज्य में आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं एवं सहायिकाओं को वितरित की गई साड़ियों की गुणवत्ता को लेकर सामने आई शिकायतों पर छत्तीसगढ़ सरकार ने कड़ा रुख अपनाया है। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने मामले को गंभीरता से लेते हुए इसकी गहन जांच कराने के निर्देश दिए हैं।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े के निर्देश पर महिला एवं बाल विकास विभाग के संचालक ने छत्तीसगढ़ खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के प्रबंध संचालक को पत्र जारी कर तत्काल आवश्यक कार्रवाई करने को कहा है। पत्र में स्पष्ट किया गया है कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में साड़ी वितरण के लिए जारी किए गए क्रय आदेश के तहत कुछ जिलों से गुणवत्ता में कमी और निर्धारित मापदंडों में विचलन की शिकायतें प्राप्त हुई हैं।

विभागीय स्तर पर गठित जांच समिति द्वारा किए गए परीक्षण में कुछ स्थानों पर मानकों से विचलन की पुष्टि भी हुई है। इसके बाद अब मामले में कार्रवाई की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। संचालक महिला एवं बाल विकास द्वारा जारी पत्र में खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड को निर्देशित किया गया है कि वे अपने स्तर पर तकनीकी विशेषज्ञों की टीम गठित कर साड़ियों की पुनः गुणवत्ता जांच कराएं। यदि जांच में मापदंडों से किसी प्रकार का विचलन पाया जाता है, तो संबंधित एजेंसियों और आपूर्तिकर्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

इसके साथ ही, जिन स्थानों पर निम्न गुणवत्ता की साड़ियां वितरित हुई हैं, वहां उन्हें तत्काल वापस लेकर गुणवत्तापूर्ण नई साड़ियां उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए गए हैं। विभाग ने यह भी स्पष्ट किया है कि कुछ लोगों द्वारा इस मामले को लेकर भ्रामक एवं नकारात्मक प्रचार किया जा रहा है, जबकि वास्तविकता यह है कि शासन स्तर पर पूरे मामले को संज्ञान में लेकर पारदर्शी ढंग से आवश्यक कार्रवाई की जा रही है।

नगर पंचायत शिवनंदनपुर चुनावः मतदाता सूची जारी

सूरजपुर। नगर पंचायत शिवनंदनपुर आम निर्वाचन 2026 को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। 1 अप्रैल 2026 की स्थिति में तैयार मतदाता नामावली का नगर पंचायत के सभी 15 वार्डों के मतदान केंद्रों में प्रारंभिक प्रकाशन कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार दावे और आपत्तियां दर्ज कराने की प्रक्रिया शुरू हो गई है, जिसकी अंतिम तिथि 20 अप्रैल निर्धारित की गई है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी (स्थानीय निर्वाचन) ने नागरिकों से अपील की है कि वे अपने-अपने वार्ड के मतदान केंद्रों, नगरीय निकाय कार्यालय, संबंधित तहसील एवं अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) कार्यालय में उपलब्ध मतदाता सूची का सावधानीपूर्वक अवलोकन करें। यह सुनिश्चित करें कि उनके और उनके परिवार के सभी पात्र सदस्यों के नाम सूची में सही ढंग से दर्ज हों। किसी भी प्रकार की त्रुटि मिलने पर तत्काल अधिकृत कर्मचारी के समक्ष सुधार हेतु आवेदन प्रस्तुत करें। नाम जोड़ने, हटाने या संशोधन से संबंधित दावे-आपत्तियां 20 अप्रैल 2026 (अपराह्न 3 बजे तक) दर्ज की जा सकती हैं। वहीं, नए मतदाताओं के नाम शामिल कराने की अंतिम तिथि 24 अप्रैल 2026 निर्धारित की गई है। निर्धारित समयसीमा के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। प्रशासन ने नागरिकों से आह्वान किया है कि वे जागरूक मतदाता की भूमिका निभाते हुए न केवल स्वयं सूची की जांच करें, बल्कि अपने परिवार, मित्रों और पड़ोसियों को भी नाम जुड़वाने के लिए प्रेरित करें, ताकि मतदाता सूची पूरी तरह शुद्ध और त्रुटिरहित बनाई जा सके।

खालसा पंथ त्याग, सेवा और बलिदान का प्रतीकः रंजना साहू

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

बैसाखी पर्व के पावन अवसर पर मंगलवार को भाजपा प्रदेश उपाध्यक्ष रंजना साहू शहर के गुरुद्वारे पहुंचीं, जहां उन्होंने गुरु ग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर आशीर्वाद लिया और प्रदेश की सुख-समृद्धि की कामना की।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि, गुरु गोबिंद सिंह द्वारा वर्ष 1699 में स्थापित खालसा पंथ त्याग, सेवा और बलिदान का प्रतीक है। बैसाखी का दिन भारतीय इतिहास में विशेष महत्व रखता है, जब खालसा पंथ की स्थापना कर अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने और धर्म की रक्षा का संदेश दिया गया। रंजना साहू ने कहा कि गुरु गोबिंद सिंह ने इसी दिन खालसा सजाकर मानवता की रक्षा का संकल्प लिया था। आज के समय में हमें उनके बताए सत्य, सेवा और साहस के मार्ग पर चलने की आवश्यकता है। उन्होंने बैसाखी को किसानों की मेहनत और समर्पण का उत्सव बताते हुए कहा कि यह पर्व खुशहाली और समृद्धि का प्रतीक है। गुरु घर में अरदास कर प्रदेश और देश में सुख-शांति और उन्नति की कामना की गई। इस दौरान गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी द्वारा उनका सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समाज के प्रमुख पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

मोबाइल एप आधारित सर्वे से कमार जनजाति के विकास को मिलेगी नई दिशा

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

जिले में विशेष पिछड़ी जनजाति कमार समुदाय के समग्र विकास के लिए डिजिटल पहल की शुरुआत की गई है। मोबाइल एप आधारित इस सर्वे के माध्यम से समुदाय की सामाजिक और आर्थिक स्थिति का सटीक डेटा जुटाया जा रहा है। जिससे योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जा सके।

विशेष पिछड़ी जनजाति (पीवीटीजी) कमार समुदाय के सर्वेक्षण के लिए भारत सरकार के जनजातीय मंत्रालय के मार्गदर्शन में एक अभिनव मोबाइल एप आधारित पहल शुरू की गई है। इस डिजिटल सर्वे के माध्यम से प्रत्येक कमार परिवार की सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति का त्वरित, सटीक एवं पारदर्शी डाटा संग्रह किया जा रहा है जिससे योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन का मार्ग प्रशस्त होगा।

जिला प्रशासन ने बताया है कि सर्वे में आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, पोषण, आजीविका, आधारभूत सुविधाओं की उपलब्धता तथा विभिन्न शासकीय योजनाओं की पहुंच से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां एकत्र की जा रही हैं। मोबाइल एप के उपयोग से डेटा एंट्री में न केवल गति आई है बल्कि त्रुटियों की संभावना भी कम हुई है। जिससे वास्तविक स्थिति के अनुरूप योजना निर्माण संभव हो सकेगा।

जिला प्रशासन द्वारा इस कार्य के लिए मैदानी अमले को विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया गया है ताकि सर्वे कार्य प्रभावी एवं समयबद्ध तरीके से पूर्ण हो सके। साथ ही सर्वे के दौरान समुदाय के साथ संवाद स्थापित कर उनकी आवश्यकताओं और समस्याओं को भी समझा जा रहा है। यह पहल शासन की जनजातीय समुदायों के समग्र एवं समावेशी विकास के प्रति प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इस डिजिटल पहल से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास और रोजगार से जुड़ी योजनाओं को अधिक लक्षित और प्रभावी बनाया जा सकेगा। इससे कमार जनजाति के जीवन स्तर में ठोस सुधार आने की उम्मीद है।

बाल विवाह रोकने चार निगरानी इकाइयों का गठन

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर प्रभावी रोक लगाने के उद्देश्य से जिले में एक सराहनीय पहल की गई है। समाज कल्याण विभाग और महिला एवं बाल विकास विभाग के समन्वय से दिव्यांग प्रेरणा जनकल्याण समिति, धमतरी ने चार विशेष निगरानी इकाइयों का गठन किया है। समिति की अध्यक्ष संतोषी विशनोई, डॉ. पोषण सिन्हा एवं घनश्याम सिंह साहू के नेतृत्व में यह पहल जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

गठित इकाइयों के अंतर्गत नगरी क्षेत्र में कुमारी बाई एवं ओमप्रकाश, कुरूद में शिवचरण और डाली, धमतरी में बसंत कुमार विशनोई एवं सुलेखा अली तथा मगरलोड क्षेत्र में रोहित साहू और पूनम निषाद को जिम्मेदारी सौंपी गई है। इसके साथ ही समिति के सदस्य डेरहाराम, नीलकंठ, होलाराम, सोमन, सुलोचना, सुलेखा अली, मेश्राम, फागूराम और कामता प्रसाद को विशेष रूप से निगरानी कार्य में सक्रिय भूमिका निभाने के निर्देश दिए गए हैं। इन इकाइयों का मुख्य उद्देश्य जिले में 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं और 21 वर्ष से कम आयु के बालकों के विवाह को रोकना है। किसी भी संदिग्ध मामले की जानकारी मिलने पर समाज कल्याण विभाग की उपसंचालक डॉ. मनीषा पाण्डे एवं महिला एवं बाल विकास तथा बाल संरक्षण अधिकारी आनंद पाठक को तत्काल सूचित किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियों ने बताया कि बाल विवाह न केवल कानूनन अपराध है, बल्कि यह समाज के विकास में भी बाधक है। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप धमतरी जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के लिए सभी विभागों और सामाजिक संगठनों का संयुक्त प्रयास जारी है। इस पहल से जिले में जागरूकता बढ़ने के साथ-साथ बाल विवाह पर प्रभावी अंकुश लगने की उम्मीद है।

अंबेडकर जयंती पर कलेक्ट्रेट में श्रद्धांजलि समानता और न्याय के संदेश को किया गया याद

सूरजपुर। भारतीय संविधान के शिल्पकार और सामाजिक न्याय के अग्रदूत डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती पर जिला संयुक्त कार्यालय (कलेक्ट्रेट) परिसर में गरिमामय श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। कलेक्टर एस. जयवर्धन ने बाबा साहेब के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया और उनके विचारों को आत्मसात करने का संदेश दिया।

इस अवसर पर कलेक्टर जयवर्धन ने कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और सामाजिक समानता की प्रेरणा का प्रतीक है। उन्होंने समाज के वंचित और कमजोर वर्गों को अधिकार दिलाने के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया। उनका योगदान केवल संविधान निर्माण तक सीमित नहीं, बल्कि एक समतामूलक और न्यायपूर्ण समाज की नींव रखने में भी अहम रहा।

उन्होंने सभी से आह्वान किया कि बाबा साहेब के आदर्शों को जीवन में अपनाकर समाज में समरसता, न्याय और भाईचारे को मजबूत किया जाए, ताकि एक सशक्त और समानतापूर्ण भारत का निर्माण हो सके।

कार्यक्रम में कलेक्ट्रेट के अधिकारी-कर्मचारियों ने भी श्रद्धापूर्वक नमन करते हुए उनके पदचिह्नों पर चलने का संकल्प लिया।

नशे में ड्राइविंग पर सख्ती, स्कॉर्पियो समेत 3 चालकों पर कार्रवाई, 30 हजार का जुर्माना

अंबिकापुर। सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के उद्देश्य से सरगुजा पुलिस द्वारा नशे में वाहन चलाने वालों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है।

इसी क्रम में आज मंगलवार को यातायात शाखा की टीम ने चेकिंग अभियान के दौरान तीन अलग-अलग मामलों में ड्रंक एंड ड्राइव करते हुए वाहन चालकों को पकड़ा और उनके खिलाफ वैधानिक कार्रवाई की गई।

पुलिस टीम ने चेकिंग के दौरान एक स्कॉर्पियो वाहन को रोककर चालक से पूछताछ की, जिसने अपना नाम दिलीप कुजूर (30 वर्ष), निवासी कटई (कुन्नी चौकी, लखनपुर थाना) बताया। जांच में चालक शराब के नशे में पाया गया, जिसकी पुष्टि ब्रेथ एनालाइजर से भी हुई। इसके अलावा दो अन्य मोटरसाइकिल चालकों सूरज कुमार देवांगन (22 वर्ष), निवासी रघुनाथपुर (लुंड्रा थाना) और सतीश कुमार (39 वर्ष), निवासी जोड़ापीपल, अंबिकापुर को भी नशे में वाहन चलाते हुए पकड़ा गया।

तीनों मामलों में वाहन चालकों के खिलाफ मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 के तहत प्रकरण दर्ज कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया। न्यायालय ने सभी आरोपितों पर 10-10 हजार रुपये का अर्थदंड लगाया, इस प्रकार कुल 30 हजार रुपये का जुर्माना वसूला गया।

यह कार्रवाई डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश कुमार अग्रवाल के निर्देशन में की गई। अभियान में यातायात शाखा प्रभारी उप निरीक्षक विजय कैवर्त, उप निरीक्षक अभय तिवारी सहित पुलिस टीम के अन्य अधिकारी और जवान सक्रिय रूप से शामिल रहे।

धमतरी जिले में संबलपुरी साड़ी केंद्र को मिलेगी नई पहचान

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

जिले में पारंपरिक हस्तशिल्प को नई पहचान दिलाने और महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल सामने आई है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने मंगलवार को श्यामतराई स्थित संबलपुरी साड़ी केंद्र का निरीक्षण कर यहां कार्यरत महिलाओं के प्रयासों की सराहना की और केंद्र को एक मॉडल इकाई के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने महिलाओं से आत्मीय संवाद कर साड़ी निर्माण की पूरी प्रक्रिया, उत्पादन क्षमता, लागत और विपणन व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने कहा कि यह केंद्र न केवल पारंपरिक कला को संरक्षित कर रहा है, बल्कि महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। कलेक्टर ने साड़ियों की गुणवत्ता, डिज़ाइन और रंग संयोजन का अवलोकन करते हुए बाजार की मांग के अनुरूप नवाचार अपनाने पर जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि उत्पादों की बेहतर पैकेजिंग और ब्रांडिंग के लिए आधुनिक मशीनों की व्यवस्था की जाए, जिससे साड़ियों की आकर्षक प्रस्तुति हो और बिक्री में बढ़ोतरी हो सके। महिलाओं के कौशल विकास पर विशेष ध्यान देते हुए कलेक्टर ने नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के माध्यम से डिज़ाइन, रंग संयोजन, आधुनिक ट्रेंड और ई-मार्केटिंग की जानकारी दी जाए, ताकि उत्पादों को व्यापक बाजार मिल सके। इसके साथ ही स्व-सहायता समूहों को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ने पर भी जोर दिया गया, जिससे स्थानीय उत्पादों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल सके। कलेक्टर ने संबंधित विभाग को कच्चे माल की उपलब्धता, वित्तीय सहायता और विपणन के बेहतर अवसर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि उत्पादों की प्रदर्शनी और मेलों में सहभागिता बढ़ाई जाए, ताकि संबलपुरी साड़ी को व्यापक पहचान मिल सके। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र ठाकुर, एसडीएम पीयूष तिवारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, दिनांक 14.07.2010 को श्री तुलाराम पिता पुनऊ एवं अन्य के द्वारा एक किता खुली भूमि जिसका खसरा नंबर 96/12, रकबा 0.809 हेक्टेयर वाके मौजा सरोरा, प.ह.नं. 101/29, तह. धरसींवा तह. व जिला रायपुर में स्थित भूमि को श्री अशोक अग्रवाल पिता श्री ईश्वरचंद अग्रवाल निवासी शंकर नगर, रायपुर छ.ग. के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया था।

उसके पश्चात् श्री अशोक अग्रवाल ने उपरोक्त संपत्ति को श्री नितिन गर्ग पिता श्री अनिल अग्रवाल निवासी शंकर नगर, रायपुर के पक्ष में विक्रय कर दिया जिसका पंजीयन उपजीयक कार्यालय रायपुर में दिनांक 09.07.2018 को किया गया है।

यह कि उपरोक्त पूर्व विक्रय विलेख दिनांक 14.07.2010, की मूल प्रति कहीं गूम हो गई है, तथा बहुत प्रयास के बाद भी नहीं मिल रही है। जिसकी प्रथम सूचना संबंधित थाना मौदहापारा को दिनांक 13.04.2026 को दी गई है।

यह कि उपरोक्त संपत्ति को बंधक रखकर जय अम्बे इस्पात प्रा. लि. रायपुर के द्वारा ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन मेरे पक्षकार इंडियन बैंक, मिड कारपोंट शाखा रायपुर में प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त गुम हुऐ पूर्व विक्रय विलेख दिनांक 14.07.2010 एवं उपरोक्त संपत्ति के संबध में किसी भी व्यक्ति या बैंक, वित्तीय या गैर वित्तीय संस्था या कोई अन्य किसी भी प्रकार का हक दावा संबधी कोई अपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अन्दर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज के उपस्थित होकर अपत्ति करे म्याद अवधि के पश्चात् कोई भी दावा अपत्ति शुन्य व अवैध मानी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 14.04.2026

भवदीय
विजय राठौर, अधिवक्ता
ऑफिसः- भारत गैस गोडउन के पीछे लक्ष्मी नगर, पचपेड़ी नाका, रायपुर छ.ग.
मो.- 9425202167

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, दिनांक 16.08.2010 को श्री बच्चू पिता रामदयाल सतनामी के द्वारा एक किता खुली भूमि जिसका खसरा नबंर 96/11, रकबा 0.809 हेक्टेयर वाके मौजा सरोरा, प.ह.नं. 101/29, तह. धरसींवा तह. व जिला रायपुर में स्थित भूमि को श्री विवेक अग्रवाल पिता श्री ईश्वरचंद अग्रवाल निवासी शंकर नगर, रायपुर छ.ग. के पक्ष में विक्रय विलेख निष्पादित किया गया था।

उसके पश्चात् श्री विवेक अग्रवाल ने उपरोक्त संपत्ति को श्री अनिल अग्रवाल पिता श्री महावीर अग्रवाल निवासी शंकर नगर, रायपुर के पक्ष में विक्रय कर दिया जिसका पंजीयन उपजीयक कार्यालय रायपुर में दिनांक 09.07.2018 को किया गया है।

यह कि उपरोक्त पूर्व विक्रय विलेख दिनांक 16.08.2010, की मूल प्रति कहीं गूम हो गई है, तथा बहुत प्रयास के बाद भी नहीं मिल रही है। जिसकी प्रथम सूचना संबंधित थाना मौदहापारा को दिनांक 13.04.2026 को दी गई है।

यह कि उपरोक्त संपत्ति को बंधक रखकर जय अम्बे इस्पात प्रा. लि. रायपुर के द्वारा ऋण प्राप्त करने हेतु आवेदन मेरे पक्षकार इंडियन बैंक, मिड कारपोंट शाखा रायपुर में प्रस्तुत किया है।

अतः उक्त गुम हुऐ पूर्व विक्रय विलेख दिनांक 16 08.2010 एवं उपरोक्त संपत्ति के संबंध में किता भी व्यक्ति या बैंक, वित्तीय या गैर वित्तीय संस्था या कोई अन्य किसी भी प्रकार का हक दावा संबधी कोई अपत्ति हो तो इस सूचना प्रकाशन के 07 दिनों के अन्दर मेरे कार्यालय में मय दस्तावेज के उपस्थित होकर अपत्ति करे म्याद अवधि के पश्चात् कोई भी दावा अपत्ति शुन्य व अवैध मानी जावेगी एवं मेरे पक्षकार पर बंधनकारी नहीं होगी। सो सूचना जाने।

रायपुर छ.ग.
दिनांक 14.04.2026

भवदीय
विजय राठौर, अधिवक्ता
ऑफिसः- भारत गैस गोडउन के पीछे लक्ष्मी नगर, पचपेड़ी नाका, रायपुर छ.ग.
मो.- 9425202167

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.- 8)
मोहबा बाजार, रायपुर
Email ID-rmczone8@gmail.com

पत्र क्र./30253/न.पा.नि./
जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 13/04/2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 30253
वार्ड का नाम -70- संत रविदास वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 70 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR568H0146E जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती 1. RAJESH MECHKE 2. RAKESH MECHKE पिता/पति श्री/श्रीमती SHRI RAM MECHKE के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती MOHIT KUSHWAHA पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHRI NARESH CHAND KUSHWAHA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा /आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. 8
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम बीरगांव, जिला-रायपुर (छ.ग.)

क्रमांक / 81 / न.पा.नि./ लो.नि.वि. / 2025-26/ बीरगांव, दिनांक 09/04/2026

मैन्यूअल पद्धति निविदा आमंत्रण सूचना

नगर पालिक निगम बीरगांव क्षेत्रान्तर्गत मरम्मत संधारण मद/निकाय निधि अन्तर्गत ग्राम रावांभाठा ट्रांसपोर्ट नगर में संचालित समस्त सार्वजनिक शौचालयों का मरम्मत एवं संधारण कार्य हेतु छत्तीसगढ़ के लोक निर्माण विभाग में एकीकृत पंजीयन प्रणाली अन्तर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निविदा प्रपत्र 'ए' में छत्तीसगढ़ के पी.डब्लू.डी. भवन एस.ओ.आर. 01.01.2015, एवं इलेक्ट्रीकल एस. ओ.आर 2020 (निविदा तिथि तक संशोधित) अनुसार प्रतिशत दर पर कार्य संपादन हेतु (आवेदन करने की अंतिम तिथि दिनांक 24.04.2026 एवं निविदा प्राप्त होने की अंतिम तिथि 04.05.2026) तीन लिफाफा पद्धति में निविदा आमंत्रित है।

उपरोक्त कार्यो की अनुमानित लागत, अमानत राशि, निविदा की शर्ते, निविदा दस्तावेज व कार्य से संबंधित अन्य विस्तृत जानकारी कार्यालयीन अवधि में निगम कार्यालय के लोक निर्माण शाखा से प्राप्त की जा सकती है। साथ ही यह जानकारी नगर पालिक निगम बीरगांव की वेबसाईट www.nagarnigambirgaon.com व संचालनालय की वेबसाईट www.uad.cg.gov.in से भी डाउनलोड/प्राप्त की जा सकती है।

कार्यपालन अभियंता
नगर पालिक निगम बीरगांव
जिला-रायपुर (छ.ग.)

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 15 अप्रैल 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

बच्चे गुरुद्वारों में जाकर जानेंगे सिक्ख संस्कृति - छग सिक्ख समाज

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज ने समस्त प्रदेशवासियों एवं सिक्ख समाज को पावन पर्व बैसाखी की लख-लख बधाई एवं हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की हैं।

बैसाखी का पर्व सिक्ख धर्म में अत्यंत महत्वपूर्ण स्थान रखता है। यह दिन न केवल खुशियों और उल्लास का प्रतीक है, बल्कि सिक्ख इतिहास का स्वर्णिम अध्याय भी है। इसी दिन वर्ष 1699 में दसवें गुरु गुरु गोबिंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना की थी, जिसने सिक्ख समाज को एक नई पहचान, साहस और आत्मसम्मान का संदेश दिया। खालसा पंथ की स्थापना ने अन्याय और अत्याचार के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा दी और धर्म, मानवता तथा समानता की रक्षा का संकल्प मजबूत किया। बैसाखी का पर्व किसानों के लिए भी विशेष महत्व रखता है, क्योंकि यह फसल कटाई की खुशी का प्रतीक है। इस अवसर पर लोग अपने परिश्रम के फल का उत्सव मनाते हैं और ईश्वर का आभार व्यक्त करते हैं। यह पर्व समाज में खुशहाली, समृद्धि और आपसी भाईचारे का संदेश लेकर आता है। छत्तीसगढ़ सिक्ख समाज के प्रदेश अध्यक्ष सुखबीर सिंह सिंघोत्रा सहित सभी पदाधिकारियों ने प्रदेश के सिख समाज से अपील की है कि खालसा पंथ के स्थापना दिवस के अवसर पर अपने बच्चों को खालसा का महत्व अवश्य समझाएं। उन्हें गुरुद्वारों में मत्था टेकने, शबद कीर्तन सुनने और गुरबाणी का श्रवण करवाने के लिए पूरे परिवार सहित अवश्य लेकर जाएं, ताकि नई पीढ़ी सिख इतिहास, बलिदान, देशप्रेम, देशभक्ति एवं सिख संस्कृति को समझ सके और उसे अपने जीवन में आत्मसात कर सके। समाज के पदाधिकारियों ने इस पावन अवसर पर सभी से आपसी प्रेम, भाईचारा और एकता बनाए।

नागरिकों को गर्मी में जल की उपलब्धता नगर निगम का दायित्व, इसे अच्छी तरह निर्वहन करें- महापौर

पानी टंकी से टैंकर भरने में जलापूर्ति बाधित होरही है तो आवश्यकतानुसार आस पास बोरवेल करके वहां से टैंकरों में पानी भरे.

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने एक बार स्पष्ट कहा है कि गर्मी में नगरवासियों को जल की उपलब्धता करना नगर पालिक निगम का दायित्व है और इसे अच्छी तरह से निर्वहन करना है. पेयजल टैंकरों से व्यवहारिक आवश्यकता के अनुसार नगरवासियों को जल आपूर्ति करवाई जाए, क्योंकि गर्मी में जल उपलब्ध करवाना आवश्यक कार्य है. इसे सभी अधिकारी अत्यंत गंभीरता के साथ करें. जलसंकट ग्रस्त वार्डों में आवश्यक होने पर टुल्लू पम्पो की जप्ती करें और टेल एंड तक गर्मी में जल पहुंचाना सुनिश्चित करें. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने आयुक्त विश्वदीप सहित नगर निगम जल कार्य विभाग के अध्यक्ष संतोष साहू की उपस्थिति में जल सम्बंधित कार्यों और गर्मी में जलापूर्ति पर आवश्यक बैठक ली, जोनवार समीक्षा की और नागरिकों को जल उपलब्धता सुगमता से करने आवश्यक निर्देश दिए. महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने निर्देश दिए कि किसी भी क्षेत्र में जल की समस्या आने पर सम्बंधित स्थल का तत्काल जल बोर्ड के अधिकारियों सहित जोन के अधिकारीगण स्थल निरीक्षण करें और जल समस्या का त्वरित समाधान करें. यदि जलसमस्या का त्वरित समाधान नहीं हो सके, तो पेयजल टैंकर से वहाँ के लोगों को जलआपूर्ति गर्मी में करवाना सुनिश्चित करें. आयुक्त विश्वदीप ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी जोन अधिकारी प्रतिदिन सभी टंकियों में प्रतिदिन जल का पूर्ण भराव करवाना मॉनिटरिंग करके सुनिश्चित करें. जहां भी व्यवहारिक समस्या हो और जल की आवश्यकता हो, उसकी मांग से तत्काल सम्बंधित जोन कमिश्नर अवगत करवाएं, ताकि आवश्यकतानुसार राशि जारी कर त्वरित समस्या निदान किया जा सके. आयुक्त ने निर्देश दिए कि जहां भी पेयजल का गहन संकट हो, उससे सम्बंधित जोन कमिश्नर और अधिकारी उन्हें, महापौर, जल विभाग अध्यक्ष को तत्काल अवगत करवाएं, ताकि त्वरित समाधान हेतु आवश्यक कार्रवाई तत्काल की जा सके. सुगम जलआपूर्ति हेतु धन की कमी नहीं है, किन्तु जलसमस्या व्यवहारिक हो और उसका त्वरित समाधान कर गर्मी में नागरिकों को राहत दी जाए।

अम्बेडकर जयंती पर सीएम साय ने किया नमन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास में भारतरत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर उनके छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर नमन किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव, विधायक रोहित साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित थे। मुख्यमंत्री साय ने बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर के व्यक्तित्व एवं कृतित्व को स्मरण करते हुए कहा कि उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों के अधिकारों की रक्षा एवं उनके उत्थान के लिए समर्पित किया।

जिला अस्पताल में मुफ्त डायलिसिस से सत्यवती को राहत, परिवार पर कम हुआ आर्थिक बोझ

जिला अस्पताल में निशुल्क डायलिसिस और दवाइयों की सुविधा, बिना कठिन प्रक्रिया के मिल रहा है मरीजों को लाभ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अभनपुर निवासी सत्यवती भी अपने अन्य दोस्तों की तरह पढ़ाई और करियर बनाने के लिए संघर्ष कर रही थी, तभी जिंदगी ने उनके सामने एक बड़ी चुनौती रख दी। कॉलेज में प्रथम वर्ष की इस छात्रा को किडनी से जुड़ी गंभीर समस्या ने घेर लिया और इलाज के लिए डॉक्टरों ने हफ्ते में 2-3 बार डायलिसिस कराने की सलाह दी।

इलाज की शुरुआत अभनपुर के एक निजी अस्पताल से हुई पर वहां हर हफ्ते 2-3 बार डायलिसिस कराने में करीबन 35 हजार रुपये का खर्च आता था, जो लंबे समय तक वहन करना सत्यवती एवं उनके परिवार के लिए संभव नहीं था। इसी बीच सत्या?वती को जिला अस्पताल रायपुर में प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम के तहत मुफ्त इलाज की जानकारी मिली। अब वह नियमित रूप से जिला अस्पताल, पंडरी में डायलिसिस करा रहीं हैं, वो भी बिना कोई शुल्क दिए।

सत्यवती बताती हैं कि पहले हर दिन चिंता बनी रहती थी कि इलाज कैसे होगा, पैसे कहां से आएंगे। अब कम से कम यह चिंता खत्म हो गई है। इलाज समय पर हो रहा है, जिससे उसकी तबीयत भी सुधर रही है।

परिवार के लिए भी यह बड़ी राहत है। सत्यवती के साथ आये उनके भाई कहते हैं कि पहले हर हफ्ते पैसे की व्यवस्था करना सबसे बड़ा तनाव था। अब जिला अस्पताल में मुफ्त सुविधा मिलने से घर की स्थिति संभल पाई है। जिला अस्पताल में चल रही यह सेवा ऐसे कई मरीजों के लिए सहारा बन रही है, जो महंगे इलाज का खर्च उठाने में असमर्थ हैं। डायलिसिस केंद्र की संचालिका ने बताया कि जिला अस्पताल के दूसरे फ्लोर पर स्थित इस केंद्र में डायलिसिस के लिए 11 मशीनें उपलब्ध हैं और दिन में 30 से अधिक सेशन डायलिसिस किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि औसतन हर महीने ज़िला अस्पताल में 80 से ज्यादा मरीज निशुल्क डायलिसिस करवाकर इस सुविधा का लाभ ले रहे हैं।

सत्यवती और अन्य किडनी मरीजों के लिए यह योजना सिर्फ इलाज नहीं, बल्कि बिना आर्थिक बोझ के सामान्य जीवन की ओर लौटने की उम्मीद भी है।

कलिंगा विश्वविद्यालय, नया रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत ने ज़ी इंस्टीट्यूट ऑफ़ क्रिएटिव आर्ट, भुवनेश्वर के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

कलिंगा विश्वविद्यालय, रायपुर ने 8 अप्रैल 2026 को ज़ी इंस्टीट्यूट ऑफ़ क्रिएटिव आर्ट (ZICA), भुवनेश्वर के साथ एक समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता उद्योग-एकीकृत शिक्षा को मज़बूत करने और छात्रों के लिए रचनात्मक करियर के अवसरों का विस्तार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है।

इस समझौते का उद्देश्य बैचलर ऑफ़ वोकेशन (B.Voc) प्रोग्राम में दो स्पेशलाइज़ेशन—एनिमेशन और VFX, तथा फैशन टेक्नोलॉजी—को बढ़ावा देना है। इन्हें इस तरह से डिज़ाइन किया गया है कि ये छात्रों को ज़्यादा मांग वाले क्रिएटिव क्षेत्रों में व्यावहारिक कौशल, हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग और इंडस्ट्री से जुड़ा ज्ञान प्रदान कर सकें। इस सहयोग का उद्देश्य अकादमिक शिक्षा और उद्योग की अपेक्षाओं के बीच के अंतर को पाटना है, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि छात्र पहले ही दिन से करियर के लिए तैयार हों। इस समझौते पर ZIC भुवनेश्वर के निदेशक श्री प्रमोद कुमार पांडा और कलिंगा विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप गांधी ने ZICA भुवनेश्वर के सेंटर हेड श्री कालीचरण साहू और कलिंगा विश्वविद्यालय के एडमिशन डायरेक्टर श्री अभिषेक शर्मा की उपस्थिति में औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए; यह समझौता गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और पेशेवर उत्कृष्टता के प्रति दोनों संस्थानों की मज़बूत प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इस सहयोग के तहत, ZIC भुवनेश्वर 'इंडस्ट्री पार्टनर' के तौर पर काम करेगा, जो विशेषज्ञ मार्गदर्शन, वास्तविक दुनिया का अनुभव और एनिमेशन, VFX तथा फैशन उद्योगों में इस्तेमाल होने वाले नवीनतम उपकरणों और तकनीकों तक पहुँच प्रदान करेगा। यह साझेदारी छात्रों को व्यावहारिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने, मज़बूत पोर्टफ़ोलियो बनाने और प्रतिस्पर्धी रचनात्मक क्षेत्रों में अपनी रोज़गार-योग्यता बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। एनिमेशन, विज़ुअल इफ़ेक्ट और फ़ैशन जैसे उद्योगों में तेज़ी से हो रही वैश्विक वृद्धि के साथ, यह पहल उन छात्रों के लिए करियर के रोमांचक रास्ते खोलती है, जो अपनी रचनात्मकता को एक सफल पेशे में बदलना चाहते हैं। इन कार्यक्रमों को प्रतिभा को निखारने, नवाचार को बढ़ावा देने और उद्योग के लिए तैयार पेशेवर तैयार करने के उद्देश्य से सावधानीपूर्वक संरचित किया गया है। यह सहयोग कलिंगा विश्वविद्यालय के कौशल-आधारित, अभिनव और भविष्य-उन्मुख शिक्षा प्रदान करने के दृष्टिकोण को सुदृढ़ करेगा, जिससे यह इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एक पसंदीदा गंतव्य बन जाएगा।

नगर निगम रायपुर द्वारा स्वच्छता सर्वेक्षण की तैयारियां निरंतर तेजी से प्रगति पर

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर एवं आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग एवं स्वच्छ भारत मिशन शाखा के माध्यम से सभी 10 जोनो के वार्डो में राष्ट्रीय स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के पूर्व सर्वेक्षण की पुख्ता प्रशासनिक तैयारियां तेज गति से निरंतर प्रगति पर है। विभिन्न सार्वजनिक स्थानो, उद्यानो, तालाबो के किनारो अन्य महत्वपूर्ण स्थानो में जनजागरूकता हेतु स्वच्छता वॉल राईटिंग सहित वार्डो एवं जोनो में स्वच्छता व्यवस्था सुधारने लगातार कार्य प्रगति पर है। जोन कमिश्नरों द्वारा जोन स्वास्थ्य अधिकारियों सहित वार्डो की सफाई व्यवस्था का वार्ड पार्षदो सहित लगातार निरीक्षण कर मॉनिटरिंग करते हुए सफाई अभियान पूर्वक करवायी जा रही है एवं नागरिको को स्वच्छता को लेकर जागरूक बनाने कार्य किया जा रहा है। स्वच्छता के 4 धुरंधर पहल पर अभियान तेजी से वार्डों में जारी है। नागरिको से 4 डिब्बो की व्यवस्था कर पृथक पृथक सूखा, गीला, घरेलू खतरनाक एवं सेनेटरी कचरा पृथक-पृथक डिब्बे में रखकर रायपुर शहर को स्वच्छ बनाने का कार्य 1 अप्रैल 2026 से भारत सरकार द्वारा प्रभावशील ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के अनुरूप करने जागरूक बनाया जा रहा है। विभिन्न सार्वजनिक स्थानों, उद्यानो, तालाबो के किनारो आदि में स्वच्छता जागरूकता लाने वॉल राईटिंग एवं स्वच्छता अभियंता लगातार जारी जोन 1 द्वारा खमतराई वीर शिवाजी उद्यान में बेस्ट ऑफ वेस्ट के अंतर्गत सुन्दर कलाकृतियां लगवाई गयीं, अपर आयुक्त विनोद पाण्डेय ने किया निरीक्षण इसके अंतर्गत रायपुर नगर निगम जोन 1 स्वास्थ्य विभाग की टीम ने जोन अंतर्गत वीर शिवाजी वार्ड कमांक 16 क्षेत्र में खमतराई पानी टंकी जोन कार्यालय के समीप वीर शिवाजी उद्यान परिसर में बेस्ट ऑफ वेस्ट के अंतर्गत कबाड से जुगाड की गई वस्तुओ की सुन्दर विविध कलाकृतियां बनवाकर नागरिको को स्वच्छता के प्रति जागरूक बनाने लगवायी है।

दीपक जायसवाल ने अध्यक्ष गोपेश साहू, श्रीजयंत साहू, अधीक्षण अभियंता, कमिश्नर सहित विकास कार्यों का किया निरीक्षण, सभी

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे के निर्देश पर नगर निगम लोक कर्म विभाग के अध्यक्ष श्री दीपक जायसवाल ने नगर निगम जोन 9 जोन कमिश्नर श्री गोपेश साहू, लालबहादुर शास्त्री वार्ड क्रमांक 51 के पार्षद प्रतिनिधि श्री जयंत साहू सहित निगम अधीक्षण अभियंता श्री संजय बागड़े, जोन 9 जोन कमिश्नर श्री राकेश शर्मा, कार्यपालन अभियंता श्री पद्माकर श्रीवास, जोहेब सहित अन्य सम्बंधित निगम अधिकारियों की उपस्थिति में नगर मद अंतर्गत निर्माणाधीन नाला के प्रगतिरत विकास कार्यों का विधायक कॉलोनी, कचना और व्ही. व्ही. विहार सहित अन्य विभिन्न स्थानों पर निर्माण कार्यों की प्रगति का स्थल पर औचक निरीक्षण किया।

राजेश्वरी पटेल सहित स्वच्छता व्यवस्था का किया प्रत्यक्ष निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे और स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष श्रीमती गायत्री सुनील चंद्राकर और आयुक्त विश्वदीप के निर्देश पर नगर निगम जोन 8 अंतर्गत पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 के पार्षद भगतराम हरबंश ने नगर निगम जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल और नगर निगम मुख्यालय स्वच्छ भारत मिशन शाखा नोडल अधिकारी कार्यपालन अभियंता योगेश कडु, जोन 8 जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन और स्वच्छता निरीक्षक रितेश झा, राकेश बंजारे सहित अन्य सम्बंधित जोन 8 जोन अधिकारियों, कर्मचारियों की उपस्थिति में स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 की पुख्ता प्रशासनिक तैयारी करवाने नगर निगम जोन 8 क्षेत्र अंतर्गत पण्डित जवाहर लाल नेहरू वार्ड क्रमांक 2 के अंतर्गत विभिन्न स्थानों और क्षेत्रों में सिटी प्रोफाइल को विशेष ध्यान में रखकर स्वच्छता व्यवस्था का स्वच्छता वाल राइटिंग, शौचालयों की सफाई व्यवस्था सहित अन्य विविध कार्यों का स्थलों पर सूक्ष्मता से प्रत्यक्ष निरीक्षण कर तैयारियों की वार्डों में स्थल समीक्षा करते हुए आवश्यक निर्देश नगर निगम सम्बंधित जोन 8 जोन अधिकारियों को दिए.

स्वच्छ सर्वेक्षण 2026 के पूर्व ही स्वच्छता व्यवस्था वार्ड 2 क्षेत्र में पुख्ता बनाने जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन को और वार्ड क्षेत्र के सामुदायिक भवन का रखरखाव और संधारण कार्य शीघ्र करवाने सहायक अभियंता अनुराग पाटकर को प्रस्ताव बनाने के निर्देश जोन 8 जोन कमिश्नर श्रीमती राजेश्वरी पटेल द्वारा वार्ड के निरीक्षण के दौरान स्थल पर दिए गए.

जनगणना कार्य हेतु प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण का सीईओ विश्वरंजन ने किया प्रत्यक्ष निरीक्षण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आज छत्तीसगढ जनगणना निदेशालय एवं रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के आदेशानुसार रायपुर नगर पालिक निगम के सभी जोनों में निर्धारित प्रशिक्षण केन्द्रो स्कूलो आदि स्थलों में जनगणना कार्य हेतु प्रगणको और पर्यवेक्षको को प्रशिक्षित मास्टर ट्रेनर्स द्वारा प्रशिक्षण देने का कार्य प्रारंभ हुआ। विभिन्न स्थानो पर प्रशिक्षण केन्द्रो में पहुंचकर रायपुर जिला कलेक्टर के आदेशानुसार रायपुर जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी कुमार विश्वरंजन ने प्रत्यक्ष निरीक्षण प्रशिक्षण कार्य के सबंध में किया एवं आवश्यक निर्देश प्रशासनिक व्यवस्था के संबंध में सबंधित अधिकारियों को दिये। निर्देश दिये गये कि भारत सरकार के जनगणना निदेशालय और छत्तीसगढ़ जनगणना निदेशालय और रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह के दिशा -निर्देश अनुसार होने जा रहे दिनांक 1 मई 2026 से जनगणना कार्य के प्रथम चरण का कार्य एव सम्पूर्ण प्रशासनिक कार्य दायित्वों का निर्वहन ड्यूटी पर लगाये गये समस्त प्रगणक एव पर्यवेक्षकगण सहित जोनो के जनगणना चार्ज अधिकारी जोन कमिश्नरगण पूरी तरह त्रुटि रहित एवं समय सीमा के भीतर सर्वोच्च प्राथमिकता से किया जाना हर हाल में सुनिश्चित करे। जनगणना कार्य के दौरान गए समस्त दिशा निर्देशो का पूर्ण परिपालन कार्य के में व्यवस्था के प्रत्यक्ष निरीक्षण के दौरान रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय जनगणना शाखा के प्रभारी अधिकारी नगर निगम उपायुक्त जसदेव सिंह बाबरा सहित नगर निगम जोन 1 जोन कमिश्नर नगर निगम जोन 1 जनगणना वार्ज अधिकारी अंशुल शर्मा सीनियर सहित अन्य जनगणना कार्य से सम्बंधित अधिकारीगण एवं मास्टर ट्रेनर्सगण की उपस्थिति रही।

बकायादार अपना सम्पूर्ण बकायाअदा कर सीलबंदी की कड़ी कार्रवाई से बचें

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ शासन के नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के आदेशानुसार बिना अधिभार सम्पतिकर की अदायगी दिनांक 30 अप्रैल 2026 तक करने की छूट सभी सम्पतिकरदाता नागरिकों को प्रदान की गयी है. रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग द्वारा नगर पालिक निगम रायपुर के सभी बकायादारों को एक बार पुन: स्पष्ट अवगत करवाया गया है कि सम्पूर्ण बकाया राशि नगर निगम राजस्व विभाग अदा नहीं किये जाने पर सम्बंधित बकायादारों पर कुर्की और सीलबंदी करने की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई की जाएगी. कार्रवाई की परेशानी और तनाव से बचने सम्बंधित बकायादार रायपुर नगर पालिक निगम के राजस्व विभाग को अपना देय सम्पूर्ण बकाया तत्काल अदा कर देवें.

बिना अधिभार नियत अंतिम देय तिथि दिनांक 30 अप्रैल 2026 तक बिना अधिभार करों की अदायगी नहीं किये जाने पर नियमानुसार 17 प्रतिशत अधिभार सहित बकाया राजस्व की वसूली की नियमानुसार कड़ी कार्रवाई के तनाव और परेशानी से बचें.

रायपुर नगर पालिक निगम के समस्त 10 जोन कार्यालयों के राजस्व विभाग और समस्त सदर काउंटरों में दिनांक 30 अप्रैल 2026 तक सम्पतिकरदाता नागरिक जोन कार्यालय जाकर अपनी सुविधा अनुसार अपना देय सम्पूर्ण सम्पतिकर सहज और सरल तरीके से अदा कर सकते हैं.

इसके साथ ही रायपुर नगर पालिक निगम के मोर रायपुर एप को प्ले स्टोर से मोबाइल पर डाउनलोड करके और ऑनलाइन लिंक http-sÑ//mcraipur.in/ से ऑनलाइन सम्पतिकर भुगतान की सुविधा की उपलब्धता है. जिससे कोई भी सम्पति करदाता नागरिक अपने देय सम्पतिकर सहित सभी निगम करों का भुगतान घर बैठे एक क्लिक पर आसानी से बिना अधिभार देय अंतिम नियत तिथि दिनांक 30 अप्रैल 2026 तक रायपुर नगर पालिक निगम राजस्व विभाग को अपनी सुविधा अनुसार कर सकता है.

रायपुर नगर पालिक निगम क्षेत्र के सभी 10 जोनों के समस्त 70 वार्डों के रहवासी सम्पति करदाता नागरिकों को इस सहज और सरल प्रशासनिक जनसुविधा का पूर्ण वांछित लाभ अधिकाधिक संख्या में अवश्य प्राप्त करना चाहिए.

हाण्डी तालाब की सफाई दिया स्वच्छ सरोवर और स्वच्छ उद्यान का सन्देश

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर नगर पालिक निगम द्वारा जोन 4 क्षेत्र में रविनगर उद्यान और जोन 7 क्षेत्र में तात्यापारा वार्ड अंतर्गत हाण्डी तालाब की सफाई विशेष अभियान जन - जन को स्वच्छ सरोवर और स्वच्छ उद्यान का सकारात्मक स्वच्छता सन्देश नगर निगम जोन 7 जोन अध्यक्ष श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा की विशेष उपस्थिति और नगर निगम स्वच्छ भारत मिशन शाखा नोडल अधिकारी प्रभारी कार्यपालन अभियंता योगेश कडु और बंच ऑफ फूल्स के सतीश भुवालका, ग्रीन आर्मी ऑफ रायपुर के अभिताभ दुबे, टुटेजा, विजय हिंशीकर, बंच ऑफ फूल्स सहित ग्रीन आर्मी के स्वयंसेवकों, ब्रम्हविद स्कूल के लगभग 100 से अधिक विद्यार्थियों की सक्रिय सहभागिता से समाजहित में पर्यावरण संरक्षण की दृष्टि से दिया. नगर निगम जोन 7 जोन अध्यक्ष और तात्यापारा वार्ड पार्षद श्रीमती श्वेता विश्वकर्मा ने हाण्डी तालाब की सफाई में स्वयंसेवकों, सामाजिक कार्यकर्त्ताओं, महिलाओं, आमजनों, पर्यावरण प्रेमियों के साथ मिलकर श्रमदान करते हुए तालाब की सफाई के अभियान में सक्रियता से भाग लिया।

सम्पादकीय

श्रमिक अशांति

कोरोना संकट के बाद पटरी पर लौटती वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं को दुनिया के कई भागों में जारी युद्ध व संघर्ष ने फिर पटरी से उतार दिया है। महाशक्तियों की महत्वाकांक्षा मानवता और आम आदमी के जीवन पर भारी पड़ी है। यूक्रेन युद्ध ने दुनिया की अर्थव्यवस्थाओं और यूरोप की ऊर्जा आपूर्ति को बाधित जरूर किया, लेकिन उसका असर उतना व्यापक नहीं था, जितना खाड़ी युद्ध का रहा है। जाहिरा तौर पर वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से आम आदमी के जीवन पर बहुत नकारात्मक असर पड़ा है। बढ़ती महंगाई ने आम आदमी की जीवन शैली व थाली पर गहरा प्रभाव डाला है। अमेरिका के साम्राज्यवादी मंसूबों और इस्राइल की आक्रामकता से उपजे खाड़ी संकट ने एशिया ही नहीं, बल्कि यूरोप, अफ्रीका व अमेरिका की ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला को संकट में डाल दिया है। संयुक्त राष्ट्र की विफलता के चलते आज दुनिया में 'जिसकी लाठी, उसकी भैंस' वाली कहावत चरितार्थ हुई है। जिसका सीधा असर महंगाई वृद्धि के रूप में सामने आया है। एक ओर ईंधन संकट और उससे बुरी तरह प्रभावित जनजीवन आक्रोश का कारक बना है। विडंबना यह है कि इस महंगाई के बीच कामगारों के वेतन सिकुड़ने लगे हैं। जीवनयापन कठिन होते और कोई समाधान न निकलते देख श्रमिकों का आक्रोश सड़क तक पहुंचने लगा है। सोमवार को उत्तर प्रदेश के नोएडा में फैक्ट्रियों के श्रमिकों द्वारा किया गया हिंसक प्रदर्शन इस संकट की परिणति ही है। वहीं दूसरी ओर हरियाणा की औद्योगिक नगरी मानेसर में भी पुलिस व श्रमिकों के बीच हिंसक झड़पों की खबरें आई हैं। ये टकराव भारतीय औद्योगिक तंत्र की विसंगतियों की ही याद दिलाते हैं। इस तरह के हिंसक संघर्ष हमारी कानून-व्यवस्था की विफलता को भी उजागर करते हैं। वहीं बताते हैं कि श्रमिक वर्ग, उद्योग और राज्य सरकार के बीच कहीं न कहीं संवाद की कमी है। यही वजह है कि वेतन बढ़ाने की मांग के समर्थन में शुरू हुआ मार्च कालांतर आगजनी, तोड़फोड़ व यातायात बाधित करने में तब्दील हो गया। निश्चित तौर पर समय रहते इस श्रमिक असंतोष को भांपते हुए बेहतर ढंग से संवाद किया जाता तो शायद टकराव की स्थिति पैदा न होती। दरअसल, सरकारों की तरफ से तो कहा जा रहा है कि देश में ईंधन व गैस आपूर्ति में कोई व्यवधान नहीं है, लेकिन जमाखोरी व प्रशासन की उदासीनता से इसकी कालाबाजारी जारी है। श्रमिक वर्ग जो छोटे गैस सिलेंडरों से जीवन-यापन करता था, उसमें व्यवधान पैदा हो गया। नियंत्रित गैस आपूर्ति से छोटे गैस सिलेंडर भरने का धंधा ठप हो गया। शायद सरकारों को भी इस बात का अहसास नहीं था कि कितना बड़ा श्रमिक वर्ग छोटे गैस सिलेंडरों को भरने के काले धंधे पर निर्भर है। यही वजह है कि हिमाचल समेत कई राज्यों में खाना पकाने के संकट के चलते श्रमिकों के घर लौटने के मामले प्रकाश में आए हैं। लेकिन इस संकट को शासन-प्रशासन के स्तर पर गंभीरता से नहीं लिया गया।

रंग, राग और रचना जीवन में कला का उत्सव

यह कहना गलत नहीं होगा कि मनुष्य और कला का संबंध अत्यंत गहरा, स्वाभाविक और प्राचीन है। जब से मानव सभ्यता का आरंभ हुआ, तब से ही मनुष्य ने अपनी भावनाओं, विचारों और अनुभवों को व्यक्त करने के लिए कला का सहारा लिया। प्रारंभिक मानव ने गुफाओं की दीवारों पर चित्र बनाकर अपने जीवन, शिकार और प्रकृति के साथ संबंध को दर्शाया-और यहीं से वास्तव में कला और मनुष्य का यह अनोखा रिश्ता शुरू हुआ।सच तो यह है कि कला मनुष्य की संवेदनाओं की पूर्ण व अनोखी अभिव्यक्ति है।

सुनील कुमार महला।

विश्व कला दिवस हमें यह सिखाता है कि कला केवल सौंदर्य नहीं, बल्कि समाज को जोड़ने, समझने और बदलने की ताकत भी रखती है। कला ने विकास, क्रांति, स्वतंत्रता और रचनात्मकता के संदेशों को संप्रेषित करने और वैश्विक मुद्दों को जनता तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कला में वह ताकत है जो हमें जीवन की सबसे कठिन परिस्थितियों में भी एकजुट और संलग्न कर सकती है।कला केवल एक सुंदर चित्र,या पेंटिंग मात्र ही नहीं है, बल्कि यह तो हमारे समाज की धड़कन है, स्थानीय और वैश्विक समुदायों में वे जो परिवर्तन देखना चाहते हैं, उसका हृदय है। वास्तव में, यह यह दिन कला और रचनात्मकता को बढ़ावा देने, सांस्कृतिक विविधता को सम्मान देने, कलाकारों को सम्मान और पहचान दिलाने, समाज में संवाद, शांति और एकता को प्रोत्साहित करने, शिक्षा में कला के महत्व को उजागर करने तथा युवाओं को कला के प्रति प्रेरित करने के क्रम में हर साल मनाया जाता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि कला हमारे जीवन को सुंदर, अर्थपूर्ण और संवेदनशील बनाती है। अनेक शोध यह बताते हैं कि कला (जैसे पेंटिंग, संगीत, लेखन) तनाव कम करने और मानसिक स्वास्थ्य सुधारने में सहायक होती है और यह दिवस चित्रकला, संगीत, नृत्य, नाटक और साहित्य जैसी विभिन्न कला विधाओं को समर्पित है।

खुशी, दु:ख, प्रेम, क्रोध, आशा और निराशा जैसे भाव जब शब्दों में पूरी तरह व्यक्त नहीं हो पाते, तब कला उन्हें रूप, रंग, संगीत, नृत्य या साहित्य के माध्यम से जीवंत बना देती है। इस प्रकार कला मनुष्य के भीतर की दुनिया को(आंतरिक भावों, संवेदनाओं) बाहर लाने का माध्यम बनती है।कला केवल अभिव्यक्ति ही नहीं, बल्कि यह तो मनुष्य के आत्मिक संतुलन और मानसिक शांति(मेंटल सूदिंग) का भी साधन है। चित्रकारी, संगीत या लेखन जैसे कलात्मक कार्य मनुष्य को तनाव से दूर ले जाकर उसे सृजनात्मक आनंद प्रदान करते हैं। शायद यही कारण भी रहा है कि हर युग में कला ने मानव जीवन को सुंदर और संतुलित बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसके अलावा, कला समाज और संस्कृति का दर्पण भी होती है। किसी भी देश या समाज की परंपराएँ, रीति-रिवाज, इतिहास और जीवन शैली कला के विभिन्न रूपों में झलकते हैं। इस तरह कला न केवल व्यक्ति को स्वयं से जोड़ती है, बल्कि उसे अपने समाज और उसकी जड़ों से भी जोड़ती है। आधुनिक युग में भी यह संबंध उतना ही प्रासंगिक है, बल्कि और भी व्यापक हो गया है। डिजिटल आर्ट, एनीमेशन, फिल्म और कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) के माध्यम से कला के नए-नए रूप सामने आ रहे हैं, जो मनुष्य की रचनात्मकता को नई ऊँचाइयों तक पहुँचा रहे हैं। हाल फिलहाल, इस दिवस पर देश-विदेश में विभिन्न स्कूल, कॉलेज और सांस्कृतिक संस्थान इस दिन प्रदर्शनी, कार्यशालाएं और प्रतियोगिताएं, आर्ट फेस्टिवल और लाइव पेंटिंग इवेंट्स आदि आयोजित करते हैं। आज सोशल नेटवर्किंग साइट्स का युग है और ऐसे समय में आजकल सोशल मीडिया पर भी कलाकार अपनी कला साझा कर जागरूकता फैलाते हैं। कहना गलत नहीं होगा कि कला मनुष्य के मानसिक स्वास्थ्य और आत्म-अभिव्यक्ति का महत्वपूर्ण माध्यम है। इसकी शुरुआत अंतरराष्ट्रीय कला संघ द्वारा की गई थी। यहां पाठकों को बताता चलूं कि अंतरराष्ट्रीय कला संघ यूनेस्को से जुड़ा हुआ एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पहली बार इसे वर्ष 2012 में मनाया गया था तथा 15 अप्रैल का दिन इसलिए चुना गया क्योंकि यह महान कलाकार लियोनार्डो दा विंची का जन्मदिन है, जिन्हें कला और विज्ञान के प्रतीक के रूप में देखा जाता है।सरल शब्दों में कहें तो लियोनार्डो दा विंची के जन्मदिन (15 अप्रैल) को समर्पित है, जो विश्व शांति, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और बहुसंस्कृतिवाद के प्रतीक हैं। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2019 में यूनेस्को ने इस दिन को आधिकारिक रूप से मान्यता दी, जिससे इसकी वैश्विक पहचान और मजबूत हुई।हर वर्ष इस दिवस की एक थीम रखी जाती है और वर्ष 2025 में इसकी थीम-अभिव्यक्ति का बगीचा-कला के माध्यम से समुदाय का निर्माण रखी गई थी। वास्तव में, इस थीम का उद्देश्य था कि कला के जरिए लोगों को जोड़ना, देश और समाज में सामुदायिक भावना को मजबूत करना और रचनात्मक अभिव्यक्ति को बढ़ावा देना।इस वर्ष यानी कि वर्ष 2026 में इस दिवस की थीम-एकता और उपचार के लिए कला रखी गई है। यह थीम दुनिया भर में बढ़ती विभिन्नताओं और तनावों के बीच कला की जोड़ने वाली शक्ति पर जोर देती है। यह कला ही होती है जो मानसिक और भावनात्मक उपचार (हीलिंग) में मदद करती है। वास्तव में यह लोगों को प्रेरित करती है कि वे कला के जरिए सामाजिक सौहार्द, सहानुभूति और शांति को बढ़ावा दें। आज का युग डिजिटल युग है, सोशल नेटवर्किंग साइट्स,एआई व संचार क्रांति का युग है और ऐसे दौर में कला तकनीक व विज्ञान के साथ मिलकर नए रूप में उभर रही है। डिजिटल आर्ट के जरिए कलाकार अब एडोब फोटोशॉप और प्रो-क्रिएट जैसे सॉफ्टवेयर से आसानी से अपनी रचनात्मकता व्यक्त कर रहे हैं।

वहीं नोन- फंजीबल टोकन (एन एफ टी) ने डिजिटल कला को आर्थिक पहचान दी है, जिससे कलाकार सीधे अपनी कला बेच सकते हैं। इसके साथ ही एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) आर्ट, जैसे डैलकई, ने कुछ ही सेकंड में कल्पनाओं को चित्रों में बदलना संभव बना दिया है। इस प्रकार, आधुनिक तकनीक ने कला को अधिक सुलभ, वैश्विक और नवाचारी बना दिया है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि डैलकई एक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) आधारित इमेज जनरेटर है, जिसे ओपन-एआई ने विकसित किया है। वास्तव में, यह एक ऐसा टूल है जो टेक्स्ट (शब्दों/वर्णन) को समझकर उसके आधार पर चित्र (इमेजेज) बना देता है। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज के तेज़-रफ्तार और तनावपूर्ण जीवन में कला एक तरह की मानसिक चिकित्सा (थैरेपी) की तरह काम करती है। यही कारण है कि आर्ट थैरेपी का उपयोग भी लोगों के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के लिए किया जाता है। सरल शब्दों में कहें तो कला में अद्भुत सूदिंग पावर (सुकून देने की शक्ति) होती है। यह मनुष्य के मन और आत्मा को गहराई से प्रभावित करती है। जब व्यक्ति तनाव, चिंता या दुख में होता है, तब संगीत, चित्रकला, कविता या नृत्य जैसे कला के रूप उसे भीतर से शांत और हल्का महसूस कराते हैं। वास्तव में, कोई भी कला मन की अशांति को धीरे-धीरे कम करती है और भावनाओं को संतुलित करती है।

भारत की जनगणना 2027 : बदलते भारत की नई कहानी....

'हमारी जनगणना-हमारा विकास' के संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ तैयार

रमेश जायभाये
(उपनिदेशक, पत्र सूचना कार्यालय)

क्या आपने कभी सोचा है कि आपके घर की छोटी-सी जानकारी-जैसे पानी, बिजली या परिवार के सदस्यों का विवरण-देश के विकास में कितना बड़ा योगदान दे सकती है? दरअसल, हर नागरिक की दी गई जानकारी मिलकर ही भारत के भविष्य की दिशा तय करती है। इसी कड़ी में वर्ष 2027 की जनगणना एक खास पड़ाव बनने जा रही है। यह केवल एक सरकारी प्रक्रिया नहीं, बल्कि बदलते भारत की एक नई कहानी है-एक ऐसी कहानी जिसमें हर नागरिक की भागीदारी है। इस बार जनगणना पूरी तरह डिजिटल अंदाज़ में होगी, जो इसे पहले की सभी जनगणनाओं से अलग और अधिक आधुनिक बनाती है। छत्तीसगढ़ में इस महाअभियान को लेकर तैयारियाँ तेज़ी से पूरी की जा रही हैं। वातावरण ऐसा है मानो कोई बड़ा जनउत्सव आने वाला हो-और वास्तव में, यह एक ऐसा अभियान है जिसमें हर व्यक्ति की भागीदारी बेहद महत्वपूर्ण है।

कहानी शुरू होती है इतिहास से...

भारत में जनगणना की शुरुआत 1872 में हुई थी और 1881 से इसे पूरे देश में व्यवस्थित रूप से लागू किया गया। स्वतंत्रता के बाद 1951 में पहली जनगणना आयोजित हुई, जिसने देश के विकास की दिशा तय करने में अहम भूमिका निभाई। अब वर्ष 2027 की जनगणना इस ऐतिहासिक यात्रा का आधुनिक रूप है। यह न केवल देश की वर्तमान स्थिति का आकलन करेगी, बल्कि भविष्य की योजनाओं की नींव भी तैयार करेगी। छत्तीसगढ़ में यह प्रक्रिया दो चरणों में पूरी होगी-पहला चरण अप्रैल-मई 2026 में और दूसरा फरवरी-मार्च 2027 में आयोजित किया जाएगा। राज्य के लिए संदर्भ तिथि 1 मार्च 2027 (रात 12 बजे) निर्धारित की गई है, जिसके आधार पर प्रत्येक व्यक्ति की गणना की जाएगी। अब आपकी बारी: खुद करें अपनी जनगणना! इस बार जनगणना की सबसे रोचक और उपयोगी सुविधा है-स्व-गणना। अब आप स्वयं अपने घर और परिवार की जानकारी ऑनलाइन भर सकते हैं। 16 अप्रैल से 30 अप्रैल 2026 के बीच https://se.census.gov.in पोर्टल पर जाकर मोबाइल नंबर और ओटीपी के माध्यम से लॉगिन कर यह प्रक्रिया पूरी की जा सकती है। आपसे परिवार के सदस्यों की संख्या, उनकी आयु, शिक्षा, व्यवसाय और घर की सुविधाओं से जुड़े कुछ सरल प्रश्न पूछे जाएंगे। पूरी जानकारी भरने के बाद आपको एक सी आईडी प्राप्त होगी। जब प्रगणक आपके घर आएंगे, तो केवल यह आईडी दिखानी होगी और आपकी जानकारी सत्यापित कर ली जाएगी-यानी बार-बार जानकारी देने की आवश्यकता नहीं होगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि जनगणना के दौरान किसी भी प्रकार के दस्तावेज़ दिखाने की आवश्यकता नहीं होती। आप जो जानकारी देंगे, वही दर्ज की जाएगी। स्व-गणना के प्रति लोगों का रुझान भी तेजी से बढ़ रहा है-देशभर में लाखों परिवार इस सुविधा का उपयोग कर चुके हैं, जो इस डिजिटल पहल की बढ़ती स्वीकार्यता को दर्शाता है।

स्मार्ट तकनीक, सटीक आंकड़े और भरोसेमंद प्रक्रिया

इस बार जनगणना पूरी तरह तकनीक के सहारे संचालित होगी। प्रगणक मोबाइल ऐप के माध्यम से डेटा दर्ज करेंगे, जिससे काम तेज़ और अधिक सटीक होगा। साथ ही, आधुनिक जीआईएस आधारित डिजिटल मैपिंग का उपयोग कर हर क्षेत्र और गणना ब्लॉक को स्पष्ट रूप से चिन्हित किया जा रहा है, ताकि कोई भी घर या व्यक्ति छूट न जाए। डेटा के बेहतर प्रबंधन और निगरानी के लिए उन्नत डिजिटल सिस्टम का उपयोग किया जा रहा है, जिससे पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और व्यवस्थित बनी रहती है। एक महत्वपूर्ण बदलाव के रूप में, इस बार जाति संबंधी आंकड़ों का भी समावेश किया जाएगा, जो दशकों बाद समाज की व्यापक तस्वीर प्रस्तुत करेगा। जनगणना में समाज के हर वर्ग को शामिल करने का विशेष ध्यान रखा जाता है। इसी के तहत बेघर व्यक्तियों की गणना भी अलग से, विशेष अभियान के माध्यम से की जाती है, ताकि कोई भी नागरिक इस प्रक्रिया से वंचित न रह जाए। और जहाँ तक आपकी जानकारी की सुरक्षा का सवाल है-यह पूरी तरह गोपनीय रहती है। इसे किसी अन्य विभाग या एजेंसी के साथ साझा नहीं किया जाता।

छत्तीसगढ़ तैयार, अब आपकी भागीदारी जरूरी

छत्तीसगढ़ में इस अभियान के लिए बड़े पैमाने पर तैयारियाँ की गई हैं। शहरों से लेकर गाँवों तक, हर क्षेत्र में जनगणना टीम सक्रिय रहेगी, ताकि कोई भी परिवार छूट न जाए। नागरिकों की सुविधा के लिए टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1855 भी जारी किया गया है, जहाँ किसी भी प्रकार की जानकारी या सहायता प्राप्त की जा सकती है। लेकिन इस पूरे अभियान की असली ताकत है-आपकी भागीदारी। जब आप सही जानकारी देते हैं, तो आप केवल एक फॉर्म नहीं भरते, बल्कि अपने क्षेत्र के विकास में योगदान देते हैं। आपकी दी गई जानकारी से ही तय होता है कि कहाँ नई सड़क बनेगी, कहाँ स्कूल खुलेगा और कहाँ स्वास्थ्य सुविधाओं की जरूरत है।

आखिर में एक छोटी-सी बात...

जनगणना एक आईना है, जिसमें देश खुद को देखता है।
इस बार यह आईना डिजिटल है-तेज़, सटीक और आधुनिक।
और इसमें जो तस्वीर दिखेगी, उसे बनाने में आपका भी योगदान होगा।

तो आइए, इस जनगणना अभियान का हिस्सा बनें-स्व-गणना करें, सही जानकारी दें और देश के विकास की कहानी में अपनी भूमिका निभाएं।

रेल की पटरियों पर भविष्य का भारत

विनोद कुमार सिंह।

भारत की विकास गाथा केवल महानगरों की चमक-दमक या औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है,इसकी वास्तविक शक्ति उन दूरस्थ गांवों,पहाड़ी अंचलों और घने वनों में बसती है,जहाँ आज भी जनजातीय समाज अपनी परंपराओं,संस्कृति और प्रकृति के साथ गहरे जुड़ाव के साथ जीवन जी रहा है।लंबे समय तक ये क्षेत्र विकास की मुख्यधारा से दूर रहे -सड़क,शिक्षा,स्वास्थ्य और रोजगार जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित।आज भारतीय रेल की पटरियों पर दौड़ती विकास की यह नई कहानी इन दूरस्थ इलाकों तक पहुंचने लगी है।भारतीय रेल के माध्यम से अंतिम छोर तक कनेक्टिविटी सुनिश्चित करने का जो संकल्प सामने आया है,वह केवल बुनियादी ढांचे का विस्तार नहीं,बल्कि सामाजिक न्याय,समान अवसर और मानवीय गरिमा की पुर्नस्थापना का प्रयास है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत @ 2047' के विजन में यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है कि विकास का अर्थ तभी पूर्ण होगा,जब वह समाज के सबसे अंतिम व्यक्ति तक पहुँचे। रेलमंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में भारतीय रेल जिस गति से विस्तार कर रही है,वह इस संकल्प को व्यवहार में बदलने का प्रमाण है। वित्त वर्ष 2025-26 में 100 रेलवे परियोजनाओं को स्वीकृति मिलना इस दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। इन परियोजनाओं के अंतर्गत नई रेल लाइनों का निर्माण, दोहरीकरण, मल्टी-ट्रैकिंग, वायपास और फ्लाई ओवर जैसी पहलें शामिल हैं, जो देश के रेल नेटवर्क को न केवल विस्तृत करेंगी, बल्कि उसे अधिक सक्षम और आधुनिक भी बनाएंगी। 1.53 लाख करोड़ के विशाल निवेश और 6,000 किलोमीटर से अधिक रेल नेटवर्क के विस्तार का यह अभियान केवल आंकड़ों की उपलब्धि नहीं है। यह उन सपनों का विस्तार है,जो वर्षों से जनजातीय और पिछड़े वर्गों की आँखों में पलते रहे हैं। यह वह विश्वास है,जो अब वास्तविकता में बदलता दिखाई दे रहा है कि 'देश का विकास,सबका विकास' केवल नारा नहीं,बल्कि एक जीवंत प्रक्रिया है। विशेष रूप से जनजातीय और दूरस्थ क्षेत्रों पर केंद्रित यह पहल अपने आप में एक सामाजिक क्रांति का स्वरूप लेती दिखाई देती है।

उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, इस कुल निवेश में से लगभग 40,000 करोड़ से अधिक की राशि जनजातीय बहुल क्षेत्रों में रेल परियोजनाओं के विकास पर केंद्रित है।यह राशि केवल परियोजनाओं का खर्च नहीं,बल्कि उन पीढ़ियों के भविष्य में किया गया निवेश है,जो अब तक विकास की दौड़ में पीछे छूटती रही थीं। छत्तीसगढ़ के रावघाट से जगदलपुर तक बनने वाली रेल लाइन, झारखंड और ओडिशा के दुर्गम अंचलों में विस्तारित हो रहे रेल कॉरिडोर-ये केवल परियोजनाएं नहीं,बल्कि उन बच्चों के सपनों की पटरियां हैं, जो अब बेहतर शिक्षा के लिए शहरों तक पहुंच सकेंगे; उन मरीजों के जीवन की डोर हैं,जिन्हें समय पर इलाज मिल सकेगा; और उन किसानों व कारीगरों के लिए आशा की किरण हैं,जो अब अपने उत्पादों को बड़े बाजारों तक पहुंचा सकेंगे।

जनजातीय समाज,जो सदियों से प्रकृति का संरक्षक रहा है,आज भी अपनी सांस्कृतिक पहचान और आत्मसम्मान के साथ जीवन जीता है।वही आधुनिक सुविधाओं से दूर रहने के कारण वह कई बार अवसरों से वंचित रह जाता है। ऐसे में जब रेल जैसी सशक्त परिवहन व्यवस्था इन क्षेत्रों तक पहुंचती है,तो यह केवल दूरी कम नहीं करती, बल्कि अवसरों की खाई भी पाटती है। महाराष्ट्र, बिहार, झारखंड और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में परियोजनाओं का विशेष फोकस यह दर्शाता है कि सरकार उन क्षेत्रों को प्राथमिकता दे रही है,जहाँ जनसंख्या का बड़ा हिस्सा अभी भी विकास के लिए संघर्ष कर रहा है।इन राज्यों में बेहतर रेल संपर्क से न केवल यात्री सुविधाओं में सुधार होगा,बल्कि माल परिवहन को भी गति मिलेगी, जिससे स्थानीय उद्योगों और रोजगार के अवसरों में वृद्धि होगी। 'मिशन 3000 एमटी' के तहत माल परिवहन क्षमता बढ़ाने की दिशा में उठाए गए कदम भारत की आर्थिक मजबूती को नई दिशा देंगे।कोयला, खनिज और अन्य संसाधनों के तेज परिवहन से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, वहीं बंदरगाहों से बेहतर संपर्क तटीय व्यापार को गति देगा। यह सब मिलकर भारत को वैश्विक स्तर पर एक प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था के रूप में स्थापित करेगा। 1,000 करोड़ से अधिक लागत वाली 35 से अधिक परियोजनाएं इस बात का संकेत हैं कि अब विकास की सोच छोटे सुधारों से आगे बढ़कर व्यापक परिवर्तन की ओर अग्रसर है।

नारी शक्ति वंदन अधिनियम : सशक्त भारत की ओर एक ऐतिहासिक कदम

भारत के लोकतांत्रिक इतिहास में नारी शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 एक मील का पत्थर है। यह केवल एक संवैधानिक संशोधन नहीं, बल्कि देश की करोड़ों महिलाओं के आत्मविश्वास, अधिकार और नेतृत्व क्षमता को नई दिशा देने वाला ऐतिहासिक निर्णय है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में यह ऐतिहासिक पहल साकार हुई है, जो 'महिला-नेतृत्व विकास' के उनके संकल्प को मजबूत आधार प्रदान करती है। इस अधिनियम के माध्यम से लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित किया गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने इसे नए भारत की विकास यात्रा में एक निर्णायक कदम बताते हुए स्पष्ट किया है कि अब महिलाएं केवल 'नीति की लाभार्थी' नहीं, बल्कि 'नीति की निर्माता' बनेंगी।

लक्ष्मी राजवाड़े
(महिला एवं बाल विकास मंत्री)

यह प्रावधान महिलाओं को निर्णय लेने की प्रक्रिया में सशक्त भागीदारी का अवसर देगा और लोकतंत्र को अधिक समावेशी, संवेदनशील एवं प्रभावी बनाएगा। आज देश में महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए अनेक योजनाएं संचालित हैं, जो उनके जीवन के हर चरण को सुदृढ़ बना रही हैं। यह भी प्रधानमंत्री श्री मोदी की सोच का परिणाम है कि विकास की धारा में महिलाओं को केंद्र में रखा गया है। स्वास्थ्य, पोषण, शिक्षा, सुरक्षा और आर्थिक स्वावलंबन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुए हैं। स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं ने आर्थिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की है, जिससे न केवल उनकी आय में वृद्धि हुई है, बल्कि समाज में उनकी भूमिका भी मजबूत हुई है।

प्रधानमंत्री जन धन योजना, मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन और जल जीवन मिशन जैसी पहलों ने महिलाओं के जीवन को सरल, सुरक्षित और सम्मानजनक बनाया है। आज महिलाएं बैंकिंग प्रणाली से जुड़कर आर्थिक निर्णय ले रही हैं, उद्यमिता की ओर अग्रसर हो रही हैं और आत्मनिर्भरता की नई मिसाल कायम कर रही हैं। शिक्षा और कौशल विकास के क्षेत्र में भी बेटियों को आगे बढ़ाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं, जिससे वे भविष्य की सशक्त नेतृत्वकर्ता बन सकें। नारी शक्ति वंदन अधिनियम इन सभी प्रयासों को एक नई ऊंचाई प्रदान करेगा। जब महिलाएं संसद और विधानसभाओं में अधिक संख्या में पहुंचेंगी, तो वे अपने अनुभव, संवेदनशीलता और जमीनी समझ के साथ समाज के हर वर्ग के हितों का बेहतर प्रतिनिधित्व करेंगी। इससे नीतियां अधिक जन-केंद्रित और न्यायसंगत बनेंगी। यह अधिनियम सामाजिक न्याय, समानता और लोकतांत्रिक मूल्यों को सुदृढ़ करने का भी माध्यम है।

वर्षों से महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी सीमित रही है, जबकि पंचायत स्तर पर उनकी सक्रिय भूमिका ने यह सिद्ध कर दिया है कि वे नेतृत्व में पूरी तरह सक्षम हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में यह पहल महिलाओं की उस क्षमता को राष्ट्रीय स्तर पर विस्तार देने का ऐतिहासिक अवसर प्रदान करती है। अंतत:, नारी शक्ति वंदन अधिनियम केवल एक कानून नहीं, बल्कि एक परिवर्तनकारी विचार है एक ऐसा विचार, जो भारत को विकसित, समावेशी और सशक्त राष्ट्र बनाने की दिशा में महिलाओं की भूमिका को केंद्र में रखता है।

जब महिलाएं सशक्त होंगी, तो परिवार सशक्त होगा, समाज सशक्त होगा और अंतत: राष्ट्र सशक्त बनेगा। आइए, हम सभी इस ऐतिहासिक पहल का स्वागत करें और एक ऐसे भारत के निर्माण में योगदान दें, जहाँ नारी शक्ति ही राष्ट्र शक्ति का आधार बने और यही प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के सपने को साकार करने की दिशा में सबसे मजबूत कदम होगा।

जनसैलाब के बीच गरिमामय वातावरण में मनाई गई अंबेडकर जयंती

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की 135वीं जयंती के अवसर पर नवा रायपुर अटल नगर स्थित इंद्रावती भवन के समीप कैपिटल कॉम्प्लेक्स क्षेत्र के अंबेडकर चौक में एक भव्य एवं गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। डां बी.आर. अंबेडकर जयंती समारोह, संयुक्त आयोजन समिति के द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारी, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं एवं आम नागरिकों की बड़ी संख्या में सहभागिता रही। सुबह से ही अंबेडकर चौक पर लोगों का जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरे क्षेत्र में 卐जय भीम卐 एवं संविधान के जयघोष गूंजते रहे।

कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ शासन के मंत्री गुरु खुशवंत साहेब मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए, एवं अध्यक्षता महादेव कांवरे, संभागायुक्त रायपुर द्वारा की गई। कार्यक्रम का शुभारंभ डॉ. अंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक वाचन कर उपस्थित जनों को संविधान के प्रति निष्ठा की शपथ दिलाई गई। अंबेडकर चौक से एक भव्य रैली भी निकाली गई, जिसमें नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लेते हुए सामाजिक समानता और न्याय के संदेश को जन-जन तक पहुंचाया।

अंबेडकर चौक में आदमकद

कांस्य प्रतिमा की स्थापना की जाएगी समारोह के दौरान आयोजन समिति द्वारा अंबेडकर चौक में संविधान निर्माता डॉ. अंबेडकर की आदमकद कांस्य प्रतिमा स्थापित करने की मांग रखी गई। इस पर मुख्य अतिथि मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने आश्वासन दिया कि आने वाले समय में यहां एक भव्य एवं विशाल प्रतिमा अवश्य स्थापित की जाएगी। मंत्री जी का यह व्यक्त्तव उपस्थित जनसमूह के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रही। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अपने विस्तृत उद्बोधन में कहा कि डॉ. अंबेडकर का जीवन संघर्ष, शिक्षा और आत्मसम्मान की एक प्रेरणादायक गाथा है। उन्होंने बताया कि बाबासाहेब ने अत्यंत विपरीत परिस्थितियों में रहते हुए विदेशों में उच्च शिक्षा प्राप्त की और अपने ज्ञान, परिश्रम एवं दूरदर्शिता के बल पर भारत को विश्व का सबसे मजबूत संविधान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने अपना संपूर्ण जीवन समाज के वंचित, शोषित एवं पिछड़े वर्गों के उत्थान के लिए समर्पित किया, जो आज भी हम सभी के लिए मार्गदर्शक है।

अपने वक्तव्य में मंत्री ने समाज को एकजुट होने का आह्वान करते हुए कहा कि डॉ. अंबेडकर के विचार केवल किसी एक वर्ग के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानव समाज के लिए प्रेरणास्रोत हैं।

उन्होंने जोर देकर कहा कि हमें उनके बताए मार्ग पर चलते हुए शिक्षा, समानता और अधिकारों के प्रति जागरूकता को बढ़ाना होगा। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे अपने अधिकारों को जानें, समझें और संविधान के मूल्यों को अपने जीवन में अपनाएं, ताकि एक समरस, समान और सशक्त समाज का निर्माण किया जा सके।

राष्ट्रीय अधिवेशन में छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधियों को मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारियाँ

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

चंडीगढ़ (पंजाब) में 12 एवं 13 अप्रैल 2026 को नेशनल फेडरेशन ऑफ गवर्नमेंट आईटीआई एम्प्लॉइज एसोसिएशन्स का राष्ट्रीय अधिवेशन सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। इस अधिवेशन में देशभर के प्रतिनिधियों ने भाग लेकर विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। अधिवेशन के दौरान सम्पन्न चुनाव में सरदार दविंदर सिंह नेशनल प्रेसिडेंट एवं अनिल भोसले (गोवा) नेशनल जनरल सेक्रेटरी निर्वाचित हुए। वहीं छत्तीसगढ़ से संतोष कुमार वर्मा नेशनल वाइस प्रेसिडेंट तथा गजेंद्र साहू नेशनल सेक्रेटरी चुने गए, जो राज्य के लिए गौरव की बात है।

अधिवेशन में सभी राज्यों की समस्याओं एवं मांगों पर चर्चा करते हुए NCVT Act बनाने हेतु समिति का गठन किया गया तथा समान ग्रेड पे एवं पदनाम के लिए भी सहमति बनी। छत्तीसगढ़ प्रतिनिधि मंडल की प्रमुख मांगें (संक्षेप में)सभी आईटीआई में शनिवार अवकाश लागू हो। प्रशिक्षण अधिकारियों को 4600 ग्रेड पे दिया जाए। डीजीटी दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन हो। प्रशिक्षण अवधि (1200/1600 घंटे) पर स्पष्टता लाई जाए। RPL/CITS परीक्षा आयोजित कर पात्र अधिकारियों को शामिल किया जाए। संस्थाओं में संसाधन बढ़ाकर एफिलिएशन प्रक्रिया सरल बनाई जाए।

अधिवेशन में इन मांगों को सकारात्मक रूप से लेते हुए राष्ट्रीय स्तर पर सहयोग का आश्वासन दिया गया।

संत कंवरराम जयंती पर महाआरती की गई व पशुपक्षियों के लिए दाना सकोरा व कोटना का वितरण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

संत कंवरराम सेवा समिति व संत कंवरराम नगर युवा परिषद के तत्वाधान में आज 13 अप्रैल को संत कंवरराम साहिब जी की 141वीं जयंती के अवसर पर संत कंवरराम चौक संत कंवरराम नगर (कटोरा तालाब) में संत जी की मूर्ति पर माल्यापर्ण कर आरती पूजा की गई व प्रसाद वितरण किया गया इस अवसर पर सामाजिक संस्था बढ़ते कदम द्वारा पक्षियों व पशुओं के लिए दाना सकोरा व कोटना का वितरण किया गया यह जानकारी युवा परिषद के अध्यक्ष प्रेमप्रकाश मध्यानी व महासचिव अजय वलेचा ने दी

इस भक्तिपूर्ण कार्यक्रम के अवसर पर भाई साहिब अमरलाल जी, साईं जल कुमार मसंद पूर्व विधायक श्रीचंद सुंदरानी पूर्व पार्षद जगदीश कलश पार्षद अमर गिदवानी युवा परिषद के अध्यक्ष प्रेम प्रकाश मध्यानी महासचिव अजय वलेचा जय बजाज कमल लखनी किशनचंद निहलानी पवन पृथवानी पार्षद प्रदीप वर्मा कचरू साहू मित्रसेन धीमान बबला होतवानी कैलाश राजपूत अमर दास खट्टर राधा राजपाल इंद्र कुमार डोडवानी किशोर आहूजा डॉक्टर गोपाल चावला राजू राघवानी अप्पू वाडिया विकस रुपरेला अशोक मालानी झमानदस बजाज मनोहर चंदनानी तनेश आहूजा अमर चंदनानी अनिल होतवानी, परमानंद चिमनानी, अमित जीवन, बलराम आहूजा, डॉक्टर गजवानी, हरीश तारवानी, सुरेश रोचलानी, ओमप्रकाश पंजवानी, राजू तारवानी, सुनील कुकरेजा, मुकेश पंजवानी, मोहन वरल्यानी , सुरेश छत्री,रूपचंद पंजवानी, तनेश आहूजा,इंद्र कुमार गोधवानी, किशन मनुजा, प्रकाश तीर्थानी, चंद्रकुमार डोडवानी, रिंकू प्रेमचंदानी, सन्नी मनुजा, पृथ्वीराज दयानी, विजय जयसिंघानि, मोनू आहूजा, बिरजू दयानी, अनिल होतवानी, राजू मंगतानी, राजू झामनानी, मुरलीधर शादीजा, संजय कोपुलवार, रमेश मनकानी, प्रदीप सिहानी, विजय नागवानी, अशोक दुल्हानी, राजकुमार, रवि पंजवानी, सुनील रामवानी, ईश्वर कोडवानी ।

विकास की नींव रखने वाले हाथों का सम्मान

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

जगदलपुर के वीर सावरकर भवन में बीते दिनों निर्माण श्रमिकों के सशक्तिकरण और उन्हें शासन की योजनाओं से जोड़ने के उद्देश्य से एक श्रमिक सम्मेलन का आयोजन किया गया। श्रम विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मण्डल के मार्गदर्शन में आयोजित इस गरिमामयी कार्यक्रम में विकास की रीढ़ कहे जाने वाले श्रमिकों का न केवल सम्मान किया गया, बल्कि उन्हें विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित भी किया गया। इस सम्मेलन में समूचे बस्तर जिले के सुदूर अंचलों से आए बड़ी संख्या में श्रमिकों ने हिस्सा लिया, जिससे पूरा परिसर उनकी उत्साहजनक उपस्थिति से सराबोर नजर आया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद बस्तर श्री महेश कश्यप और नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन सहित अन्य जनप्रतिनिधियों ने दीप प्रज्वलित कर आयोजन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर जन प्रतिनिधियों ने अपने संबोधन में श्रमिकों को राष्ट्र का असली निर्माता बताते हुए कहा कि सरकार का मुख्य लक्ष्य अंतिम छोर पर खड़े व्यक्ति के जीवन स्तर में सुधार लाना है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद श्री महेश कश्यप ने अपने उद्बोधन में कहा कि श्रमिक केवल मजदूरी करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि नए भारत के निर्माण का आधार है। उन्होंने श्रमिकों को उनके अधिकारों के प्रति सजग रहने का आह्वान करते हुए विश्वास दिलाया कि सरकार सदैव उनके साथ खड़ी है। श्री कश्यप ने शासन द्वारा श्रमिकों के लिए चलाए जा रहे विभिन्न 31 योजनाओं की जानकारी और अन्य सुरक्षा योजनाओं के लाभ पर जोर देते हुए कहा कि हर श्रमिक का पंजीकरण होना अनिवार्य है ताकि शासन की मदद उन तक बिना किसी बाधा के पहुँच सके। इस अवसर पर नगर निगम सभापति श्री खेमसिंह देवांगन ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। मंच से जनप्रतिनिधियों के कर-कमलों द्वारा पात्र हितग्राहियों को विभिन्न विभागीय योजनाओं के तहत सहायता राशि के चेक वितरित किए गए, जिसे पाकर श्रमिकों के चेहरों पर संतोष और खुशी के भाव स्पष्ट नजर आए। इस सम्मेलन की सबसे बड़ी विशेषता मौके पर ही समाधान की रही, जहाँ श्रम विभाग द्वारा लगाए गए विशेष पंजीकरण शिविरों के माध्यम से नए श्रमिकों का तत्काल पंजीयन किया गया। श्रम पदाधिकारी श्री भूपेंद्र नायक ने बताया कि इस मुहिम का उद्देश्य बस्तर के उन मेहनतकश लोगों को विभागीय योजनाओं के दायरे में लाना है जो अब तक जागरूकता के अभाव में लाभ से वंचित थे। इस सार्थक प्रयास से बस्तर के दुर्गम क्षेत्रों में रहने वाले श्रमिक भी अब सरकार की कल्याणकारी नीतियों से सीधे जुड़ सकेंगे। इस अवसर पर क्षेत्र के जनप्रतिनिधिगण, गणमान्य नागरिक और श्रम विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में श्रमिक उपस्थित थे।

व्यापारियों का बढ़ता रुझान, युवा कैट बिज़नेस मीट में रिकॉर्ड उपस्थिति

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष कान्ति पटेल, प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह एवं प्रदेश कोषाध्यक्ष भरत भूषण गुप्ता ने बताया कि युवा ष्ठ्ठ्ञ्ज द्वारा 12 अप्रैल 2026 को होटल किंग्सवे में एक भव्य एवं प्रभावशाली बिजनेस मीट का सफल आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 100 से अधिक प्रमुख व्यापारी, उद्यमी एवं विभिन्न क्षेत्रों के व्यवसायी शामिल हुए। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य व्यापारियों के बीच नेटवर्किंग को बढ़ावा देना, नए व्यापारिक अवसरों की खोज करना एवं आपसी सहयोग को मजबूत करना रहा। कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों ने अपने विचार साझा किए और व्यवसाय के विस्तार तथा नवाचार पर सार्थक चर्चा की।

बैंक द्वारा उपस्थित व्यापारियों को बिजनेस बैंकिंग, वर्किंग कैपिटल एवं वित्तीय सेवाओं से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई, जिससे व्यापारियों को अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी। इस अवसर पर अनिल कुमार पाण्डेय सीनियर वाइस प्रेसिडेंट एवं रीजनल हेड (छ.ग. - सेंट्रल इंडिया) ने कहा 'आज के समय में व्यापार की प्रगति के लिए मजबूत नेटवर्किंग और सही वित्तीय सहयोग बेहद आवश्यक है। युवा द्वारा आयोजित यह बिजनेस मीट व्यापारियों को एक ऐसा मंच प्रदान करता है, जहां वे न केवल नए संपर्क स्थापित कर सकते हैं, बल्कि अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के लिए प्रभावी समाधान भी प्राप्त कर सकते हैं। स्मॉल फाइनेंस बैंक हमेशा व्यापारियों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और ऐसे आयोजनों के माध्यम से हम उन्हें बेहतर वित्तीय सहायता प्रदान करने का प्रयास करते हैं।' युवा कैट प्रदेश अध्यक्ष कान्ति पटेल एवं युवा कैट प्रदेश महामंत्री रतनदीप सिंह ने कहा 'युवा ष्ठ्ठ्ञ्ज लगातार व्यापारियों को एकजुट कर उन्हें सशक्त बनाने की दिशा में कार्य कर रहा है। इस प्रकार के बिजनेस मीट न केवल आपसी तालमेल और विश्वास को मजबूत करते हैं, बल्कि नए व्यापारिक अवसरों के द्वार भी खोलते हैं। आज के बदलते व्यापारिक परिवेश में ऐसे मंच अत्यंत आवश्यक हैं, जहां व्यापारी एक-दूसरे के अनुभवों से सीख सकें और अपने व्यवसाय को नई दिशा दे सकें। हमारा प्रयास है कि हर व्यापारी इस मंच के माध्यम से अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने के साथ-साथ एक मजबूत और विश्वसनीय व्यापारिक नेटवर्क का हिस्सा बने, जिससे प्रदेश में व्यापारिक विकास को नई गति मिल सके।' कार्यक्रम में सभी सदस्यों की उत्साहपूर्ण सहभागिता देखने को मिली, जो युवा ष्ठ्ठ्ञ्ज के बढ़ते प्रभाव और एकजुटता को दर्शाती है। उपस्थित सभी व्यापारियों ने इस पहल की सराहना की और इसे व्यापारिक विकास के लिए एक महत्वपूर्ण मंच बताया। आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी ऐसे ही सफल और प्रभावशाली आयोजनों के लिए अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव पर हाईकोर्ट ने लगाई रोक 15 दिन और बढ़ाई

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

रायपुर जिला बार एसोसिएशन के आगामी चुनावों पर लगी अंतरिम रोक को छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने एक बार फिर बढ़ा दिया है। सोमवार को हुई सुनवाई में अदालत ने चुनाव प्रक्रिया पर लगी रोक को 15 दिन और बढ़ाने का आदेश दिया। इस मामले में महिला अधिवक्ताओं के प्रतिनिधित्व और आरक्षण व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल उठाए गए हैं। यह पूरा मामला रायपुर जिला न्यायालय में प्रैक्टिस करने वाली अधिवक्ता शमीम रहमान द्वारा दायर याचिका से जुड़ा है। याचिका में आरोप लगाया गया है कि बार एसोसिएशन चुनाव में 18 पदों में से 9 पद केवल पुरुषों के लिए आरक्षित कर दिए गए हैं, जबकि नियमों में इस प्रकार के किसी आरक्षण का प्रावधान नहीं है। वहीं, महिलाओं के लिए मात्र 5 पद आरक्षित किए जाने को भी असंतुलित बताया गया है।

याचिकाकर्ता की ओर से यह तर्क भी दिया गया कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा योगमाया बनाम भारत संघ मामले में महिला अधिवक्ताओं के लिए 30 प्रतिशत आरक्षण सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया था, लेकिन रायपुर बार एसोसिएशन चुनाव में इस दिशा-निर्देश का पालन नहीं किया गया। सुनवाई के दौरान हाईकोर्ट के एकल पीठ के न्यायाधीश नरेश कुमार चंद्रवंशी ने टिप्पणी करते हुए कहा कि यदि मौजूदा आरक्षण व्यवस्था के आधार पर चुनाव कराए जाते हैं, तो यह महिला अधिवक्ताओं के अधिकारों से वंचित करने जैसा होगा। अदालत ने यह भी कहा कि पुरुषों के लिए विशेष आरक्षण का कोई स्पष्ट प्रावधान नहीं होने के बावजूद 9 पद सुरक्षित रखना उचित नहीं प्रतीत होता। इस मामले में एक अन्य याचिका अधिवक्ता अश्वनी राव द्वारा भी दायर की गई थी। उस याचिका पर सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने निर्देश दिया कि संबंधित पक्ष अपनी शिकायत राज्य बार काउंसिल के समक्ष प्रस्तुत करें। साथ ही बार काउंसिल को आदेश दिया गया है कि वह इस मामले पर कानून के अनुसार 7 दिनों के भीतर निर्णय ले।

नियम सबके लिए बराबर...24 पुलिसकर्मियों का कटा चालान, पुलिस ने मिसाल पेश की

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

ट्रैफिक नियमों को लेकर सख्ती लगातार बढ़ रही है। अब ट्रैफिक पुलिस बिना हेलमेट बाइक चलाने वाले 24 पुलिसकर्मियों पर चालानी कार्रवाई की गई है। हाल ही में जांच के दौरान सामने आया कि कुछ पुलिसकर्मी खुद ही नियमों का पालन नहीं कर रहे थे। बिना हेलमेट बाइक चला रहे थे।

इस पर यातायात पुलिस ने तुरंत कार्रवाई करते हुए मोटर व्हीकल एक्ट के तहत सभी का चालान काटा। साथ ही उन्हें आगे से नियमों का सख्ती से पालन करने की चेतावनी भी दी गई है। यातायात पुलिस का कहना है कि, सड़क सुरक्षा उनकी पहली प्राथमिकता है। ऐसे में यह जरूरी है कि जो लोग कानून लागू करवाते हैं, वे खुद भी उसका पालन करें। अगर पुलिसकर्मी ही नियम तोड़ेंगे तो आम लोगों पर इसका गलत असर पड़ेगा।

शहर में अब इंटीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम यानी ITMS के जरिए भी निगरानी बढ़ा दी गई है। जगह-जगह लगे कैमरों की मदद से ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों पर नजर रखी जा रही है और सीधे ई-चालान जारी किए जा रहे हैं। इससे बिना रुके कार्रवाई करना आसान हो गया है और नियम तोड़ने वालों की पहचान भी तुरंत हो जाती है।

दुर्ग पुलिस ने अपने सभी अधिकारियों और कर्मचारियों को साफ निर्देश दिए हैं कि वे खुद नियमों का पालन करें और लोगों के सामने अच्छा उदाहरण पेश करें। साथ ही आम लोगों से भी अपील की गई है कि वे दोपहिया वाहन चलाते समय हमेशा हेलमेट पहनें। पुलिस का कहना है कि हेलमेट पहनने से हादसे के समय सिर की गंभीर चोट से बचा जा सकता है और जान भी बच सकती है।

कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर को सर्वश्रेष्ठ सोयाबीन अनुसंधान केंद्र का राष्ट्रीय पुरस्कार

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय, रायपुर में संचालित अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) को राष्ट्रीय स्तर पर वर्ष 2023-2025 की मूल्यांकन अवधि के दौरान उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ केंद्र पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह सम्मान राष्ट्रीय अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) नेटवर्क के अंतर्गत प्रदान किया गया। यह पुरस्कार रायपुर केंद्र की बहुआयामी उत्कृष्टता के लिए प्रदान किया गया जिसमें अनुसंधान परीक्षण, वैज्ञानिक प्रकाशन, प्रजनन नवाचार, प्रौद्योगिकी विकास, किसान संपर्क कार्यक्रम और बीज उत्पादन शामिल हैं। यह पुरस्कार अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना (सोयाबीन) विश्वविद्यालय टीम के सदस्यों डॉ. सुनील कुमार नाग (प्रधान वैज्ञानिक), डॉ. रामा मोहन सावु (वरिष्ठ वैज्ञानिक) एवं डॉ. ऐश्वर्या टंडन (सह-प्राध्यापक) द्वारा प्राप्त किया गया। यह सम्मान डॉ. प्रताप सिंह, माननीय कुलपति, महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, उदयपुर; डॉ. एस.के. राव, पूर्व कुलपति, राजमाता विजयाराजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय, ग्वालियर; डॉ. के.एच. सिंह, निदेशक, आईसीएआर-राष्ट्रीय सोयाबीन अनुसंधान संस्थान, इंदौर तथा डॉ. आर.के. माथुर, निदेशक, आईसीएआर-भारतीय तिलहन अनुसंधान संस्थान।

123 हाथियों की मौजूदगी, ग्रामीणों में दहशत

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले के धरमजयगढ़ वन मंडल में हाथियों की संख्या लगातार बढ़ रही है। वर्तमान में जिले में कुल 123 हाथियों की मौजूदगी दर्ज की गई है। इसी बीच छाल रेंज में 35 हाथियों का बड़ा दल देखा गया है, जिसका वीडियो भी सामने आया है। हाथियों का यह दल जंगल और गांव के आसपास विचरण करता नजर आया।

सोमवार शाम छाल वन परिक्षेत्र के बोजिया परिसर स्थित पेलमबांध के पास इस दल को देखा गया। इसमें 3 नर, 25 मादा और 7 शावक शामिल हैं। ग्रामीणों ने भी इस दल को देखा और वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर शेयर किया, जो अब वायरल हो रहा है।

हाथियों की मौजूदगी को देखते हुए हाथी मित्र दल लगातार निगरानी कर रहा है। बोजिया से औरानारा मार्ग सहित गड़ाईनबहरी और सिंघीझाप क्षेत्र में लोगों को सतर्क रहने के लिए मुनादी कराई गई है। बताया जा रहा है कि यह दल घरघोड़ा क्षेत्र से छाल रेंज में पहुंचा है।

छाल रेंज से एक वीडियो में देखा गया कि, सड़क पर आए हाथियों को हाथी मित्र दल के सदस्य ने आवाज देकर जंगल की ओर लौटा दिया। इससे पहले भी इसी तरह की घटना सामने आ चुकी है, जब हाथियों को सुरक्षित जंगल की ओर भेजा गया था।

के अनुसार धरमजयगढ़ वन मंडल में 120 और रायगढ़ रेंज में 3 हाथी हैं। छाल रेंज में सबसे अधिक 59 हाथी, धरमजयगढ़ रेंज में 48 और लैलूंगा रेंज में 13 हाथियों की मौजूदगी है। कुल मिलाकर इनमें 36 नर, 62 मादा और 26 शावक शामिल हैं।

वन विभाग द्वारा हाथियों की निगरानी ड्रोन और जमीनी टीम के माध्यम से की जा रही है। छाल रेंज अधिकारी राजेश चौहान ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में लगातार नजर रखी जा रही है और ग्रामीणों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं।

समय-सीमा बैठक में कलेक्टर के सख्त निर्देश -योजनाओं का गुणवत्तापूर्ण एवं समयबद्ध क्रियान्वयन सुनिश्चित करें

धमतरी, प्रतिदिन राजधानी

कलेक्टर अबिनाश मिश्रा ने आज कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित समय-सीमा की बैठक में जिले के सभी विभागों की योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की गहन एवं बिंदुवार समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश देते हुए कहा कि शासन की सभी योजनाओं का क्रियान्वयन लक्ष्यानुरूप, पारदर्शी, गुणवत्तापूर्ण एवं निर्धारित समय-सीमा के भीतर सुनिश्चित किया जाए, ताकि आमजन को योजनाओं का अधिकतम लाभ मिल सके। बैठक में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह ठाकुर, अपर कलेक्टर श्रीमती इंदिरा देवहारी सहित जिला स्तरीय अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में खाद्य, शिक्षा, स्वास्थ्य, समाज कल्याण, आदिवासी विकास, ग्रामीण विकास, महिला एवं बाल विकास, कृषि, लोक निर्माण, पीएमजीएसवाई, जल संसाधन, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी तथा शहरी विकास एवं अवसंरचना विभागों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने प्रत्येक विभाग को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने और मैदानी स्तर पर प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

शिक्षा एवं कौशल विकास को प्राथमिकता

कलेक्टर ने शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए आगामी 24-25 अप्रैल को आयोजित होने वाली इंटर कॉलेज प्रतियोगिता की तैयारियों को व्यवस्थित एवं आकर्षक ढंग से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने उच्च एवं तकनीकी शिक्षा के अंतर्गत कॉलेजों के सुदृढ़ीकरण, नए शैक्षणिक प्रोजेक्ट, स्किल डेवलपमेंट सेंटर, इन्क्यूबेशन गतिविधियों तथा आईटीआई उन्नयन की प्रगति की समीक्षा करते हुए इनमें और तेजी लाने को कहा। उन्होंने युवाओं को रोजगारोन्मुखी शिक्षा से जोड़ने पर विशेष बल दिया।

स्वास्थ्य एवं सामाजिक योजनाओं की संतोषजनक प्रगति

स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत मातृ-शिशु स्वास्थ्य सेवाएं, टीकाकरण, टीबी एवं कुष्ठ उन्मूलन, सिकल सेल प्रबंधन, एनीमिया नियंत्रण तथा विशेष स्वास्थ्य शिविरों की प्रगति पर कलेक्टर ने संतोष व्यक्त किया। समाज कल्याण एवं आदिवासी कल्याण योजनाओं के तहत सक्षम योजना, छात्रावास उन्नयन, धरती आबा उत्कर्ष अभियान, पीएम-जनमन तथा आजीविका कार्यक्रमों को प्राथमिकता के साथ लागू करने के निर्देश दिए।

ग्रामीण विकास, कृषि एवं आजीविका पर फोकस

बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, मनरेगा, फसल विविधीकरण, उन्नत बीज वितरण, पशुपालन, मत्स्य पालन एवं उद्यानिकी योजनाओं की समीक्षा की गई। कलेक्टर ने किसानों की आय में वृद्धि तथा स्व-सहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने हेतु योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया। उन्होंने नवाचार आधारित कृषि गतिविधियों को बढ़ावा देने और प्राकृतिक संसाधनों के बेहतर उपयोग पर भी बल दिया।

महारानी अस्पताल में अटल आरोग्य लैब का उद्घाटन

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर संभाग के निवासियों के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में आज एक ऐतिहासिक अध्याय जुड़ गया। महारानी जिला चिकित्सालय जगदलपुर में अत्याधुनिक 'अटल आरोग्य लैब' का भव्य शुभारंभ किया गया, जो क्षेत्र के नागरिकों के लिए मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की एक महत्वपूर्ण सौगात है। मुख्यमंत्री ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से इस उच्च स्तरीय लैब का लोकार्पण कर प्रदेश में सही जाँच, सही इलाज के संकल्प को सुदृढ़ किया।

इसी कड़ी में स्थानीय स्तर पर कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाते हुए नगर पालिक निगम के अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन ने विधिवत फीता काटकर लैब का औपचारिक उद्घाटन किया। यह लैब अब बस्तर के लोगों को उनके घर के पास ही कम समय में सटीक और उच्च गुणवत्ता वाली पैथोलॉजी जांच उपलब्ध कराएगी। प्रशासनिक स्तर पर कलेक्टर आकाश छिकारा के मार्गदर्शन में आयोजित इस कार्यक्रम में जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हुए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से उप संचालक डॉ. वी.आर. भगत और राज्य सलाहकारों ने लैब की तकनीकी कार्यक्षमता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों की भी सक्रिय भागीदारी रही, जिनमें नगर निगम के सभापति निर्मल पाणिग्राही और स्वास्थ्य सभापति लक्ष्मण झा प्रमुख थे। डॉ. संजय बसाक, डॉ. नीरज ओझा और विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि इस लैब के शुरू होने से अब मरीजों को जटिल जांचों के लिए अन्य शहरों पर निर्भर नहीं रहना होगा। कार्यक्रम में आशा साहू, पूनम सिन्हा और क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों ने बड़ी संख्या में उपस्थित होकर आरोग्य लैब का किया निरीक्षण इस दौरान कलेक्टर किया और यहां उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। कलेक्टर श्री छिकारा ने लैब में उपलब्ध अत्याधुनिक मशीनों और तकनीकी उपकरणों का बारीकी से अवलोकन किया।

जनगणनाः त्रिदिवसीय प्रशिक्षण का पहला चरण शुरू

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

, कोण्डागांव जिले में जनगणना 2027 की तैयारियों के तहत स्वामी आत्मानंद स्कूल जमकोट पारा में त्रिदिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का प्रथम चरण शनिवार सुबह 10 बजे से प्रारंभ हो गया है। यह प्रशिक्षण 13 अप्रैल तक चलेगा, जिसमें संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को जनगणना की प्रक्रिया, डेटा संकलन और कार्यप्रणाली की जानकारी दी जा रही है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान प्रतिभागियों को घर-घर सर्वे, डिजिटल माध्यम से जानकारी संग्रहण तथा निर्धारित प्रारूपों के सही उपयोग के संबंध में विस्तार से मार्गदर्शन दिया जा रहा है, ताकि जनगणना कार्य को सुचारू रूप से संपन्न किया जा सके।

प्रशासन द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, प्रशिक्षण का द्वितीय चरण 15 अप्रैल से 17 अप्रैल तक आयोजित किया जाएगा। इस दौरान शेष कर्मचारियों को भी आवश्यक प्रशिक्षण प्रदान किया जाएगा, जिससे आगामी जनगणना कार्य में किसी प्रकार की परेशानी न हो।

चिलपुटी जंगल में आगजनी, काबू

कोण्डागांव, प्रतिदिन राजधानी

कोंडागांव जिले के चिलपुटी और जुनापानी के बीच शनिवार दोपहर तेज गर्मी के बीच किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा चपोड़ा संग्रहण के लालच में आग लगा दी गई थी। आग तेजी से फैलने लगी, जिससे आसपास के जंगल और तेंदूपत्ता क्षेत्र को खतरा पैदा हो गया।

घटना को देखकर तेंदूपत्ता फड़ के मुंशी चिलपुटी निवासी दिनुराम कोर्राम और रुपेश सोरी ने तत्काल मौके पर पहुंचकर कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। उनकी सतर्कता और साहस से बड़ा नुकसान टल गया।

ज्ञात हो कि तेंदूपत्ता को बस्तर का हरा सोना कहा जाता है और कुछ ही दिनों में इसकी तोड़ाई शुरू होने वाली है। ऐसे में आगजनी से ग्रामीणों की आय पर गंभीर असर पड़ सकता था।

प्रशासन एवं ग्रामीणों ने आमजन से अपील की है कि जंगलों में आग न लगाएं और इस महत्वपूर्ण संसाधन की सुरक्षा में सहयोग करें।

इनोवेशन महाकुंभ 1.0 के पोस्टर का विमोचन

सांसद ने की अधिक सहभागिता की अपील

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

बस्तर विश्वविद्यालय में 4 एवं 5 मई को आयोजित होने वाले 'इनोवेशन महाकुंभ 1.0' के तहत आज कार्यक्रम के आधिकारिक पोस्टर का विमोचन किया गया। इस अवसर पर बस्तर के सांसद महेश कश्यप से शिष्टाचार भेंट कर उनसे पोस्टर का लोकार्पण कराया गया।

पोस्टर विमोचन के दौरान सांसद महेश कश्यप ने इस आयोजन की सराहना करते हुए आमजन, विद्यार्थियों एवं नवाचार से जुड़े युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता करने की अपील की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के आयोजन क्षेत्र में नवाचार और आत्मनिर्भरता को नई दिशा देते हैं।

इस गरिमामय अवसर पर शहीद महेंद्र कर्मा बस्तर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर मनोज श्रीवास्तव सहित विश्वविद्यालय के प्राध्यापकगण—प्रो. कोले, प्रो. सजीवन, प्रो. सोनी, तूलिका शर्मा, रश्मि देवांगन एवं मिश्रा उपस्थित रहे। कार्यक्रम में स्वावलंबी भारत के प्रतिनिधियों की भी महत्वपूर्ण उपस्थिति रही। इनमें डॉ. सुमीत दास, डॉ. राम राकेश जांगिड़ , अनिल लुक्कड़ , देवेंद्र देवांगन , कल्पना शर्मा , रुद्रा पांडे (संयोजक, सुकमा जिला) एवं आदिप (कांकेर) शामिल रहे।

बस्तर के सुदूर अंचलों में 289 टीमें तैनात, मौके पर ही जांच और इलाज

जगदलपुर, प्रतिदिन राजधानी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय द्वारा सोमवार को सुकमा जिले से 'मुख्यमंत्री स्वस्थ बस्तर अभियान' का भव्य शुभारंभ किए जाने के साथ ही बस्तर जिले में स्वास्थ्य क्रांति के एक नए युग की शुरुआत हो गई है।

'मावा सेहत, मावा बस्तर' के संकल्प के साथ शुरू हुए इस अभियान का मूल उद्देश्य जिले के हर नागरिक तक निःशुल्क और उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएँ पहुँचाना है, जिसके लिए प्रशासन ने लगभग साढ़े नौ लाख की लक्षित जनसंख्या के लिए एक व्यापक कार्ययोजना तैयार की है। इस अभियान के तहत बस्तर जिले के सभी गांवों और दूरस्थ क्षेत्रों में 289 विशेष स्क्रीनिंग टीमों को तैनात किया गया है, जिनमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी, ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक और मितानिनों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित की गई है। यह अभियान केवल सामान्य जाँच तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके माध्यम से प्रत्येक व्यक्ति का एक डिजिटल हेल्थ प्रोफाइल तैयार किया जा रहा है जिसे आयुष्मान भारत (आभा) से जोड़ा जा रहा है, ताकि स्वास्थ्य इतिहास का सटीक रिकॉर्ड बना रहे। घर-घर पहुँचने वाली ये टीमें न केवल उच्च रक्तचाप, मधुमेह, सिकल सेल और कैंसर जैसे गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग कर रही हैं, बल्कि टीबी, मलेरिया, कुष्ठ और फाइलेरिया जैसे संचारी रोगों की भी सूक्ष्मता से जाँच कर रही हैं।

विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं में एनीमिया और विटामिन ए की कमी की पहचान करने के साथ-साथ उच्च जोखिम वाली गर्भावस्था की निगरानी पर भी बल दिया जा रहा है। अभियान की सफलता के लिए सूक्ष्म नियोजन करते हुए पूरे जिले में 5,300 से अधिक विजिट प्लान तैयार किए गए हैं, जिसमें बस्तर ब्लॉक में सर्वाधिक 52 टीमें और जगदलपुर क्षेत्र में व्यापक नेटवर्क के माध्यम से शत-प्रतिशत जनसंख्या कवरेज का लक्ष्य रखा गया है। जाँच के दौरान गंभीर पाए जाने वाले मरीजों को उच्च स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए तत्काल 'रेफरल स्लिप' और मौके पर ही प्राथमिक उपचार हेतु आवश्यक औषधियाँ उपलब्ध कराई जा रही हैं।

निगम आयुक्त ने किया जोन-5 का औचक निरीक्षण

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

नगर पालिक निगम भिलाई के आयुक्त राजीव कुमार पाण्डेय द्वारा जोन-5 के अंतर्गत विभिन्न विकास कार्यों और व्यवस्थाओं का सघन निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने जल आपूर्ति, स्वच्छता और शासन के महत्वपूर्ण अभियानों की समीक्षा की।

आयुक्त ने सेक्टर-07 स्थित कल्याण कॉलेज परिसर में स्थापित वाटर एटीएम का निरीक्षण किया। यह वाटर एटीएम सांसद निधि से निर्मित किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य भीषण गर्मी के दौरान कॉलेज के छात्र-छात्राओं को ठंडे पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना है।

आयुक्त ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जल आपूर्ति सुचारू रहे ताकि विद्यार्थियों को राहत मिल सके।

? सेक्टर-07 स्थित तालाब के निरीक्षण के दौरान उन्होंने साफ-सफाई व्यवस्था का बारीकी से जायजा लिया। गर्मी के प्रभाव से तालाब का जलस्तर कम होने पर चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने जल संरक्षण और स्वच्छता को लेकर आवश्यक कदम उठाने के निर्देश दिए। शासन के निर्देशानुसार वर्तमान में चल रहे जनगणना कार्य का निरीक्षण करने आयुक्त सेक्टर-06 ए मार्केट पहुँचे, यहाँ सेक्टर-05 के निगम कर्मचारियों द्वारा फील्ड वर्क किया जा रहा है। आयुक्त ने कार्य की प्रगति देखी और चर्चा कर कहा कि कार्य के दौरान यदि कोई तकनीकी या व्यावहारिक समस्या आती है, तो तत्काल उच्च अधिकारियों को अवगत कराएं।

निरीक्षण के दौरान निगम की टीम मुस्तैद रही, जिसमें मुख्य रूप से श्वेता महेश्वर , शंकर सुमन मरकाम, सागर दुबे , स्वच्छता निरीक्षक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

पीलिया प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य अमला मुस्तैद

दुर्ग, प्रतिदिन राजधानी

वार्ड-67 सेक्टर 7 पश्चिम सड़क 37 ए भिलाई नगर में पीलिया के मरीजों की जानकारी होने पर 12 अप्रैल को डॉ. मनोज दानी, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, दुर्ग के निर्देशन में एवं डॉ. सी.बी.एस. बंजारे, जिला सर्वेलेंस अधिकारी, दुर्ग के मार्गदर्शन में डॉ. पियाम सिंग, प्रभारी अधिकारी, सिविल हॉस्पिटल सुपेला भिलाई व रितीका सोनवानी, जिला एपिडेमियोलॉजिस्ट, दुर्ग विजय सेजुले, सुपरवाईजर, हितेन्द्र कोसरे, बीईटीओ एवं स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ता एवं मितानिनों के साथ प्रभावित क्षेत्र का भ्रमण किया गया। सेक्टर-07, स्ट्रीट-37ए भिलाई में पीलिया ग्रस्त होने के कारण लक्षण पाए गए मरीजों का रक्त नमूना लिया गया।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. दानी से प्राप्त जानकारी अनुसार प्रभावित क्षेत्र में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 65 घरों का भ्रमण कर 07 पीलिया से ग्रसित नए मरीज पहचान किये। इस प्रकार उक्त संक्रमित क्षेत्र में आज दिनांक तक कुल 31 पीलिया के मरीज़ मिले। जिनमें 01 पुराने मरीज डिस्चार्ज हुए। इस प्रकार भर्ती मरीज श्री शंकराचार्य इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईंस भिलाई में 03, पल्स हास्पीटल, भिलाई-1 में 01 उपचाररत है। वर्तमान में स्थिति नियंत्रण में है। पीलिया प्रदूषित जल व भोजन से फैलने वाला संक्रामक रोग है जो विषाणुओं के संक्रमण से होता है। विषाणुओं के शरीर में प्रवेश करने के 15 से 50 दिनों के भीतर बीमारी के लक्षण प्रकट होते है। पीलिया के प्रमुख लक्षण भूख न लगना, पीले रंग की पेशाब होना, भोजन का स्वाद न आना, उल्टी लगना या होना, सिर में दर्द होना एवं कमजोरी तथा थकावट का अनुभव करना, पेट के दाहिने तरफ ऊपर की ओर दर्द होना, आंखे व त्वचा का रंग पीला होना।

महापौर बैठक में सभी 40 वार्डों में पानी की स्थिति की समीक्षा

भिलाई नगर, प्रतिदिन राजधानी

भीषण गर्मी के बीच शहर में जल समस्या को गंभीरता से लेते हुए भिलाई चरोदा निगम के महापौर निर्मल कोसरे ने शुक्रवार को जल विभाग के अधिकारियों की एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में शहर के सभी 40 वार्डों में पानी की स्थिति की क्रमवार समीक्षा की गई और आवश्यक निर्देश जारी किए गए।

महापौर ने अधिकारियों से प्रत्येक वार्ड में पेयजल आपूर्ति की स्थिति, टैंकरों की उपलब्धता तथा वितरण व्यवस्था की विस्तृत जानकारी ली। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि गर्मी के इस कठिन समय में नागरिकों को पानी के लिए परेशान नहीं होना चाहिए और इसके लिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान महापौर ने टैंकरों के संचालन की भी समीक्षा की और निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में पानी की समस्या अधिक है, वहां प्राथमिकता के आधार पर नियमित रूप से टैंकर भेजे जाएं। साथ ही यह सुनिश्चित किया जाए कि पानी की सप्लाई में किसी प्रकार की लापरवाही न हो।

भीषण गर्मी के इस दौर में आम नागरिकों को पानी की समस्या का सामना करना पड़े, यह बिल्कुल स्वीकार्य नहीं है। हमारी प्राथमिकता है कि हर वार्ड में समय पर और पर्याप्त पानी पहुंचे। मैंने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि किसी भी क्षेत्र में शिकायत आने पर तत्काल समाधान किया जाए। जनता की सुविधा ही हमारी सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। इस बैठक में पार्षद एवं एमआईसी सदस्य मोहन साहू, पार्षद सत्य प्रकाश शर्मा, पार्षद मनोज डहरिया, मनोज मढ़रिया सहित निगम के कई अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी ने अपने-अपने क्षेत्रों की स्थिति से अवगत कराया और समाधान के लिए आवश्यक सुझाव भी दिए। महापौर ने सख्त हिदायत देते हुए कहा कि जल आपूर्ति व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और अधिकारियों को लगातार मॉनिटरिंग करते हुए स्थिति को नियंत्रित रखना होगा।

ढाबों में परोसी जा रही थी 'ओपन बार' सुविधा, सोमनी पुलिस का छापा, 3 संचालक गिरफ्तार, 7 पर कार्रवाई

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

जिले में ढाबों के नाम पर खुलेआम शराबखोरी का खेल चल रहा था। सोमनी पुलिस ने देर रात होटल-ढाबा चेकिंग के दौरान ऐसे ही मामलों का खुलासा करते हुए तीन ढाबा संचालकों को गिरफ्तार किया है, जो ग्राहकों को बैठाकर शराब पीने की सुविधा दे रहे थे। पुलिस ने इसे कानून व्यवस्था के लिए खतरा मानते हुए सख्त कार्रवाई की।

पुलिस के अनुसार 12 अप्रैल की रात अंजोरा और देवादा क्षेत्र में चेकिंग के दौरान 'शान ए पंजाब ढाबा', 'केजीएन ढाबा' और 'हमारा ढाबा' में ग्राहकों को खुलेआम शराब सेवन कराते पाया गया। इस पर तीनों संचालकों—गुरूमेज सिंह, अमर तेजवानी और दीपक यादव के खिलाफ छत्तीसगढ़ आबकारी एक्ट की धारा 36(सी) के तहत कार्रवाई करते हुए उन्हें गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने ढाबों में बैठकर शराब पी रहे 7 लोगों को भी पकड़ा। सभी के खिलाफ सार्वजनिक स्थान पर शराब सेवन करने पर धारा 36(च) के तहत केस दर्ज किया गया है। लगातार मिल रही थीं शिकायतें, अभियान के तहत कार्रवाई

पुलिस अधिकारियों के मुताबिक क्षेत्र में ढाबों में शराब पिलाने की शिकायतें लगातार मिल रही थीं। इसी के चलते विशेष अभियान चलाकर यह कार्रवाई की गई। पुलिस का कहना है कि ऐसे ढाबों पर नजर रखी जा रही है और आगे भी सख्ती जारी रहेगी। हाइवे में जारी रहेगी करवाई

यह पूरी कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के निर्देशन, अतिरिक्त किरो के मार्गदर्शन में की गई। थाना प्रभारी अरुण कुमार नामदेव के नेतृत्व में टीम ने दबिश देकर कार्रवाई को अंजाम दिया। ढाबों में शराबखोरी अब बर्दाश्त नहीं पुलिस की इस कार्रवाई को अवैध शराबखोरी के खिलाफ सख्त संदेश के तौर पर देखा जा रहा है।

मोबाइल से चल रहा था सट्टे का खेल, क्लब चौक से आरोपी गिरफ्तार; नकदी-सामान जब्त, भेजा गया जेल

राजनांदगांव, प्रतिदिन राजधानी

शहर में मोबाइल के जरिए सट्टा संचालित करने का मामला सामने आया है। बसंतपुर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर क्लब चौक के पास दबिश देकर एक आरोपी को रंगे हाथ गिरफ्तार किया, जो कागज और मोबाइल दोनों माध्यम से सट्टा खिला रहा था। कार्रवाई के बाद आरोपी को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया गया।

पुलिस के अनुसार 13 अप्रैल को सूचना मिली थी कि एक युवक क्लब चौक के पास अंकों के आधार पर रुपये का दांव लगवा रहा है। सूचना पर टीम ने मौके पर रेड की, जहां आरोपी योगेश साहु (27) को सट्टा पट्टी लिखते हुए पकड़ा गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से एक मोबाइल, दो सट्टा पट्टी, डॉट पेन और 920 रुपये नकद बरामद किए गए।

पुलिस ने आरोपी के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम की धारा 6 और 7 के तहत मामला दर्ज कर अपराध क्रमांक 169/2026 कायम किया। गिरफ्तारी के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया, जहां से न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया।

मोबाइल बना नया अड्डा, पुलिस की सख्ती तेज

जांच में सामने आया कि आरोपी मोबाइल के जरिए भी सट्टे का लेन-देन कर रहा था, जिससे इस अवैध कारोबार का दायरा बढ़ रहा था। पुलिस ने इसे गंभीर मानते हुए शहर में सट्टा और जुए के खिलाफ अभियान तेज करने की बात कही है।

यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक अंकिता शर्मा के मार्गदर्शन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कीर्तन राठौर के निर्देशन और नगर पुलिस अधीक्षक वैशाली जैन के पर्यवेक्षण में की गई। थाना प्रभारी एमन साहु के नेतृत्व में टीम ने दबिश देकर आरोपी को पकड़ा।

सट्टा-जुआ पर जीरो टॉलरेंस

पुलिस ने स्पष्ट किया है कि सट्टा, जुआ और अन्य अवैध गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी रहेगी और ऐसे मामलों में किसी भी प्रकार की ढिलाई नहीं बरती जाएगी।

प्रफुल्ल आईपीएल डेब्यू ओवर में 3 विकेट वाले पहले बॉलर

वैभव शून्य पर आउट, संदीप-जुरेल टकराए, फ्लडलाइट्स बंद हुईं

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल के 21वें मैच में राजस्थान रॉयल्स को 57 रन से हराया। राजीव गांधी इंटरनेशनल स्टेडियम में रोचक मोमेंट्स और रिकॉर्ड्स देखने को मिले। आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए। वे ऐसा करने वाले पहले गेंदबाज बने। वैभव सूर्यवंशी बिना खाता खोले आउट हुए। ईशान किशन के कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकरा गए।

अभिषेक एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट

अभिषेक शर्मा एक साल में सबसे ज्यादा बार शून्य पर आउट होने वाले भारतीय बल्लेबाज बने। वे इस साल 18 पारियों में 7 बार बिना खाता खोले लौटे। उन्होंने रोहित शर्मा (2018) और संजू सैमसन (2024) को पीछे छोड़ा, जो 32-32 पारियों में 6-6 बार शून्य पर आउट हुए थे।

साकिब का आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग फिगर

साकिब हुसैन आईपीएल डेब्यू में बेस्ट बॉलिंग परफॉर्मेंस वाले प्लेयर बने। उन्होंने 24 रन देकर 4 विकेट लिए। साकिब ने अश्विनी कुमार का रिकॉर्ड तोड़ा। अश्विनी ने 2025 में केकेआर के खिलाफ 26 रन देकर 4 विकेट लिए थे। तीसरे नंबर पर प्रफुल हिंगे हैं। उन्होंने 34 रन देकर 4 विकेट लिए।

आर्चर को लगातार दूसरे मैच की पहली गेंद पर विकेट

जोफ्रा आर्चर ने मैच की पहली गेंद पर विकेट लिया। उन्होंने अभिषेक शर्मा को आउट किया। अभिषेक बिना खाता खोले लौटे। इससे पहले 10 अप्रैल को आरसीबी के खिलाफ भी आर्चर ने पहली गेंद पर फिल सॉल्ट को आउट किया था। लगातार दूसरे मैच में उन्होंने यह कारनामा किया। आईपीएल में पहली गेंद पर सबसे ज्यादा विकेट के मामले में मोहम्मद शमी 5 विकेट के साथ टॉप पर हैं। आर्चर 4 विकेट के साथ दूसरे नंबर पर हैं। राजस्थान के लिए यह 24वीं बार रहा जब टीम ने बिना कोई रन दिए पहला विकेट लिया। यह आईपीएल में किसी भी टीम के लिए सबसे ज्यादा है। वहीं, 12वीं बार ऐसा हुआ जब राजस्थान ने पारी की पहली ही गेंद पर विकेट लिया।

संदीप-ध्रुव टकराए, ईशान कैच आउट

14वें ओवर में ईशान किशन का विकेट गिरा। संदीप शर्मा की वाइड लेंथ गेंद पर ईशान ने पुल शॉट खेला, लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही और गेंद ऊपर चली गई। कैच के दौरान संदीप शर्मा और ध्रुव जुरेल टकराए, लेकिन संदीप ने गेंद पकड़ ली।

फ्लडलाइट बंद हुई, दर्शकों ने फ्लैश जलाए

13वें ओवर में फ्लडलाइट बंद होने से खेल रुका। मैदान पर अंधेरा छा गया और दर्शकों ने मोबाइल फ्लैश जलाई। ब्रेक में ईशान किशन टॉवेल से खुद को सुखाते नजर आए, जबकि रियान पराग और संदीप शर्मा बात करते दिखे।

वैभव शून्य पर आउट, हिंगे ने पहले ओवर में 3 विकेट लिए

आईपीएल डेब्यू में प्रफुल्ल हिंगे ने इतिहास रचा। वे पहले ओवर में 3 विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बने। इससे पहले आईपीएल इतिहास में 32 बार पहले ओवर में 2 विकेट लिए गए थे। दूसरी गेंद पर वैभव सूर्यवंशी को आउट किया। चौथी पर ध्रुव जुरेल को बोल्ड किया। आखिरी गेंद पर लुहान-ड्रे प्रिटोरियस को कैच कराकर तीसरा विकेट लिया। तीनों बल्लेबाज शून्य पर आउट हुए।

फरेरा ने 102 मीटर लंबा सिक्स लगाया

11वें ओवर में डोनोवन फरेरा ने 102 मीटर का सिक्स लगाया। हर्ष दुबे की फुल लेंथ गेंद पर उन्होंने आगे बढ़कर शॉट खेला और गेंद को डीप मिडविकेट के ऊपर 102 मीटर दूर भेजा। फरेरा को 15वें ओवर की आखिरी बॉल पर डेब्यू कर रहे साकिब हुसैन ने बोल्ड कर दिया।

राष्ट्रीय खेल पुरस्कार समारोह में देरी एथलीटों को हतोत्साहित करने वाला : तेजस्विन शंकर

नई दिल्ली। एशियन गेम्स के रजत पदक विजेता डेकाथलॉन एथलीट तेजस्विन शंकर ने राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों की घोषणा में देरी के लिए युवा मामले और खेल मंत्रालय की आलोचना की है। शंकर ने इसे एथलीटों का अपमान और हतोत्साहित करने वाला बताया है। तेजस्विन ने एक्स पर लिखा, 'दिसंबर में अनाधिकारिक नाम आने से 'पहले' इस बारे में सोचा जाना चाहिए था। 4 महीने बाद नहीं। यह देरी न सिर्फ एथलीट्स और कोचों को हतोत्साहित कर रही है बल्कि अपमान की निशानी भी है।' मंत्रालय के मुताबिक, 'राष्ट्रीय खेल पुरस्कार कार्यक्रम की तैयारी चल रही है। एथलीट्स की सूची का फिर मूल्यांकन किया जा रहा है, इसी वजह से कुछ देरी हो रही है। जल्द ही पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाएगा।' पुरस्कार समारोह में देरी का एथलीट बहुत विरोध कर रहे हैं। एथलीटों का मानना है कि पुनर्मूल्यांकन उन लोगों पर बहुत ज्यादा दबाव डाल रहा है जो पहले ही जरूरतें पूरी कर चुके हैं। मंत्रालय ने पिछले साल 29 सितंबर को साल 2025 के लिए राष्ट्रीय खेल पुरस्कारों (मेजर ध्यानचंद खेल रत्न अवॉर्ड, अर्जुन अवॉर्ड, अर्जुन अवॉर्ड (लाइफटाइम),

द्रोणाचार्य अवॉर्ड, और राष्ट्रीय खेल प्रोत्साहन पुरस्कार) के लिए आवेदन मांगे थे, जिसे बाद में बढ़ाकर 4 नवंबर कर दिया गया था। 24 दिसंबर को चयन समिति की बैठक के बाद खेल मंत्रालय को भेजी गई सूची में कम-से-कम 24 नाम थे, जिसमें अर्जुन अवॉर्ड के लिए तेजस्विन का नाम भी शामिल था। लेकिन, फिलहाल यह प्रक्रिया रुकी हुई है। अवॉर्ड्स भारत के राष्ट्रपति द्वारा एक समारोह में दिए जाते हैं। आमतौर पर समारोह का आयोजन 29 अगस्त को, मेजर ध्यानचंद की जयंती पर होता है।

विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप की प्राइजमनी 10 प्रतिशत बढ़ी

आईसीसी ने टूर्नामेंट की कुल राशि 82 करोड़ तय की, विजेता टीम को 21.8 करोड़ मिलेंगे

नई दिल्ली। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप के लिए इनामी राशि का ऐलान कर दिया है। इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले इस टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि बढ़ाकर 82 करोड़ रु. की गई है, जो 2024 के मुकाबले 10% ज्यादा है। पिछली बार इनामी राशि 7.95 मिलियन डॉलर (करीब 74 करोड़ रुपए) थी। जून-जुलाई में इंग्लैंड में होने वाले इस टूर्नामेंट में इस बार ज्यादा टीमें और ज्यादा मुकाबले देखने को मिलेंगे।

विजेता को मिलेंगे 21.8 करोड़ रुपए

टूर्नामेंट जीतने वाली टीम को 21.8 करोड़, उपविजेता को 10 करोड़ और सेमीफाइनल हारने वाली टीम को 6.29 करोड़ रुपए मिलेंगे। वहीं हर ग्रुप मैच जीतने पर टीम को 29 लाख मिलेंगे।

12 टीमों के बीच होंगे कुल 46 मुकाबले : इस बार टूर्नामेंट का दायरा

बढ़ाया गया है। अब तक विमेंस टी-20 वर्ल्ड कप में 10 टीमें हिस्सा लेती थीं, लेकिन इस बार 12 टीमें खेलेंगी। टीमों की संख्या बढ़ने से मैचों की संख्या में भी 50% का इजाफा हुआ है। ग्रुप स्टेज के मैच 20 से बढ़कर 30 हो गए हैं। पूरे टूर्नामेंट में नॉकआउट समेत कुल 46 मैच खेले जाएंगे।

इंग्लैंड की परिस्थितियों में होगा बड़ा चैलेंज : अगला वर्ल्ड कप इंग्लैंड की मेजबानी में जून और जुलाई के बीच खेला जाना है। जून-जुलाई में इंग्लैंड का मौसम और पिचें तेज गेंदबाजों के साथ-साथ स्पिनर्स के लिए भी मददगार होती हैं। भारतीय टीम के लिए यह टूर्नामेंट काफी अहम होगा क्योंकि टीम इंडिया अब तक एक बार भी महिला टी-20 वर्ल्ड कप का खिताब नहीं जीत सकी है। 12 टीमें होने से मुकाबला और भी कड़ा होने की उम्मीद है।

ब्रॉडकास्टिंग और रेवेन्यू बढ़ने का फायदा

महिला क्रिकेट की बढ़ती लोकप्रियता के कारण आईसीसी के रेवेन्यू में भी बढ़ोतरी हुई है। विमेंस क्रिकेट के ब्रॉडकास्टिंग राइट्स की वैल्यू बढ़ी है और स्टेडियम में दर्शकों की संख्या में भी इजाफा हुआ है। इसी को देखते हुए आईसीसी लगातार टूर्नामेंट्स को बड़ा बना रहा है। 12 टीमों के इस फॉर्मेट से छोटे देशों की महिला क्रिकेट टीमों को भी ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा।

रूस-बेलारूस के तैराकों से 'वर्ल्ड एक्वेटिक्स' ने प्रतिबंध हटाया

मॉस्को। वर्ल्ड एक्वेटिक्स ने घोषणा की है कि उसने रूसी और बेलारूसी एथलीटों पर लगे प्रतिबंध हटा दिए हैं। दोनों देशों के एथलीट अब अपने राष्ट्रीय झंडों और राष्ट्रगान के साथ मुकाबला कर सकते हैं। संस्था ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर प्रकाशित एक बयान में कहा, 'वर्ल्ड एक्वेटिक्स ब्यूरो के फैसले के बाद, और एक्वेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट और वर्ल्ड एक्वेटिक्स एथलीट्स कमेटी के साथ सलाह-मशविरा करके, राजनीतिक झगड़े के समय एक्वेटिक्स इवेंट्स में एथलीट की भागीदारी के लिए दिशा-निर्देश अब बेलारूसी या रूसी खेल राष्ट्रीयता वाले सीनियर एथलीटों पर लागू नहीं होंगी।' बयान में आगे कहा गया, 'बेलारूस या रूसी खेल राष्ट्रीयता वाले सीनियर एथलीटों को वर्ल्ड एक्वेटिक्स इवेंट्स में उसी तरह मुकाबला करने की इजाजत होगी जैसे दूसरे खेल राष्ट्रीयताओं का प्रतिनिधित्व करने वाले उनके साथी अपनी-अपनी यूनिफॉर्म, झंडों और राष्ट्रगान के साथ करते हैं।' बयान में कहा गया है कि बेलारूसी या रूसी राष्ट्रीयता वाले एथलीट को प्रतियोगिता में हिस्सा लेने की इजाजत तभी मिलेगी, जब वे इंटरनेशनल टेस्टिंग एजेंसी के साथ साझेदारी में किए गए कम से कम चार लगातार एंटी-डोपिंग कंट्रोल को सफलतापूर्वक पास कर लेंगे और 'एक्यूआइयू' के साथ बैकग्राउंड चेक पूरा कर लेंगे। वर्ल्ड एक्वेटिक्स ब्यूरो ने पहले दिशा-निर्देश में बदलाव किया था, जिन्हें 'एक्यूआइयू' लागू करता है, ताकि बेलारूसी या रूसी स्पोर्ट नेशनलिटी वाले जूनियर एथलीट अपने साथी जूनियर एथलीट की तरह ही हिस्सा ले सकें। वर्ल्ड एक्वेटिक्स के अध्यक्ष हुसैन अल मुसल्लम ने कहा, 'पिछले तीन सालों में, वर्ल्ड एक्वेटिक्स और 'एक्यूआइयू' ने सफलतापूर्वक यह पक्का करने में मदद की है कि झगड़े को स्पोर्टिंग कॉम्पिटिशन की जगहों से बाहर रखा जा सके। हम यह पक्का करने के लिए पक्के इरादे वाले हैं कि पूल और खुला पानी ऐसी जगहें बनी रहें जहां सभी देशों के एथलीट शांतिपूर्ण कॉम्पिटिशन में एक साथ आ सकें।' रूस के खेल मंत्री और रूसी ओलंपिक कमेटी के प्रमुख मिखाइल डेग्ट्यारेव ने वर्ल्ड एक्वेटिक्स के फैसले का स्वागत किया है। डेगट्यारेव ने कहा, 'हम वर्ल्ड एक्वेटिक्स के इस फैसले का स्वागत करते हैं कि रूसी और बेलारूसी एथलीटों को दूसरे एथलीटों के बराबर, नेशनल यूनिफॉर्म में, उनके नेशनल झंडे और राष्ट्रगान के साथ सभी अंतरराष्ट्रीय एक्वेटिक कॉम्पिटिशन में फिर से शामिल किया गया है।'

मुंबई इंडियंस के प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीद अभी भी बरकरार

मुम्बई। मुंबई इंडियंस की टीम का प्रदर्शन इस बार इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में अच्छा नहीं रहा है और वह अब तक चार में से एक ही मैच जीती है। उससे लगातार तीन मैचों में हार का सामना करना पड़ा है। ऐसे में प्रशंसक आशंकित हैं कि पांच बार की विजेता इस बार प्लेऑफ में पहुंच पायेगी या नहीं। टीम 4 मैच में तीन हार के बाद अब अंक तालिका में 8वें नंबर नजर आ रही है हालांकि उसके प्लेऑफ में पहुंचने की उम्मीदें अभी भी बरकरार है। उसे पहले ही मैच में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के खिलाफ जीत के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद से ही वह लगातार हार रही है। टूर्नामेंट में सभी टीमों को 14-14 मैच खेलने हैं। ऐसे में मुंबई इंडियंस के पास प्लेऑफ में क्वालीफाई करने का अब भी अवसर है। उसे अभी दस मैच खेलने हैं। प्लेऑफ में प्लेऑफ में क्वालीफाई करने के लिए मुंबई इंडियंस को अंक तालिका में शीर्ष चार में जगह बनानी होगी। अंतिम चार में पहुंचने के लिए उसे कुल 16 अंक चाहिये। वहीं अभी उसके 2 अंक ही हैं।

प्रफुल्ल और साकिब अपने डेब्यू का आनंद लें, यही हमारा प्लान था: वरुण आरोन

हैदराबाद। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के तेज गेंदबाजी कोच वरुण आरोन ने सोमवार के राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के खिलाफ डेब्यू करने वाले प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की जमकर तारीफ की। एसआरएच के लिए प्रफुल्ल और साकिब को चुनने में अहम भूमिका निभाने वाले वरुण आरोन ने कहा कि दोनों के लिए मेरा संदेश यही था कि वे डेब्यू मैच का आनंद लें और परिणाम के बारे में न सोचें, यही टीम के पक्ष में गया। मैच के बाद वरुण ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा, 'मेरा उनके लिए बस यही प्लान था कि वे गेम का आनंद लें क्योंकि क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट में आप सिर्फ एक बार डेब्यू करते हैं। वे जहां से आए हैं, उसे देखते हुए, उन्होंने

आज जो किया वह बहुत बड़ा है, और आपको बस इसका आनंद लेना है। मैच से पहले मेरा बस यही अनुरोध था कि अगर मैंने उन्हें इसका आनंद लेते नहीं देखा, तो मुझे बहुत गुस्सा आएगा। दोनों ने और हम सभी ने सच में डेब्यू का आनंद लिया।' वरुण ने वैभव सूर्यवंशी का विकेट लेने के लिए प्रफुल के पक्के इरादे की भी तारीफ़ की। मैच से पहले की बातचीत का खुलासा करते हुए, पूर्व भारतीय तेज गेंदबाज ने कहा, 'बातचीत यह थी कि वह राउंड द विकेट जाना चाहता था, और मैंने कहा, 'नहीं, तुम बस ओवर द विकेट रहो। मुझे यकीन है कि तुम उसे आउट कर दोगे।' वरुण ने आगे कहा, 'मेरा मतलब है, यह टीमवर्क है। आखिर में, सारा श्रेय प्रफुल्ल को जाता है। वैभव को आउट करने का उनका पक्का इरादा था।

प्रफुल्ल ने पहले भी वैभव को आउट किया था, और फिर उसे आउट करने की बात कही थी। उसका इरादा पक्का था। मैं उसके लिए सच में बहुत खुश हूं।' प्रफुल्ल का ड्रीम डेब्यू रहा क्योंकि उन्होंने अपने पहले ही ओवर में तीन विकेट लिए, और आईपीएल इतिहास में एक पारी के पहले ओवर में तीन विकेट लेने वाले पहले गेंदबाज बन गए। उन्होंने अपने चार ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट लिए। प्रफुल्ल की घातक गेंदबाजी की वजह से ही 217 के लक्ष्य का पीछा कर रही आरआर 159 पर सिमट गई।

जोफ्रा आर्चर के खिलाफ ईशान किशन ने दिखाई अपनी क्लास : संजय बांगड़

हैदराबाद। आईपीएल 2026 का 21वां मुकाबला सोमवार को सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) और राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के बीच हैदराबाद में खेला गया था। एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 216 रन बनाए थे। कप्तान ईशान किशन ने 44 गेंदों पर 8 चौकों और 6 छक्कों की मदद से 91 रन की पारी खेली थी। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट संजय बांगड़ ने ईशान किशन की विस्फोटक पारी की जमकर तारीफ की। बांगड़ ने कहा, 'ईशान किशन ने जिस तरह से पहली छह गेंदों पर जोफ्रा आर्चर के खिलाफ बल्लेबाजी की, वह पूरी तरह से क्लास का नमूना था। वह गेंद की लाइन के पीछे गए, आत्मविश्वास के साथ क्रीज पर आगे बढ़े, और अपने फुटवर्क में बहुत सटीक रहे। एक बल्लेबाज के तौर पर, आप जानते हैं कि कब आपके लिए कोई खास रात होने वाली है, और यह पहली छह से आठ गेंदों में साफ था। किशन गेंद के मुताबिक शॉट पूरी शांति के साथ खेल रहे थे। ईशान किशन की आक्रामक बल्लेबाजी की वजह से ही एसआरएच ऐसा स्कोर बना सकी, जो आरआर की पहुंच से दूर था।' मैच की बात करें तो टॉस गंवाकर एसआरएच ने पहले बल्लेबाजी करते हुए ईशान किशन के 91 रनों की मदद से 216 रन बनाए थे। आरआर की पारी 19 ओवर में 159 रन पर सिमट गई। एसआरएच की जीत में अपना डेब्यू कर रहे तेज गेंदबाजों प्रफुल्ल हिंगे और साकिब हुसैन की अहम भूमिका रही। प्रफुल्ल ने 4 ओवर में 34 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि साकिब हुसैन ने 4 ओवर में 24 रन देकर 4 विकेट लिए।

संजू सैमसन मार्च महीने के आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने, भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने का मिला इनाम

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज संजू सैमसन को मार्च महीने के लिए आईसीसी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार से नवाया गया है। सैमसन ने मार्च महीने में समाप्त हुई टी20 विश्व कप में लगातार तीन यादगार पारियां खेलते हुए भारतीय टीम को विश्व चैंपियन बनाने में यादगार भूमिका निभाई थी। पुरस्कार मिलने के बाद आईसीसी के हवाले से सैमसन ने कहा, 'आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ का खिताब जीतना एक जबरदस्त एहसास है, खासकर इसलिए क्योंकि यह मेरे क्रिकेट के सफर के सबसे यादगार दौर में मिला है। पुरुषों के टी20 विश्व कप में भारत की जीत में हिस्सा लेना सच में एक सपना सच होने जैसा था, और उस पल की अहमियत को पूरी तरह समझने में थोड़ा समय लगा।' उन्होंने कहा, 'यह भारतीय क्रिकेट के लिए एक रोमांचक दौर है, जिसमें हर तरफ बहुत प्रतिभाएं हैं। मुझे मिले मौकों

और अपने साथियों और कोचिंग स्टाफ के भरोसे और सहयोग के लिए मैं शुक्रगुजार हूं, जिससे मैं अपना श्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाया।' सैमसन के साथ ही टी20 विश्व कप 2026 के फाइनल में प्लेयर ऑफ द मैच रहे भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह और साउथ अफ्रीकी बल्लेबाज कॉनर एस्टरहुइजन को भी मार्च महीने के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया था। सैमसन ने इन दोनों खिलाड़ियों को पीछे छोड़ते हुए खिताब जीता। संजू सैमसन ने टी20 विश्व कप 2026 में भारत के लिए लगातार तीन मैच-विजयी पारियां खेलीं और टीम को चैंपियन बनाया।

एमएस धोनी 'इम्पैक्ट प्लेयर' के तौर पर बेहतर योगदान दे पाएंगे : मिशेल मैक्लेनाघन

चेन्नई। आईपीएल 2026 का 22वां मुकाबला चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) और कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के बीच चेपॉक स्टेडियम में मंगलवार की शाम को खेला जाएगा। सीएसके और केकेआर के बीच होने वाले मुकाबले में पूर्व कप्तान एमएस धोनी खेलेंगे या नहीं, यह एक बड़ा सवाल बना हुआ है। हालांकि, अगर धोनी खेलते हैं, तो टीम में उनकी भूमिका क्या होगी, इस पर भी चर्चाओं का दौर जारी है। स्टार स्पोर्ट्स के 'अमूल क्रिकेट लाइव' पर बात करते हुए, जियोस्टार एक्सपर्ट मिशेल मैक्लेनाघन ने कहा, 'अगर धोनी फिट हैं, तो सीएसके को उन्हें इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर लाना चाहिए। अगर टीम मैनेजमेंट को लगता है कि उन्हें उनसे थोड़े रन चाहिए, खासकर जब वे चेज कर रहे हों, तो उन्हें इम्पैक्ट सब के तौर पर लाने से उनकी बैटिंग क्षमता का सबसे अच्छा इस्तेमाल

हो पाएगा।' न्यूजीलैंड के पूर्व तेज गेंदबाज ने कहा, 'इम्पैक्ट प्लेयर के तौर पर खेलने का मतलब होगा कि उन्हें शायद ज्यादा दौड़ना न पड़े। वह बस आकर, गेंद को स्टैंड्स में मार सकते हैं और फिनिशर का काम कर सकते हैं। जब चेन्नई बड़े स्कोर का पीछा कर रही होगी तो उनकी आक्रामक बल्लेबाजी की क्षमता बहुत काम आएगी। मुझे लगता है कि धोनी को लय में लाने का यह एक अच्छा तरीका है। उनकी मौजूदगी सीएसके के निचले क्रम की बल्लेबाजी को बहुत ताकत देगी।' 44 साल के एमएस धोनी आईपीएल 2026 में एक भी मैच नहीं खेल पाए हैं। सीजन की शुरुआत के पहले से ही वह पिंडली की चोट से जूझ रहे हैं। एमएस धोनी का केकेआर के खिलाफ खेलना तय नहीं है। सीएसके प्रबंधन उन्हें लेकर कोई रिस्क नहीं लेना चाहता है, लेकिन इतना तय है कि उनके खेलने से टीम के नेतृत्व और बल्लेबाजी में सकारात्मक बदलाव आएगा। अगर सीएसके और केकेआर के आईपीएल 2026 में प्रदर्शन की बात करें तो दोनों ही टीमों का प्रदर्शन साधारण रहा है। लगातार तीन हार के बाद सीएसके ने चेपॉक में खेले गए अपने पिछले मैच में दिल्ली कैपिटल्स को हराकर पहली जीत दर्ज की थी। केकेआर को अपनी पहली जीत का इंतजार है। केकेआर के पास 4 मैचों में 1 अंक हैं और टीम अंकतालिका में सबसे नीचे (दसवें स्थान पर) है। केकेआर और पंजाब किंग्स के मैच बारिश की वजह से रद्द हो गया था, इस वजह से दोनों टीमों को 1-1 अंक मिले थे। सीएसके के खिलाफ उसके होम ग्राउंड में केकेआर सीजन का अपना पहला मैच जीतने की कोशिश करेगी। सीएसके और केकेआर के बीच अब तक 32 मैच खेले गए हैं, जिसमें 20 मैच सीएसके ने और 11 मैच केकेआर ने जीते हैं। एक मैच का परिणाम नहीं आया था।

गौरवपूर्ण वापसी पर भावुक हुई एक्ट्रेस सेलिना जेटली

हाल ही में 61वें फेमिना मिस इंडिया पेजेंट में बॉलीवुड एक्ट्रेस सेलिना जेटली ने अपनी गौरवपूर्ण वापसी की, जिसने उन्हें 21 साल बाद उसी मंच पर फिर से खड़ा कर दिया जहाँ से उनके सपनों की उड़ान शुरू हुई थी। अपनी इस खास और भावनात्मक शाम की यादें साझा करते हुए सोशल मीडिया पर सेलिना ने इसे पूरा सर्कल पूरा होने का एक गहरा अहसास बताया। उनकी वापसी ने न केवल उनके प्रशंसकों को उत्साहित किया, बल्कि कई युवा प्रतियोगियों को भी प्रेरित किया, जिन्होंने उन्हें एक पथप्रदर्शक के रूप में देखा। साल 2001 की मिस इंडिया और मिस यूनिवर्स रनर-अप रही सेलिना ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ शानदार तस्वीरों के साथ लिखा, अबाउट लास्ट नाइट। 61वां फेमिना मिस इंडिया पेजेंट। मैं वहीं वापस आ गई जहां से इसकी शुरुआत हुई थी। इस बार, 2001 में मिस इंडिया का प्रतिष्ठित खिताब जीतने वाली सेलिना ने नई पीढ़ी की युवा प्रतियोगियों को ताज पहनाने का महत्वपूर्ण जिम्मा संभाला। उन्होंने बताया कि शुरुआती विजेताओं को ताज पहनाना उनके लिए बेहद खास और भावुक अनुभव था। सेलिना ने उन सभी युवा महिलाओं के सफर की शुरुआत देखी, जो अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करेंगी और अपने सपनों, ताकत व लक्ष्यों के साथ चमकेंगी। इस यादगार शाम के लिए, सेलिना ने रॉकी स्टार द्वारा डिज़ाइन की गई एक खूबसूरत ड्रेस पहनी थी और दासानी ब्रदर्स के एक करोड़ रुपए मूल्य के हीरों-माणिकों से सजी ज्वेलरी धारण की थी। खास बात यह रही कि उन्होंने अपना मेकअप और हेयरस्टाइल खुद ही किया, जो उनकी आत्मनिर्भरता और आत्मविश्वास को दर्शाता है। अपने पोस्ट में, सेलिना ने ताज के गहरे प्रतीकात्मक अर्थ पर जोर दिया।

उन्होंने लिखा, ताज सिर्फ सिर पर रखने के लिए नहीं होते, उन्हें शान से संभालना पड़ता है। उन्होंने ताज को हिम्मत, गरिमा, ईमानदारी और सही के लिए आवाज़ उठाने का प्रतीक बताया, और यह कहकर कि ताज सिर्फ पहना नहीं जाता, उसे जिया जाता है, उन्होंने इसके महत्व को एक नया आयाम दिया।

फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' टीजर रिलीज

वरुण धवन संग मृणाल-पूजा हेगड़े, लोग बोले- विंटेज यादें ताजा हो गईं

वरुण धवन और डेविड धवन की अपकमिंग फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' का टीजर यानी फर्स्ट लुक रिलीज हो चुका है। वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े की आने वाली इस फिल्म में एआई का खूबसूरत इस्तेमाल हुआ है, जिसमें दो छोटे बच्चे आपस में बात करते हुए ये पता लगा लेते हैं कि उनकी मां तो अलग हैं लेकिन बाप एक ही है। इस फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज करते हुए 1 मिनट 7 सेकंड का एक मजेदार वीडियो शेयर किया गया है। वरुण धवन की इस फिल्म का फर्स्ट लुक को देखकर लोग अभी से फिल्म की तारीफें करने लगे हैं।

वरुण की फिल्म के टीजर की शुरुआत दो बच्चों से

टीजर की शुरुआत दो बच्चों से होती है जो साथ बैठकर आपस में बातें करते दिख रहे हैं। दोनों पहले अपनी-अपनी मां का नाम बताते हैं और जब पिता के नाम की बात आती है तो दोनों सेम नाम बताते हैं। उन्हें पता लगता है कि उनका बर्थडे भी एक ही है तो ये बच्चे शक करते हैं कि कहीं उनके पापा एक ही तो नहीं। इसी के साथ वरुण धवन की पूजा हेगड़े और मृणाल के साथ मस्ती और रोमांस की झलकियां भी सामने आते हैं।

फिल्म की कहानी को लेकर अभी से अंदाजा लगा रहे लोग

ये बिल्कुल उसी स्टाइल की फिल्म लग रही जिसके लिए वरुण जाने जाते हैं। इस फिल्म नें शरारत है, मस्ती है, धोखा है, रोमांस है और म्यूजिक भी है। फिल्म की झलक देखकर लोगों ने इस फिल्म की कहानी को लेकर अभी से अंदाजा लगाना शुरू कर दिया है।

फैन्स ने कहा- ये बच्चे तो हद हैं

टीजर देख लोगों ने कहा है- डेविड धवन साहब पूरे एंटरटेनमेंट के साथ आ रहे हैं। एक ने कहा है- मृणाल और पूजा दोनों भी वरुण के साथ काफी जंच रही हैं। एक अन्य यूजर ने कहा- मूवी पक्का अच्छी होगी क्योंकि डेविड धवन साहब जो हैं। एक अन्य ने कहा- इस टीजर को देककर विंटेज यादें ताजा हो गईं। कुछ ने कहा है- इतने से बच्चों को पता लग गया कि इनका बाप एक ही है, ये बच्चे तो हद हैं, किस जमाने के हैं ये। वहीं एक और ने कहा- बहुत साल बाद पुराने तरह की फिल्म मिली, जैसी गोविंदा, अक्षय वगैरह बनाया करते थे।

'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट बदली

यहां बता दें कि 'मैं तेरा हीरो' और 'जुड़वा 2' की कामयाबी के बाद वरुण और डेविड

तीसरी फिल्म में साथ काम कर रहे हैं। इस अपकमिंग फिल्म में वरुण के साथ मृणाल ठाकुर, पूजा हेगड़े और मौनी रॉय जैसे कलाकार नजर आएंगी। बता दें कि ये फिल्म पहले 12 जून 2026 को रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब मेकर्स ने इसे पहले ही रिलीज करने का फैसला किया है। अब ये फिल्म 'है जवानी तो इश्क होना है' अगले महीने यानी 22 मई 2026 को सिनेमाघरों में आ रही है।

'धुरंधर' के दोनों पार्ट ने वर्ल्डवाइड 3000 करोड़ कमाए

ऐसा करने वाली पहली भारतीय फिल्म, पहले पार्ट ने 1307 करोड़, दूसरे ने 1718 करोड़ कमाए

रणवीर सिंह स्टारर फिल्म धुरंधर और धुरंधर 2 ने मिलकर दुनियाभर में 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर ली। इसके बाद यह 3,000 करोड़ रुपए से ज्यादा कमाने वाली पहली भारतीय फिल्म फ्रेंचाइजी बन गई है। जब किसी एक फिल्म की सफलता के बाद उसके एक से ज्यादा पार्ट बनाए जाते हैं तो वह एक फ्रेंचाइजी का रूप ले लेती है। ट्रेड वेबसाइट सैकनिल्क के अनुसार, धुरंधर 2 का इंडिया नेट कलेक्शन 1,088.62 करोड़ और इंडिया ग्रॉस 1,303.37 करोड़ हो चुका है। ओवरसीज में फिल्म ने 415.25 करोड़ की कमाई की है। इसके साथ ही फिल्म का वर्ल्डवाइड ग्रॉस कलेक्शन 1,718.62 करोड़ पहुंच गया है। ग्रॉस कलेक्शन टिकट से कुल कमाई और नेट कलेक्शन टैक्स के बाद की कमाई होती है।

दोनों फिल्मों का वर्ल्डवाइड कलेक्शन 3,025.97 करोड़ पहुंचा : 5 दिसंबर 2025 में रिलीज हुई धुरंधर ने दुनियाभर में करीब 1,307.35 करोड़ का कलेक्शन किया था। वहीं, 19 मार्च 2026 में रिलीज हुए इसके सीक्वल धुरंधर 2 ने महज 26 दिनों के भीतर करीब 1,718.62 करोड़ की कमाई कर ली। इस तरह दोनों फिल्मों का कुल वर्ल्डवाइड कलेक्शन 3,025.97 करोड़ पहुंच गया है। खास बात यह है कि धुरंधर 2 अभी सिनेमाघरों में चल रही है। धुरंधर ने कमाई के मामले में भारतीय सिनेमा की अन्य बड़ी फिल्मों को पीछे छोड़ दिया है। पुष्पा की दोनों पार्ट की कुल कमाई करीब 2,192 करोड़ के आसपास रही थी। पुष्पा ने करीब 350.10 करोड़ और दूसरे पार्ट ने 1,742.10 करोड़ दुनियाभर में कमाए थे वहीं, बाहुबली के दोनों पार्ट ने करीब 2,438 करोड़ का बिजनेस किया था। बाहुबली ने करीब 650.00 करोड़ और दूसरे पार्ट ने 1,788.10 करोड़ दुनियाभर में कमाए थे।

धुरंधर को शानदार रिस्पॉन्स मिला था

धुरंधर के पहले पार्ट ने भारत और अंतरराष्ट्रीय बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन किया और दुनियाभर में करीब 1,307 करोड़ रुपए कमाए। भारत में फिल्म का ग्रॉस कलेक्शन 1,005.85 करोड़ रुपए रहा, जबकि नेट कलेक्शन लगभग 840 करोड़ रुपए हुआ। विदेशी बाजारों में भी फिल्म को जबरदस्त रिस्पॉन्स मिला। ओवरसीज में इसने करीब 299.5 करोड़ रुपए कमाए। अमेरिका और कनाडा में 193.06 करोड़ रुपए से ज्यादा की कमाई कर बाहुबली 2 का रिकॉर्ड भी तोड़ा।

'मेरे पहले के बेबाक किरदारों से अलग, मेरा किरदार सृष्टि अपनी भावनाएँ खामोशी से व्यक्त करता है,' गुलकी जोशी, 'यादें', सोनी सब

मुंबई। यादें, सोनी सब का हाल ही में लॉन्च हुआ शो, याददाश्त खोने और जीवन के दूसरे मौकों की जटिलताओं को एक भावनात्मक और गहराई से भरी कहानी के जरिए दर्शकों के सामने प्रस्तुत कर रहा है। इस शो में अभिनेत्री गुलकी जोशी सृष्टि अग्रवाल का किरदार निभा रही हैं, जो एक शांत लेकिन बेहद भावुक हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेटर है। उनके साथ इक़बाल खान डॉक्टर देव के रूप में नजर आते हैं, जो सृष्टि के पूर्व पति हैं। शो की कहानी रिश्तों की जटिलताओं, अधूरी भावनाओं और इंसानी जुड़ाव को बेहद संवेदनशील तरीके से प्रस्तुत करती है। गुलकी जोशी ने अपने किरदार को लेकर खुलकर बात करते हुए बताया कि सृष्टि उनके पहले निभाए गए किरदारों से काफी अलग है। उन्होंने कहा, 'सृष्टि की मजबूती उसके भीतर छिपी हुई है। वह अपनी भावनाओं को शब्दों से नहीं, बल्कि खामोशी और नजरों से व्यक्त करती है। एक अभिनेता के तौर पर यह मेरे लिए बेहद दिलचस्प और चुनौतीपूर्ण अनुभव रहा

है।' 'यादें' की कहानी दूसरे मौकों और अधूरी भावनाओं पर आधारित है, जो हर व्यक्ति को किसी न किसी स्तर पर छूती है। इस पर बात करते हुए गुलकी कहती हैं कि यह शो दर्शाता है कि भावनाएँ समय के साथ खत्म नहीं होतीं, बल्कि हमारे भीतर रहकर हमें आगे बढ़ने की दिशा देती हैं। यही बात उन्हें इस कहानी से व्यक्तिगत रूप से जोड़ती है। सृष्टि अग्रवाल के किरदार के बारे में बताते हुए उन्होंने कहा कि वह दिल से बेहद संवेदनशील, वफादार और मजबूत इंसान है। बाहरी तौर पर शांत और व्यावहारिक दिखने वाली सृष्टि अंदर से भावनाओं का गहरा संसार समेटे हुए है। वह अपने रिश्तों को पूरी ईमानदारी से निभाती है और मुश्किल परिस्थितियों में भी हार नहीं मानती। डॉक्टर देव के साथ उनके रिश्ते को लेकर गुलकी ने बताया कि यह एक लेयर्ड और इमोशनल रिश्ता है, जिसमें कई अनकहे पहलू हैं। इक़बाल खान के साथ काम करने के अनुभव को उन्होंने बेहद सहज बताया। उन्होंने कहा कि इक़बाल एक इंट्यूटिव एक्टर हैं, जिससे सीन बहुत नैचुरली सामने आते हैं और दोनों के बीच की केमिस्ट्री दर्शकों को वास्तविक लगती है। गुलकी ने यह भी साझा किया कि उन्होंने अपने किरदार को और वास्तविक बनाने के लिए असल जिंदगी के अनुभवों और ऑब्जर्वेशन से प्रेरणा ली है, खासकर उन रिश्तों से जहां हालात और समय ने दिशा बदल दी हो। शो की पूरी कास्ट के साथ काम करने के अनुभव को उन्होंने सकारात्मक और सहयोगात्मक बताया। उन्होंने कहा कि सेट पर मौजूद टीमवर्क और पॉजिटिव माहौल परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने में मदद करता है।

वाणिज्य समाचार

अमेजन डॉट इन समर हॉलिडे सीजन की शुरुआत

बेंगलुरु। समर हॉलिडे के शुरू होते ही Amazon.in ने दो क्यूरेटेड स्टोरफ्रंट किड्स समर स्लैम और समर टॉयज लिस्ट लॉन्च किए हैं। इस सीजन के सबसे पसंदीदा खिलौनों और प्ले एसेंशियल्स जैसे रिमोट कंट्रोल कार, हॉट व्हील्स, स्विमिंग पूल, क्रिकेट किट, किड्स साइकिल, स्कूटर आदि पर 50% तक की छूट मिल रही है, जिसकी शुरुआती कीमत 199 रुपये है। एडिडास, स्पीडो, डीएससी, निविया और लाइफलोंग जैसे ब्रांड्स के प्रोडक्ट्स उपलब्ध हैं। ग्राहक अमेजन पे आईसीआईसीआई क्रेडिट कार्ड से 5% की बचत और एचडीएफसी, एचएसबीसी, यस बैंक, स्कैपिया, आरबीएल, डीबीएस और बैंक ऑफ बड़ौदा के कार्ड्स पर 7.5% तक का इंस्टेंट डिस्काउंट पा सकते हैं। शानदार डील्स के अलावा, Amazon.in के एआई टूल्स टॉय शॉपिंग को बेहद आसान बना देते हैं। अगर आप सोच रहे हैं कि कोई इनफ्लेटेबल पूल आपके बालकनी में फिट होगा या नहीं, तो खरीदने से पहले 'व्यू इन योर रूम' फीचर से उसे वर्चुअली देख सकते हैं। किसी दोस्त के यहां कोई खिलौना पसंद आया? लेंस एआई से तुरंत वैसा ही प्रोडक्ट ढूंढें ब्रांड नाम या सर्च टर्म की भी आवश्यकता नहीं। आठ साल के बच्चे के लिए सही क्रिकेट किट कौन सा है? रुफस से पूछें और तुरंत सही सुझाव पाएं। रिव्यू हाइलाइट्स हजारों रिव्यू में से जरूरी बातें जैसे ड्यूरेबिलिटी, सेफ्टी और प्ले वैल्यू को सामने लाता है, ताकि अभिभावकों को अंदाजा लगाने की जरूरत न पड़े। प्राइस हिस्ट्री से यह पता चलता है कि किसी प्रोडक्ट की कीमत समय के साथ कैसी रही है, ताकि जब कोई डील अच्छी लगे तो ग्राहक को यकीन हो कि वह सच में सही है।

इंडिगो की 4 दिन की सेल, टिकट पर 10 फीसदी तक की छूट

नई दिल्ली। देश की प्रमुख विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार से चार दिनों की गर्मियों की छुट्टी सेल की घोषणा की है, जिसमें घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर टिकट बुकिंग में 10 फीसदी तक छूट दी जाएगी। इसके तहत यात्रा 01 जुलाई से नौ अक्टूबर 2026 के बीच की जा सकती है। एयरलाइन ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि इंडिगो अपनी गर्मियों की छुट्टी सेल के तहत घरेलू और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर 10 फीसदी तक की छूट दे रही है। कंपनी का ये ऑफ़र 14 अप्रैल से 17 अप्रैल 2026 के बीच की गई बुकिंग पर मान्य है, जिसके तहत यात्रा एक जुलाई से नौ अक्टूबर 2026 के बीच की जा सकती है। यात्री इस ऑफर के तहत इंडिगो की वेबसाइट www.goindigo.in, मोबाइल एप्लिकेशन, एआई-पावर्ड असिस्टेंट 6एस्काई, इंडिगो व्हाट्सएप नंबर +91 70651 45858 या चुनिंदा ट्रैवल पार्टनर वेबसाइट और ऐप्स के जरिए टिकट बुकिंग करते समय प्रोमो कोड एसयूएमआर10 का इस्तेमाल करके इस ऑफ़र का लाभ उठा सकते हैं। इसके अलावा कंपनी इंडिगो यात्रा के अनुभव को और बेहतर बनाने के लिए चुनिंदा 6ई ऐड-ऑन पर आकर्षक डील्स दे रहा है।

टोयोटा किर्लोस्कर मोटर ने रायपुर में पाटनी टोयोटा का उद्घाटन किया, छत्तीसगढ़ में ग्राहकों के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करता है

रायपुर। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर (टीकेएम) ने आज रायपुर, छत्तीसगढ़ में अपनी नई डीलरशिप, पत्नी टोयोटा का उद्घाटन किया। नई सुविधा भारत भर के उभरते बाजारों में अपनी ग्राहक पहुंच बढ़ाने और टोयोटा के उत्पादों और सेवाओं तक पहुंच बढ़ाने पर कंपनी के निरंतर फोकस को रेखांकित करती है। नई डीलरशिप का उद्घाटन छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साई और रायपुर के माननीय सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने श्री सचिन शर्मा, उपाध्यक्ष - पूर्वी क्षेत्र, बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर, श्री विनय कुमार, महाप्रबंधक - पूर्वी क्षेत्र 1, बिक्री-सेवा-प्रयुक्त कार, टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के साथ-साथ श्री उमेश

पाटनी, प्रमुख डीलर, पाटनी टोयोटा की उपस्थिति में किया। जैसा कि रायपुर छत्तीसगढ़ में एक प्रमुख आर्थिक केंद्र के रूप में विकसित हो रहा है, नव उद्घाटन डीलरशिप पहुंच बढ़ाने और शहर की बढ़ती शहरी आबादी और आसपास के बाजारों सहित पूरे क्षेत्र में व्यापक ग्राहक आधार की सेवा करने के लिए अच्छी तरह से तैनात है।

लगभग 1,00,000 वर्ग फुट में फैली यह सुविधा टोयोटा की सेवा उत्कृष्टता के उच्च मानकों को प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध एक प्रशिक्षित और समर्पित टीम द्वारा समर्थित, व्यापक 3एस (बिक्री, सेवा और स्पेयर) सहायता प्रदान करने से सुसज्जित है। टोयोटा के वैश्विक बेंचमार्क के अनुरूप डिज़ाइन किया गया, डीलरशिप एक सहज और एकीकृत ग्राहक अनुभव सुनिश्चित करता है, जो संपूर्ण स्वामित्व यात्रा में वन-स्टॉप समाधान के रूप में कार्य करता है। अपनी एकीकृत पेशकश के हिस्से के रूप में, डीलरशिप में टोयोटा यू-ट्रस्ट की सुविधा भी है, जो ग्राहकों को एक संरचित और पारदर्शी मंच के माध्यम से प्रयुक्त वाहनों को खरीदने, बेचने और एक्सचेंज करने की सुविधा प्रदान करती है। यह स्वामित्व जीवनचक्र में सुविधा बढ़ाते हुए एंड-टू-एंड गतिशीलता समाधान प्रदान करने की टीकेएम की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है।

नई डीलरशिप के उद्घाटन पर टिप्पणी करते हुए, छत्तीसगढ़ के माननीय मुख्यमंत्री, श्री विष्णु देव साई ने कहा, 'रायपुर में इस नई टोयोटा डीलरशिप का उद्घाटन राज्य की क्षमता और इसके विस्तारित उपभोक्ता आधार में उद्योग के बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

देश में वाहनों की थोक बिक्री 2025-26 में रिकॉर्ड 2.82 करोड़ इकाई के पार : सियाम

नई दिल्ली। देश में मोटर वाहनों की थोक बिक्री विगत वित्त वर्ष 2025-26 में सालाना आधार पर 10.4 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 2,82,65,519 इकाई रही। इस दौरान यात्री एवं वाणिज्यिक वाहन, दोपहिया एवं तिपहिया वाहन सहित सभी खंडों ने अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज की है। इसकी मुख्य वजह माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दरों में कटौती रही है। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सोसाइटी ऑफ इंडियन ऑटोमोबाइल मैन्युफैक्चरर्स (सियाम) के अनुसार वित्त वर्ष 2025-26 में मोटर वाहनों की थोक बिक्री 10.4 फीसदी बढ़कर रिकॉर्ड 2,82,65,519 इकाई रही है, जो वित्त वर्ष 2024-25 में घरेलू वाहनों की कुल बिक्री 2,56,09,399 इकाई रही थी। मार्च में घरेलू यात्री वाहनों की थोक बिक्री सालाना आधार पर 16 फीसदी बढ़कर 4,42,460 इकाई हो गई। यात्री वाहनों की थोक बिक्री मार्च 2025 में 3,81,358 इकाई रही थी। दोपहिया वाहनों की थोक बिक्री भी 19.3 प्रतिशत बढ़कर पिछले महीने 19,76,128 इकाई हो गई जो मार्च, 2025 में 16,56,939 इकाई थी। इसके

अलावा तिपहिया वाहनों की थोक बिक्री 21.4 प्रतिशत बढ़कर 76,273 इकाई रही, जबकि मार्च, 2025 में यह 62,813 इकाई थी। वाहन विनिर्माताओं के संगठन सियाम के अध्यक्ष शैलेश चंद्रा ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संकट का भारतीय मोटर वाहन उद्योग पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यह क्षेत्र की मांग को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित कर निकट अवधि में चुनौतियां खड़ी कर सकता है। चंद्रा ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि मोटर वाहन उद्योग ने वित्त वर्ष 2025-26 को मजबूत स्थिति से समाप्त किया, लेकिन पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष से उत्पन्न घटनाक्रम कुछ जोखिम पैदा करते हैं। उन्होंने आगे कहा कि पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न हालिया अनिश्चितताओं पर करीबी नजर रखने की जरूरत है। शैलेश चंद्रा ने कहा कि बदलती भू-राजनीतिक स्थिति का मोटर वाहन उत्पादन, कच्चे माल एवं जिंस कीमतों, ईंधन कीमतों तथा मालभाड़ा दरों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि ईंधन कीमतों में भी उल्लेखनीय वृद्धि होती है और पश्चिम एशिया संकट लंबा चलता है, तो मांग पर इसका असर पड़ सकता है। चंद्रा ने यह भी कहा कि एलपीजी पर निर्भर कई कंपनियां अब पीएनजी अपना रही हैं और इन गैस के अधिक कुशल उपयोग के तरीके भी तलाश रही हैं।

केंद्र सरकार ने खनिज रियायत नियमावली में महत्वपूर्ण संशोधन अधिसूचित किए

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने निम्न श्रेणी के लौह अयस्क के लिए मूल्य निर्धारण मानदंडों में संशोधन करने को नियमों में बदलाव किया है। इसके तहत खनिज रियायत नियमावली में महत्वपूर्ण संशोधन अधिसूचित किए गए हैं, जिनमें बीएचक्यू और बीएचजे सहित निर्धारित सीमा से नीचे के हेमेटाइट लौह अयस्क के एएसपी की प्रकाशन पद्धति का प्रावधान है। खान मंत्रालय के मुताबिक 10 अप्रैल को खनिज (परमाणु और हाइड्रोकार्बन ऊर्जा खनिजों के अलावा) रियायत (तीसरा संशोधन) नियम, 2026 को मंत्रालय ने अधिसूचित किया है, जिसमें सीमा मूल्य से नीचे हेमेटाइट लौह अयस्क के औसत विक्रय मूल्य (एएसपी) के प्रकाशन के लिए कार्यप्रणाली प्रदान की गई है। इसमें बैंडेड हेमेटाइट क्वार्टजाइट (बीएचक्यू) और बैंडेड हेमेटाइट जैस्पर (बीएचजे) भी शामिल हैं। इसका उद्देश्य बर्बादी पर अंकुश लगाना और ऐसे भंडार के उपयोग को बढ़ाना है, ताकि इस्पात उद्योग को स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मंत्रालय के अनुसार यह संशोधन 45 प्रतिशत की सीमा से कम लौह (एफई) सामग्री वाले लौह अयस्क के मूल्य निर्धारण के लिए एक ढांचा प्रदान करता है जिसमें बीएचक्यू और बीएचजे भी शामिल हैं। इसमें बैंडेड हेमाटाइट क्वार्टजाइट और बैंडेड हेमाटाइट जैस्पर निम्न श्रेणी की 'प्रीकैम्ब्रियन' लौह-युक्त चट्टानें हैं जिन्हें अक्सर निम्न श्रेणी के अयस्क के रूप में माना जाता है। संशोधित नियमों के तहत 35 फीसदी से 45 फीसदी से कम एफई सामग्री वाले लौह अयस्क के लिए औसत विक्रय मूल्य (एएसपी), 45 फीसदी से 51 फीसदी तक निम्न श्रेणी वाले अयस्क के एएसपी का 75 फीसदी निर्धारित किया जाएगा। 35 फीसदी से कम एफई सामग्री वाले अयस्क के लिए एएसपी इसी मानक का 50 फीसदी होगा। मंत्रालय ने बताया कि इसके लिए निम्न श्रेणी के अयस्क के परिशोधन को एक समर्पित नीतिगत ढांचे की आवश्यकता थी। इस संशोधन से पहले ऐसे निम्न श्रेणी के अयस्कों के लिए कोई अलग मूल्य निर्धारण लागू नहीं था। मंत्रालय ने कहा, परिणामस्वरूप, उच्च श्रेणी के (45-51 फीसदी एफई) अयस्क का एएसपी ही रॉयल्टी और अन्य शुल्क निर्धारित करता था जिससे परिशोधन आर्थिक रूप से अव्यावहारिक हो जाता था। मंत्रालय के अनुसार निम्न श्रेणी के संसाधनों को उपयोगी श्रेणी में लाने से उच्च श्रेणी के लौह अयस्क संसाधनों के क्षरण की चिंता दूर होगी और इस्पात उद्योग को खनिजों की स्थिर आपूर्ति सुनिश्चित होगी। निचले ग्रेड के लौह अयस्क संसाधनों का उपयोग खनिज संरक्षण के हित में होगा तथा लौह अयस्क संसाधनों के वैज्ञानिक एवं इष्टतम खनन को बढ़ावा देगा।

छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज, शपथ ग्रहण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

बलौदाबाजार में व्यापारियों के हित और संगठन की मजबूती के लिए एक ऐतिहासिक गौरवशाली दिन रहा। चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के अध्यक्षता में तथा प्रदेश कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया के मुख्य आतिथ्य एवं चेम्बर प्रतिनिधि मंडल की गरिमामयी उपस्थिति में बलौदाबाजार इकाई का शपथ ग्रहण समारोह अत्यंत उत्साह के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम में संदीप साहू, विधायक कसडोल, विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने नवनियुक्त इकाई अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, महामंत्री शिव प्रकाश तिवारी और कोषाध्यक्ष लक्ष्मेंद्र अग्रवाल सहित इकाई के प्रमुख पदाधिकारियों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई। इस अवसर पर प्रदेश अध्यक्ष और साथ आए प्रतिनिधि मंडल ने सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दीं।

चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी ने कहा कि छत्तीसगढ़ चेम्बर व्यापारियों की सशक्त आवाज है, और संगठन की एकजुटता ही व्यापारियों के हितों की सुरक्षा का सबसे प्रभावी माध्यम है। वर्तमान समय में व्यापारिक चुनौतियों का समाधान सामूहिक प्रयासों से ही संभव है। उन्होंने नवनियुक्त पदाधिकारियों को नवदायित्व की बधाई देते हुए उन्हें पूर्ण निष्ठा, पारदर्शिता एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुए छोटे एवं मध्यम वर्ग के व्यापारियों को संगठन से जोड़कर उन्हें सशक्त बनाने का आह्वान किया।

थौरानी ने नवनियुक्त पदाधिकारियों उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए विश्वास जताया कि यह नई टीम व्यापारिक हितों में समर्पित भाव से कार्य करते हुए बलौदाबाजार के व्यापार को और भी नई ऊंचाइयों पर ले जाएगी। चेम्बर प्रदेश कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया ने अपने संबोधन में पदाधिकारियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि हमें अधिक से अधिक व्यापारियों को चेम्बर से जोड़कर अपनी सदस्यता बढ़ानी होगी, क्योंकि सशक्त और बडा संगठन ही व्यापारियों की समस्याओं को शासन-प्रशासन के समक्ष मजबूती से रख सकता है। चेम्बर कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा ने कहा कि संगठन की असली शक्ति उसकी एकजुटता में है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि प्रदेश चेम्बर हमेशा बलौदाबाजार के व्यापारियों के साथ खड़ा है और नई टीम के आने से स्थानीय व्यापारिक ढांचे को और भी अधिक मजबूती मिलेगी। बलौदाबाजार के सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों ने पूरी निष्ठा के साथ व्यापारियों की समस्याओं के समाधान और व्यापारिक उन्नति के लिए अपना महत्वपूर्ण योगदान देने का संकल्प लिया। इस अवसर पर चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी, कोषाध्यक्ष निकेश बरड़िया, कार्यकारी अध्यक्ष जसप्रीत सिंह सलूजा, उपाध्यक्ष-लोकेश चंद्रकांत जैन, मनीष प्रजापति, दिलीप इसरानी, मंत्री-प्रशांत गुप्ता, सदस्य निखिल पांड्या, एवं बलौदाबाजार से संदीप साहू (विधायक, कसडोल), पूर्व विधायक एवं भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रमोद कुमार शर्मा, पलारी नगर पंचायत अध्यक्ष गोपी साहू, बलौदाबाजार नगरपालिका उपाध्यक्ष जितेंद्र महाले,बलौदाबाजार इकाई के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान में संरक्षक जुगल किशोर भट्टर, नवगठित कार्यकारिणी के पदाधिकारीगण अध्यक्ष लक्ष्मी साहू, महामंत्री शिवप्रकाश तिवारी, कोषाध्यक्ष लक्ष्मेंद्र अग्रवाल, मुख्य सलाहकार अभिषेक तिवारी, उपाध्यक्ष-शंकर दुलानी,पीयूष मिश्रा, उमेश अग्रवाल, दुर्गा प्रसाद जायसवाल, राकेश गुप्ता, मंत्री राजेश केशरवानी, ऋषभ जैन,राजेश हबलानी, मीडिया प्रभारी- दलजीत सिंह चावला, दिलीप महेश्वरी, कार्यकारिणी सदस्यगण- संजय नारायण केशरवानी, लक्ष्मीनारायण केशरवानी, संदीप हबलानी, प्यारेलाल सेन, खिलेंद्र वर्मा, नेतराम वर्मा, शिवम साहू,आयुष बरनवाल, वासुदेव ठाकुर, केशव सोनी, ईश्वर पंजवानी, हीरालाल पंजवानी, राजेश रोहरा, शिवशंकर अग्रवाल,राजेश साहू,प्रलय शर्मा, टोनू सलूजा, जिमी सलूजा, मनोज पांडेय, ईश्वर हरिरमानी, दिनेश वर्मा,अशोक सोनी,शैलेश गुप्ता, मुरारी साहू,त्रिभुवन साहू, किशोर राठौर, बृजमोहन साहू, विशाल हरिरमानी, दशरथ सिन्हा, रजत यादव,मुकेश वर्मा, जितेंद्र डडसेना, अभिषेक मिरी,मासुकेश गुप्ता,इंदर सिंह सलूजा, राजेश हेमनानी, सेवक धीवर,अनिल भागवानी, गोपाल जायसवाल,मो. साजिद,अमृत पंजवानी,आरिफ खान, वरिष्ठजन विपीन बिहारी वर्मा, महेंद्र वर्मा, संजय पटेल, हेमचंद केशरवानी, दिनेश जैन, नरोत्तम सोनी, टेशुलाल धुरंधर,रमेश मिश्रा, राजनारायण, जयनारायण, विजयनारायण, मोतीलाल वर्मा, महेश अग्रवाल, श्यामसुंदर केशरवानी, संजय पांडेय, गेंदलाल जायसवाल, मुकेश रोहरा, विकास सर्राफ, बद्री केशरवानी, नरेश भट्टर सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, चेम्बर के सदस्यगण एवं व्यापारीगण उपस्थित रहे।

जानवरो की चर्बी सोडे से पनीर बनाया जा रहा, सरकार क्या कर रही- कांग्रेस

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि प्रदेश के सभी प्रमुख शहरों सहित राजधानी में लगातार बन रही नकली पनीर बेहद चिंता का विषय है। यह सरकार के खाद्य एवं औषधि विभाग की लापरवाही है कि लगातार प्रदेश में नकली पनीर खुलेआम बन रही है और बिक रही है। जानवरो की चर्बी और तेल तथा सोडे से पनीर बनाया जा रहा, सरकार क्या रही है? कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि नकली पनीर के निर्माण और बिक्री पर रोकथाम के लिये सरकार विशेष दल का गठन करें और प्रदेश के किसी भी

कोने में बन रही नकली खाद्य सामाग्री पर कड़ाई से रोक लगाई जाये। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि ने कहा कि भाजपा के कुशासन में आम जनता की सेहत भगवान भरोसे है। खाद्य और औषधि विभाग की कार्यवाही केवल नोटिस और चालान तक ही सीमित है। प्रदेश के 33 जिलों के लिये केवल 9 मोबाइल यूनिट है और ये भी विगत 2 वर्षो से बंद है। इस सरकार के पास इन्हें संचालित करने फंड नहीं है। नकली दूध, खोवा, पनीर एवं अन्य खाद्य पदार्थो का धंधा राज्य में भाजपा की सरकार बनने के बाद बढ़ गया है। इस बात की संभावना से इंकार नही किया जा सकता कि सत्ता रूढ़ दल के संरक्षण के बिना इस प्रकार की गतिविधि संभव नहीं है। प्रदेश कांग्रेस आनंद शुक्ला ने कहा कि ने कहा कि सरकार बताये पिछले कुछ महीनों में जिन नकली पनीर फैक्ट्रियों में छापेमारी की कार्यवाही की गयी थी।

जनगणना में ओबीसी के लिए अलग कॉलम देने के लिए आप ने सौंपा ज्ञापन

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

आगामी डिजिटल जनगणना (16 अप्रैल से 30 अप्रैल) और 1 मई से 30 मई भौतिक सत्यापन के लिए प्रथम चरण में निर्धारित 33 बिंदुओं में ओबीसी वर्ग के लिए अलग से कॉलम नहीं होने पर ओबीसी वर्ग की उपेक्षा किए जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए आम आदमी पार्टी द्वारा आज 13 अप्रैल 2026 को रायपुर के कलेक्टर के जरिये महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त भारत सरकार के नाम ज्ञापन सौंपा। आम आदमी पार्टी के नेताओं ने कहा है कि सरकार ओबीसी वर्ग के लिए दोहरा मापदंड अपना रही है।मंडल आयोग (1980) के अनुसार देश में ओबीसी की आबादी 32त्न बताई गयी थी और सर्वेक्षण (द्बष्टश्व 360, 2021) के अनुसार भारत की अनुमानित 141 करोड़ की आबादी में,

लगभग 44त्न-48त्न आबादी यानि की 62-68 करोड़ लोग ओबीसी समूह से आतें हैं। देश की आधी आबादी की अनदेखी समझ से परे है? पिछड़े समाज के विकास की बात करने वाली केंद्र की मोदी सरकार और राज्य की साय सरकार आज इस मामले में असहाय क्यों नज़र आ रही है, क्या पिछड़ों को सिर्फ वोट बैंक बनाकर रखना चाहती है सरकार? राजपत्र के बिंदु क्रमांक 12 में अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) के लिए स्पष्ट कॉलम दिया गया है, लेकिन ओबीसी वर्ग की गणना के लिए कोई प्रावधान नहीं रखा गया है। बिना पृथक कॉलम के ओबीसी वर्ग की सही संख्या कैसे सामने आएगी? पिछड़ों को उनके अधिकार से वंचित रखने की सरकार की साजिश है।

भारत देश एकता और सामाजिक समरसता का प्रतीक है जिसे केंद्र की भाजपा सरकार मिटाने पर तुली हुई है। आम आदमी पार्टी ने महापंजीयक एवं जनगणना आयुक्त भारत सरकार और केंद्र सरकार से मांग की है कि सरकार को ओबीसी के लिए अलग से कॉलम देना चाहिए और यदि जनगणना में ओबीसी वर्ग के लिए अलग से कॉलम नहीं दिया जाता है तो आम आदमी पार्टी द्वारा छत्तीसगढ़ में इसके लिए जल्द ही बड़ा आंदोलन करेगी।

ज्ञापन सौपने के लिए आम आदमी पार्टी की ओर से विजय कुमार झा प्रदेश अध्यक्ष (कर्मचारी विंग), अनुषा जोसेफ रायपुर ज़ोन सह प्रभारी, मिहिर कुर्मी प्रदेश मीडिया प्रभारी और अजीम खान रायपुर लोकसभा अध्यक्ष शामिल हुए। कलेक्टर रायपुर की अनुपस्थिति में कार्यालय अधीक्षक आर के ध्रुव को ज्ञापन सौपा गया।

दैनिक
प्रतिदिन राजधानी
आम आदमी का खास अखबार
के 25 वर्ष पूर्ण होने पर
आकर्षक ऑफर कम दर में
क्लासीफाईड विज्ञापन
प्रकाशित करें
पब्लिक नोटिस
आम सूचना
कोर्ट नोटिस
खरीदी बिक्री
आवश्यकता
अखबार पढ़ने के लिए स्केन करे :-
VISIT US ON SCAN
संपर्क करें:-
शारदा चौक, रायपुर (छ.ग.)
9806044444
pratidincg@gmail.com
https://epaper.pratidinrajdhani.in

विज्ञापन एजेंसियां

मीतनिशा एडवरटाइजिंग
23, तीसरा माला रियो काम्पलेक्स, फ्रुट मार्केट के सामने लालपुर, रायपुर (छ.ग.) मो. 98271-46567,93298-46567

ए.के. एडवरटाइजर्स
चिमन प्लाजा, लिबाज टेलर के बाजू तात्यापारा, रायपुर मो. 9826145558, 07714028271

प्रेम प्रकाश मध्यानी एड एजेंसी
लक्ष्मी ड्रेसेस - कपूर होटल के सामने, श्याम नगर, रायपुर मो. 93294-07988

एम्बेसी कारपोरेट प्रमोशन
13-14 तीसरा माला अशोका मिलेनियम, राजेन्द्र नगर रिंग नं.1, रायपुर, मो. 99811-30300

खन्ना एडवरटाइजर्स
ए-5/2, शंकरनगर सेक्टर- I, केनरा बैंक वाली गली, रायपुर मो. 98271-44343, 93001-60001 2524032

शिवम् पब्लिसिटी
नत्थानी बिल्डिंग बूढ़ापारा, रायपुर फोन नं. 2539968, मो.-93291-00263

राजेश पब्लिसिटी
समता कॉलोनी, कृष्णा टॉकीज के पास, रायपुर फोन नं. 4043063, मो-94252-08899, 99263-08899

प्रयास एडवरटाइजर्स
ग्राउंड फ्लोर 13, सत्य सांई प्लाजा, लेडिकल हॉस्पिटल, पुराना बस स्टैंड के पास, शिव टाकीज रोड बिलासपुर, रायपुर, द्वितीय तल श्याम प्लाजा, पंडरी शाप मो. 98267-01259, 62642-74844

माँ एड एजेंसी
ग्राउण्ड फ्लोर, मंजीत टॉवर, रायपुरा चौक के पास, रायपुर Website: www.maaadagency.com मो. 78691-87165

अतुल पब्लिसिटी
हलवाई लेन, सदर बाजार, रायपुर मो. 9406200210

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार, 15 अप्रैल 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

नए रूप में सजा प्रेस क्लब, साव ने किया लोकार्पण

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासपुर प्रेस क्लब के नवनिर्मित और सुसज्जित भवन का लोकार्पण उपमुख्यमंत्री अरुण साव ने किया। लगभग 31 लाख रुपए की लागत से नगरीय प्रशासन विभाग द्वारा पुराने भवन का कायाकल्प कर उसे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित किया गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधायक सुशांत शुक्ला ने की। इस मौके पर अरुण साव ने प्रेस क्लब के सदस्यों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि बेहतर संसाधनों के साथ पत्रकार अब और अधिक प्रभावी व गुणवत्तापूर्ण कार्य कर सकेंगे। उन्होंने बिलासपुर प्रेस क्लब के गौरवशाली इतिहास को याद करते हुए कहा कि शहर के विकास और जनसमस्याओं के समाधान में पत्रकारों की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। उपमुख्यमंत्री ने शहर में चल रहे विकास कार्यों का जिक्र करते हुए बताया कि बीते दो वर्षों में सड़क, पुल-पुलिया सहित अधोसंरचना में तेजी से विस्तार हुआ है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि समय के अनुरूप प्रेस क्लब की हर जरूरत पूरी की जाएगी। कार्यक्रम के दौरान उन्होंने प्रसिद्ध गायिका आशा भोसले को श्रद्धांजलि भी अर्पित की और उनके संगीत योगदान को याद किया।

प्रेस क्लब अध्यक्ष अजीत मिश्रा ने स्वागत भाषण दिया, जबकि सचिव संदीप करिहार ने आभार व्यक्त किया।

कर्मा जयंती में शामिल हुए तोखन साहू, एसएनसीयू का किया उद्घाटन

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू गौरेला-पेंड्रा मरवाही जिले के पेंड्रा रोड प्रवास के दौरान भक्त माता कर्मा जयंती समारोह में शामिल हुए। सरस्वती शिशु मंदिर परिसर, गौरेला में आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने मां कर्मा के त्याग, सेवा और समर्पण को समाज के लिए प्रेरणास्रोत बताया।

इस अवसर पर सामाजिक क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित किया गया। साहू ने ऐसे आयोजनों को समाज में सकारात्मक ऊर्जा और जनसेवा की भावना को मजबूत करने वाला बताया। पेंड्रा रोड प्रवास के दौरान उनका स्थानीय जनप्रतिनिधियों और कार्यकर्ताओं ने आत्मीय स्वागत किया, जिसके लिए उन्होंने आभार व्यक्त किया। इस दौरे में उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं को सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जिला चिकित्सालय में एसएनसीयू (विशेष नवजात देखभाल इकाई) वार्ड का उद्घाटन भी किया। उन्होंने कहा कि इस सुविधा से गंभीर और समय से पूर्व जन्मे नवजात शिशुओं को बेहतर इलाज मिल सकेगा, जो उनके सुरक्षित भविष्य के लिए जरूरी है। इसके साथ ही, अपने संसदीय क्षेत्र बिलासपुर में रेल सुविधाओं के विस्तार को लेकर भी उन्होंने अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक में यात्री सुविधाओं में सुधार, अधोसंरचना उन्नयन और सेवा गुणवत्ता बढ़ाने जैसे मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कमीशन के लालच में साइबर ठग को बैंक खाता किराए पर देने वाला गिरफ्तार

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

साइबर अपराध के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सिविल लाइंस थाना पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है, जिसने कमीशन के लालच में अपना बैंक खाता साइबर ठगों को उपलब्ध करा दिया था। आरोपी के खाते का उपयोग देशभर में की गई साइबर ठगी की रकम को ट्रांसफर और छिपाने के लिए किया जा रहा था।

पुलिस के अनुसार, यह मामला केंद्र सरकार के समन्वय पोर्टल के जरिए सामने आया।

संदिग्ध बैंक खातों की जांच के दौरान बैंक ऑफ महाराष्ट्र के एक खाते में असामान्य लेन-देन की जानकारी मिली। जांच में यह खाता जरहाभाठा निवासी सकलैन आबिद के नाम पर पाया गया। बैंक रिकॉर्ड की पड़ताल में सामने आया कि खाते में शुरुआत से ही बड़ी मात्रा में संदिग्ध रकम जमा हो रही थी। यह राशि साइबर ठगी से जुड़ी थी, जिसे बाद में अन्य खातों में ट्रांसफर कर दिया जाता था या ऑनलाइन माध्यम से निकाल लिया जाता था। पुलिस जांच में यह भी स्पष्ट हुआ कि आरोपी ने जानबूझकर अपना खाता ठगों को इस्तेमाल करने दिया और इसके बदले कमीशन लिया। इस तरह वह एक संगठित साइबर अपराध का हिस्सा बन गया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है और आगे की जांच जारी है। पुलिस अब इस पूरे नेटवर्क के मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी हुई है। पुलिस ने युवाओं को आगाह करते हुए कहा है कि वे किसी भी लालच में आकर अपना बैंक खाता, एटीएम या अन्य वित्तीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें।

एयरपोर्ट की शेष बची राशि 100 करोड़ का रनवे विस्तार व नए टर्मिनल में खर्च हो

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति ने राज्य सरकार से मांग की है कि बिलासा एयरपोर्ट के लिए अतिरिक्त भूमि की व्यवस्था के लिए बजट में स्वीकृत 150 करोड़ रुपए में से बची 100 करोड़ की राशि का उपयोग अब रनवे विस्तार और नए टर्मिनल भवन के निर्माण में किया जाए।

समिति ने कहा कि नवंबर-दिसंबर में हुए अनुपूरक बजट सत्र में एयरपोर्ट के लिए भूमि व्यवस्था के उद्देश्य से 150 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया था। उस समय उम्मीद जताई गई थी कि रक्षा मंत्रालय एयरपोर्ट से जुड़ी पूरी 1012 एकड़ जमीन राज्य को वापस करेगा। लेकिन बाद में मंत्रालय ने केवल 290 एकड़ भूमि ही लौटाई, जो रनवे विस्तार और बुनियादी ढांचे के लिए जरूरी मानी गई।

हवाई सुविधा जन संघर्ष समिति की मांग

इसके एवज में रक्षा मंत्रालय ने 50 करोड़ रुपए ही स्वीकार किए, जिसके चलते कुल स्वीकृत राशि में से 100 करोड़ रुपए अब शेष हैं। समिति का कहना है कि चूंकि शेष 722 एकड़ भूमि अब वापस नहीं मिल रही है, इसलिए बची हुई राशि को निष्क्रिय रखने के बजाय एयरपोर्ट के विस्तार कार्य में लगाया जाना चाहिए। समिति के पदाधिकारियों का तर्क है कि यदि यह राशि लैप्स हो जाती है, तो फिर नए सिरे से बजट स्वीकृति लेने में लंबी प्रक्रिया और देरी का सामना करना पड़ेगा। इसके बजाय यदि इसी राशि के उपयोग का मद बदल दिया जाए, तो कम समय में रनवे विस्तार और नए टर्मिनल का काम शुरू किया जा सकता है। मालूम हो कि पूर्ण विकसित एयरपोर्ट की मांग को लेकर समिति का धरना लगातार जारी है।

होटल में रूम बुक कर जुआ खेलते 8 गिरफ्तार, संचालक भी बना आरोपी

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

शहर के सिविल लाइंस थाना क्षेत्र में स्थित होटल महावीर में चल रहे जुआ के अड्डे का पुलिस ने पर्दाफाश किया है। सूचना मिलते ही सिविल लाइंस पुलिस और एसीसीयू टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए मौके से 8 आरोपियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया। उनके कब्जे से कुल 1 लाख 44 हजार रुपए नगद भी जब्त किए गए हैं।

पुलिस को जानकारी मिली थी कि होटल के कमरा नंबर 215 में कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर टीम ने तत्काल दबिश दी और मौके पर जुआ खेलते हुए आरोपियों को पकड़ लिया। सभी आरोपियों के खिलाफ छत्तीसगढ़ जुआ प्रतिषेध अधिनियम के तहत कार्रवाई की जा रही है।

जांच के दौरान यह भी खुलासा हुआ कि जिस कमरे में जुआ चल रहा था, उसे किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर केवल इस अवैध गतिविधि के लिए बुक किया गया था। होटल संचालक एसके सिन्हा को इस पूरे मामले की जानकारी थी। संलिप्तता सामने आने के बाद पुलिस ने उसे भी आरोपी बना लिया है। गिरफ्तार आरोपियों में महेश सिंह, हीरालाल पाल, अक्की जायसवाल, छोटू सिंह, संदेश मसीह, अनिल कुमार वर्मा, आकाश भोई और विशाल छाबड़ा शामिल हैं।

हाथी दल, बस्तियों में घुसकर फसलों को पहुंचा रहे नुकसान, ग्रामीण दहशत में

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले के मैनपाट क्षेत्र में 14 हाथियों का दल पिछले कई दिनों से डेरा डाले हुए है। हाथियों का झुंड रात के समय टाइगर प्वाइंट के आसपास की बस्तियों में घुसकर फसलों को नुकसान पहुंचा रहा है, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल है और लोगों को रातभर जागकर अपने घरों व खेतों की रखवाली करनी पड़ रही है।

जानकारी के अनुसार, मैनपाट के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल टाइगर प्वाइंट के समीप मूसाखोल जंगल में हाथियों का झुंड कई दिनों से मौजूद है। बीती रात यह दल मूसाखोल बस्ती में पहुंच गया और खेतों में लगी फसलों को नुकसान पहुंचाया। ग्रामीणों ने पूरी रात मशक्कत कर हाथियों को बस्ती से दूर रखने की कोशिश की। सुबह होते ही हाथियों का झुंड फिर जंगल की ओर लौट गया।

हाथियों की लगातार मौजूदगी के कारण मूसाखोल, बिजलहवा, कलजीबा, असकरा और कुनिया बस्तियों के ग्रामीणों में भय का माहौल बना हुआ है। ग्रामीणों के अनुसार, शाम ढलते ही हाथी जंगल से निकलकर बस्तियों की ओर बढ़ने लगते हैं, जिससे उन्हें रात में खेतों और घरों की निगरानी करनी पड़ रही है।

वन विभाग की टीम हाथियों की गतिविधियों पर लगातार नजर बनाए हुए है और ग्रामीणों को सतर्क कर रही है। वहीं हाथियों का दल मैनपाट-सीतापुर मुख्य मार्ग पर भी कई बार दिखाई दे रहा है, जिससे राहगीरों में भी दहशत बनी हुई है। सुरक्षा की दृष्टि से शाम चार बजे के बाद टाइगर प्वाइंट जाने वाले पर्यटकों को भी रोका जा रहा है।

फिलहाल हाथियों का दल आक्रामक नहीं दिखा है, लेकिन स्थिति को देखते हुए वन विभाग द्वारा लोगों से सतर्क रहने की अपील की जा रही है।

नकली सोने से ठगी की कोशिश, वाराणसी का दंपति गिरफ्तार

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

शहर में नकली सोने के जरिए ठगी करने वाले एक दंपती को सिटी कोतवाली पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। आरोपियों ने असली सोना बताकर नकली गहनों की अदला-बदली करने की कोशिश की थी, जिसे दुकानदार की सतर्कता से समय रहते पकड़ लिया गया।

पुलिस के अनुसार, यह मामला 10 अप्रैल की शाम का है, जब सदर बाजार स्थित 'लीला ज्वेलर्स' में एक महिला पहुंची। उसने खुद को पूनम वर्मा बताया और दो गहने एक जोड़ी टॉप्स और एक अंगूठी दिखाते हुए उन्हें 18 कैरेट सोना बताया। महिला ने इन गहनों के बदले दुकान से अन्य सोने के गहने लेने की इच्छा जताई।

दुकान के मैनेजर जलेश कुमार अहिरे को गहनों पर संदेह हुआ, क्योंकि वे असामान्य रूप से हल्के लग रहे थे। जांच के लिए मशीन से परीक्षण करने पर दोनों गहने नकली निकले। इसके बाद तुरंत सिटी कोतवाली थाना में शिकायत दर्ज कराई गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रजनेश सिंह, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (सिटी) पंकज कुमार पटेल और नगर पुलिस अधीक्षक गगन कुमार के निर्देशन में एक टीम गठित की गई। सीसीटीवी फुटेज और हुलिए के आधार पर आरोपियों की तलाश की गई। पुलिस ने सदर बाजार क्षेत्र में घेराबंदी कर महिला को उसके पति और बच्चे के साथ पकड़ लिया। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने अपने पास मौजूद नकली सोने के गहने पुलिस को सौंप दिए।

किचन में गैस पाइप फटा, भड़की आग

3 महिलाएं झुलसीं, बचाने गया युवक भी चपेट में आया

बिलासपुर, प्रतिदिन राजधानी

बिलासपुर शहर के सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र के जूना बिलासपुर स्थित कतियापारा इलाके में सोमवार को किचन में खाना बनाते समय गैस सिलेंडर के पाइप के फटने से अचानक आग लग गई। हादसे में तीन महिलाएं गंभीर रूप से झुलस गईं, जबकि आग बुझाने की कोशिश कर रहा एक युवक भी घायल हो गया।

मिली जानकारी के अनुसार, घर के किचन में रोज की तरह खाना बनाया जा रहा था। इसी दौरान गैस सिलेंडर से जुड़ा पाइप अचानक फट गया। पाइप फटते ही तेजी से गैस का रिसाव होने लगा और कुछ ही क्षणों में किचन गैस से भर गया।

बताया जा रहा है कि जैसे ही चिंगारी लगी, आग ने तुरंत विकराल रूप ले लिया।

गैस लीकेज के कारण आग तेजी से फैल गई और किचन में मौजूद तीनों महिलाएं इसकी चपेट में आ गईं। वे गंभीर रूप से झुलस गईं।

घर में मौजूद एक पुरुष ने हिम्मत दिखाते हुए आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन वह भी झुलस गया। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी मच गई और आसपास के लोग मौके पर जुट गए।

स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तुरंत नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टरों के अनुसार, घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है।

घटना की सूचना मिलते ही सिटी कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

प्रारंभिक जांच में गैस पाइप फटना हादसे की मुख्य वजह माना जा रहा है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

'संपूर्ण वंदे मातरम गौरव गान' बहुविध प्रशिक्षण शिविर, सैकड़ों बच्चे ले रहे हिस्सा

बलरामपुर-रामानुजगंज, प्रतिदिन राजधानी

सुदूरवर्ती क्षेत्र सनावल में संस्कार भारती जिला इकाई रामानुजगंज-बलरामपुर एवं दीन हीन सेवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में 5 दिवसीय 'संपूर्ण वंदे मातरम गौरव गान' बहुविध प्रशिक्षण शिविर का भव्य शुभारंभ सूर्य प्रकाश मेमोरियल पब्लिक स्कूल, सनावल में किया गया। शिविर में जिले भर से सैकड़ों बच्चे भाग लेकर विभिन्न कलाओं का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

शिविर में बच्चों को कला, संगीत एवं कौशल आधारित विभिन्न विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसमें ओडिसी नृत्य, वंदे मातरम समूहगान, गायन, तबला एवं हारमोनियम वादन के साथ राइफल शूटिंग का प्रशिक्षण भी शामिल है। अनुभवी प्रशिक्षकों के मार्गदर्शन में बच्चे उत्साहपूर्वक प्रशिक्षण ले रहे हैं, जिससे उनके सर्वांगीण विकास को नई दिशा मिल रही है।

कार्यक्रम का शुभारंभ कैबिनेट मंत्री रामविचार नेताम के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर उन्होंने बच्चों द्वारा प्रस्तुत ओडिसी नृत्य, तबला वादन एवं वंदे मातरम गान का अवलोकन कर आयोजन की सराहना की। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के शिविर ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाओं को मंच प्रदान करते हैं और बच्चों के बौद्धिक, सांस्कृतिक एवं मानसिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

शिविर में ओडिशा से आए प्रशिक्षक श्रद्धांजलि नायक, सुनिमा प्रधान, स्वास्तिक प्रधान एवं देवकी मल्लिक द्वारा उच्च स्तरीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। वहीं राइफल शूटिंग प्रशिक्षण झारखंड के प्रशिक्षक एस.पी. यादव एवं धीरज कुमार सिंह द्वारा दिया जा रहा है, जो प्रतिभागियों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बना हुआ है।

ओवरटेक के दौरान स्कार्पियो से टकराई बाइक, सड़क पर गिरे युवक को ट्रक ने कुचला, मौत

अम्बिकापुर, प्रतिदिन राजधानी

सरगुजा जिले के बतौली थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण एक सड़क हादसा हो गया। ट्रक को ओवरटेक करने के दौरान बाइक सवार युवकों की सामने से आ रही स्कार्पियो से टक्कर हो गई। हादसे में बाइक के पीछे बैठे युवक की ट्रक के पहियों के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई, जबकि बाइक चालक को मामूली चोटें आई हैं।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, दरिमा थाना क्षेत्र के ग्राम महेशपुर निवासी अमित एक्का और अरविंद केरकेट्टा बाइक से बतौली थाना क्षेत्र के बिलासपुर में आयोजित मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने जा रहे थे। रात करीब 10 बजे बिलासपुर-घोघरा चौक के पास उन्होंने सामने चल रहे ट्रक को ओवरटेक करने का प्रयास किया। इसी दौरान उनकी बाइक सामने से आ रही स्कार्पियो से टकरा गई।

टक्कर के बाद बाइक के पीछे बैठे अरविंद केरकेट्टा सड़क पर गिर गए। इसी दौरान पीछे से आ रहे ट्रक ने उन्हें कुचल दिया, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सामने से आ रही स्कार्पियो के चालक ने बाइक को देखकर वाहन की गति कम कर दी थी, लेकिन तब तक हादसा हो चुका था। घटना की सूचना मिलते ही बतौली पुलिस मौके पर पहुंची और मृतक के शव को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भेजा गया। पुलिस ने संबंधित ट्रक को जब्त कर लिया है तथा मामले की जांच शुरू कर दी है।

राष्ट्रपति ने गांधीनगर के लोक भवन में सामाजिक समरसता महोत्सव में भाग लिया

हमारे देश के समग्र, समावेशी और न्यायसंगत विकास के लिए सद्भाव की भावना अत्यावश्यक: राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

नई दिल्ली। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (14 अप्रैल, 2026) डॉ. बी.आर. अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर गुजरात के गांधीनगर स्थित लोक भवन में आयोजित 'सामाजिक समरसता महोत्सव' में भाग लिया।

राष्ट्रपति ने इस अवसर पर कृतज्ञ राष्ट्र की ओर से भारत रत्न बाबासाहेब डॉ. बी.आर. अम्बेडकर को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि बाबासाहेब ने देश की प्रगति और सामाजिक न्याय के क्षेत्र में बहुआयामी योगदान दिया, जिसमें हमारे संविधान का निर्माण भी शामिल है। उन्होंने रेखांकित किया कि बाबासाहेब के विधि विशेषज्ञ, अर्थशास्त्री और समाज सुधारक के रूप में योगदान पर व्यापक चर्चा हो चुकी है। यद्यपि, बैंकिंग प्रणाली, सिंचाई अवसंरचना, बिजली ग्रिड, श्रम प्रबंधन ढांचा और केंद्र एवं राज्यों के बीच राजस्व बंटवारे की व्यवस्था जैसे क्षेत्रों में उनके कार्यों से संबंधित विस्तृत जानकारी प्रसारित करने के जरिए, नागरिक राष्ट्र निर्माता के रूप में उनके उल्लेखनीय योगदान को व्यापक रूप से समझ सकेंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि बाबासाहेब ने हमेशा शिक्षा के महत्व पर बल दिया। हमारे संविधान में शिक्षा को मौलिक अधिकार का दर्जा दिया गया है और उच्च शिक्षण संस्थानों में हाशिए पर रहने वाले

वर्गों के छात्रों के हितों की रक्षा के लिए प्रावधान किए गए हैं। इन हाशिए पर रहने वाले वर्गों के लोगों को शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करना हम सबका सामूहिक दायित्व है। समग्र शिक्षा, विशेषकर नैतिक शिक्षा, के माध्यम से सामाजिक सद्भाव की भावना मजबूत होती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि समस्त प्राणियों के प्रति करुणा और सामाजिक सद्भाव एक दूसरे के पूरक हैं। समस्त कल्याण और समाज की एकता आपस में गहराई से जुड़े हुए हैं। सच्चा सद्भाव तब प्रकट होता है जब व्यक्ति जाति, वर्ग, भाषा और क्षेत्र के भेदों से ऊपर उठकर बिना किसी भेदभाव के समानता के सिद्धांत का पालन करते हैं। भारत माता के समस्त बच्चे एक हैं जो आत्मा से एकजुट और सद्भाव की भावना से बंधे हुए हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे देश के समग्र, समावेशी और न्यायसंगत विकास के लिए सद्भाव की भावना आवश्यक है। उन्हें यह जानकर प्रसन्नता हुई कि गुजरात में वृक्षारोपण, स्वच्छता, पशुपालन, कृषि विकास और जन कल्याणकारी योजनाओं जैसी पहलों के माध्यम से सामाजिक सद्भाव को सुदृढ़ किया जा रहा है।

राष्ट्रपति ने कहा कि सामाजिक सद्भाव के संदर्भ में, संविधान सभा में बाबासाहेब अम्बेडकर द्वारा दिए गए समापन भाषण का एक महत्वपूर्ण संदेश हमेशा प्रासंगिक रहेगा। उनके अनुसार, सामाजिक लोकतंत्र एक ऐसी जीवन शैली है जो स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व को अपने मूलभूत सिद्धांतों के रूप में अपनाती है।

प्रधानमंत्री ने संसद परिसर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज सुबह संसद परिसर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रधानमंत्री ने एक्स पोस्ट में लिखा; 'आज सुबह संसद परिसर में डॉ. बाबा साहेब अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की।'

प्रधानमंत्री ने फार्मा सेक्टर में भारत की बढ़ती शक्ति के संबंध में लेख साझा किया

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा का एक लेख साझा किया है।

लेख में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि भारत का फार्मा क्षेत्र अब ₹विश्व की फार्मेसी₹ से नवाचार के केंद्र में परिवर्तित हो रहा है। इसमें कहा गया है कि वर्तमान सरकार के नेतृत्व में व्यापक अनुसंधान एवं विकास, बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर्स और अत्याधुनिक उपचारों पर विशेष ध्यान दिया गया है क्योंकि भारत इस क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा में सबसे आगे रहने के लिए तैयार है।

प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर पोस्ट किया है जिसमें कहा गया है-

भारत का फार्मा क्षेत्र "विश्व की फार्मेसी" से लेकर नवाचार के केंद्र तक मूल्य श्रृंखला में ऊपर की ओर बढ़ रहा है। वर्तमान सरकार के अंतर्गत व्यापक अनुसंधान एवं विकास, बायोलॉजिक्स, बायोसिमिलर्स और अत्याधुनिक उपचारों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।"

केंद्रीय मंत्री @JPNadda द्वारा लिखित यह समीक्षा अवश्य पढ़ें कि भारत इस क्षेत्र में वैश्विक प्रतिस्पर्धा का नेतृत्व करने के लिए किस प्रकार से तैयारी कर रहा है।

उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री एवं लोकसभा अध्यक्ष ने बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती पर संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

- **केंद्रीय मंत्रियों, सांसदों, पूर्व सांसदों एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की**
- **बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जीवन एक महान संघर्ष की साहसिक गाथा है: लोक सभा अध्यक्ष**
- **बाबासाहेब की दूरदर्ष्टि ने स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पीढ़ियों को प्रभावित किया तथा प्रेरणा के अविरल पुंज बन गए: लोक सभा अध्यक्ष**

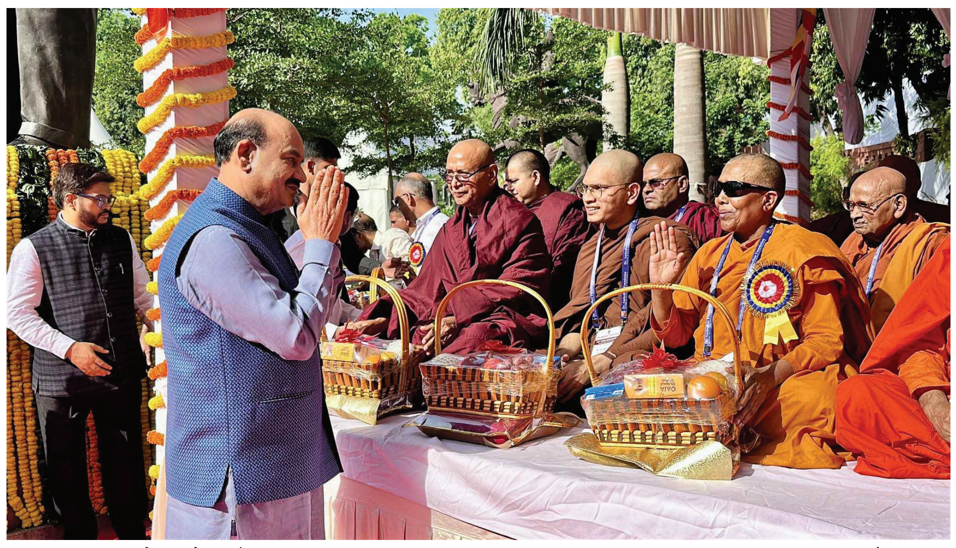

नई दिल्ली। भारत के उपराष्ट्रपति एवं राज्यसभा के सभापति सी. पी. राधाकृष्णन; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तथा लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने आज बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर की जयंती के अवसर पर संसद भवन परिसर स्थित प्रेरणा स्थल पर उनकी प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर कई केंद्रीय मंत्रियों, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे; राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश; सांसदों, पूर्व सांसदों तथा अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने भी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके उपरांत लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला; केंद्रीय मंत्रियों, राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खरगे, सांसदों एवं पूर्व सांसदों ने संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की। लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह ने भी संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में बाबासाहेब डॉ. अम्बेडकर को पुष्पांजलि अर्पित की।

इसके पश्चात, लोकसभा सचिवालय के संसदीय अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान (PRIDE) द्वारा संविधान सदन के केंद्रीय कक्ष में आयोजित 'Know Your Leader' कार्यक्रम में भाग लेने वाले विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए बिरला ने कहा कि डॉ. अम्बेडकर ने अपनी प्रतिभा, समर्पण और दृढ़ निष्ठा के बल पर अपने जीवन की प्रत्येक चुनौती को अवसर में परिवर्तित किया। उन्होंने आगे कहा कि उनका जीवन, उनके आदर्श, उनके विचार तथा राष्ट्र निर्माण में उनका अमूल्य योगदान हम सभी के लिए चिरस्थायी प्रेरणा है।

डॉ. अम्बेडकर के प्रमुख योगदानों का उल्लेख करते हुए बिरला ने कहा कि संविधान में समानता का अधिकार तथा बिना किसी भेदभाव के मतदान का अधिकार जैसे प्रगतिशील प्रावधानों ने एक सशक्त भारत की नींव रखी, जो न केवल भारत के लोकतंत्र को बल्कि विश्व के अन्य लोकतंत्रों को भी निरंतर प्रेरित कर रहे हैं।

भारत के युवाओं को बाबासाहेब के विचारों का सच्चा प्रतिनिधि बताते हुए बिरला ने उन्हें सदैव 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि उनकी प्रतिभा, कौशल, नवाचार और समर्पण भारत को और अधिक सशक्त तथा विकसित बनाएंगे।

इस अवसर पर बिरला ने X पर अपने संदेश में कहा कि, "बाबासाहेब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी का जीवन एक महान संघर्ष की साहसिक गाथा है।विषम परिस्थितियों के बावजूद भी उन्होंने तमाम ऊँचाइयों को छुआ तथा अपने अदम्य साहस, कठोर परिश्रम और शिक्षा के बल पर न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि करोड़ों वंचितों और शोषितों के लिए आशा की नई किरण बन गए।

उन्होंने समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के मूल्यों को जीवन का ध्येय बनाया और इन्हीं आदर्शों को भारत के संविधान में समाहित कर राष्ट्र को एक सशक्त दिशा प्रदान की।

बाबासाहेब हमारे राष्ट्र के वह विशिष्ट रत्न हैं, जिनके जीवन व कार्यों ने स्वतंत्रता पूर्व एवं पश्चात की पीढ़ियों को प्रभावित किया तथा प्रेरणा के अविरल पुंज बन गए।

संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में उन्होंने एक ऐसा दूरदर्शी दस्तावेज देश को दिया, जो आज भी लोकतंत्र की मजबूत नींव है और हर नागरिक के अधिकारों की रक्षा करता है। उनका जीवन हमें यह सिखाता है कि शिक्षा, जागरूकता और संगठित प्रयासों के माध्यम से समाज में सकारात्मक परिवर्तन संभव है।

आज जब हम विकसित और समावेशी भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर हैं, बाबासाहेब के विचार और भी अधिक प्रासंगिक हो जाते हैं। उनका संघर्ष और दर्शन हमें अन्याय, असमानता और भेदभाव के विरुद्ध खड़े होने की प्रेरणा देता है।

डॉ. अम्बेडकर का प्रेरणादायी जीवन और उनके आदर्श सदैव हमें एक न्यायपूर्ण, समरस और सशक्त भारत के निर्माण के लिए मार्गदर्शन करते रहेंगे।

पश्चिम एशिया में तनाव के बीच बातचीत के लिए रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव चीन पहुंचे

बीजिंग। रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव मंगलवार को ऑफिशियल दौरे पर चीन पहुंचे. रूसी विदेश मंत्रालय ने कहा कि लावरोव 14-15 अप्रैल तक चीन में रहेंगे. रूस के विदेश मंत्रालय ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में बताया, 14-15 अप्रैल को विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव चीन के ऑफिशियल दौरे पर आएंगे और चीनी विदेश मंत्री वांग यी से बातचीत करेंगे. उनसे कई द्विपक्षीय मुद्दों के साथ-साथ जरूरी इंटरनेशनल और रीजनल मामलों पर भी बात करने की उम्मीद है. इससे पहले रूस के विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव के साथ फोन पर बात करते हुए ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने चेतावनी दी थी कि अमेरिका की भड़काऊ कार्रवाइयों के ग्लोबल शांति और सुरक्षा के लिए खतरनाक नतीजे हो सकते हैं. बातचीत के दौरान अराघची

ने सीजफायर की घोषणा और उसके बाद इस्लामाबाद (11-12 अप्रैल) में हुई ईरान-अमेरिका बातचीत के बाद के ताजा क्षेत्रीय डेवलपमेंट का रिव्यू किया.

रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा कि उन्होंने फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट में अमेरिका की भड़काऊ कार्रवाइयों के क्षेत्रीय और ग्लोबल शांति और सुरक्षा के लिए खतरनाक नतीजों की चेतावनी दी.

12 अप्रैल को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने मिडिल ईस्ट में हुए नए डेवलपमेंट पर चर्चा की. पेजेशकियन ने 11 अप्रैल को इस्लामाबाद में हुई ईरान-अमेरिका बातचीत का अपना अंदाजा शेयर किया और हालात को कम करने के मकसद से इंटरनेशनल प्लेटफॉर्म पर रूस के उसूलों वाले रुख की तारीफ की.

व्लादिमीर पुतिन ने युद्ध के पॉलिटिकल और डिप्लोमैटिक हल को आसान बनाने और मिडिल ईस्ट में सही और पक्की शांति बनाने के लिए बीच-बचाव की कोशिशों को आगे बढ़ाने के लिए रूस की तैयारी को फिर से पक्का किया. इस बीच चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग ने सोमवार को कहा कि चीन खाड़ी इलाके में शांति और सुकून वापस लाने में आगे भी एक कंस्ट्रक्टिव रोल निभाने और योगदान देने के लिए तैयार है.

प्रधानमंत्री ली ने यह बात बीजिंग में यूनाइटेड अरब अमीरात के अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन ज़ायद अल नाहयान से मुलाकात के दौरान कही. उन्होंने कहा कि जब से ईरान में लड़ाई शुरू हुई है, चीन संबंधित पार्टियों के साथ करीबी बातचीत में है और शांति को बढ़ावा देने और युद्ध खत्म करने के लिए पूरी तरह से तैयार है.

ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री ने होर्मुज स्ट्रेट को लेकर दिया बड़ा बयान, अमेरिका का भी लिया नाम

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने होर्मुज जलडमरूमध्य को सभी देशों के लिए खुला रखने की अपील की है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका ने इस स्ट्रेट की नाकेबंदी में ऑस्ट्रेलिया से किसी भी प्रकार की सहायता का अनुरोध नहीं किया है। अल्बनीज का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान में अमेरिका-ईरान के बीच हुई युद्धविराम वार्ता बिना किसी समझौते के समाप्त होने के बाद होर्मुज जलडमरूमध्य में नाकेबंदी लगाने की घोषणा की है।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिकी नौसेना तुरंत कार्रवाई शुरू करेगी और जलडमरूमध्य में जहाजों के प्रवेश या निकास को रोकने के लिए नाकेबंदी लागू करेगी। यह कदम मध्य पूर्व में चल रहे तनाव को और बढ़ा सकता है, क्योंकि होर्मुज स्ट्रेट विश्व के तेल निर्यात का एक महत्वपूर्ण मार्ग है। इस क्षेत्र से गुजरने वाला अधिकांश तेल व्यापार इसी जलडमरूमध्य पर निर्भर करता है। वार्ता पाकिस्तान में हुई थी, जहां दोनों पक्षों के बीच 21 घंटे से अधिक की चर्चा के बावजूद कोई ठोस समझौता नहीं हो सका था। इसके बाद ट्रंप ने सोशल मीडिया पर नाकेबंदी की घोषणा की है।

शांति वार्ता की दिशा में काफी प्रगति हुई, अब गेंद ईरान के पाले में: वेंस

वॉशिंगटन। अमेरिका के उपराष्ट्रपति जे डी वेंस ने कहा कि इस्लामाबाद में शांति वार्ता के दौरान ईरान संघर्ष खत्म करने के लिए अमेरिका की दिशा में आगे बढ़ा है और बातचीत को आगे बढ़ाने के लिए अगला कदम तेहरान को उठाना है.

अमेरिका और ईरान वीकेंड में इस्लामाबाद में 21 घंटे चली मैराथन शांति बातचीत में किसी समझौते पर नहीं पहुँच पाए, जिसमें वॉशिंगटन ने जोर दिया कि तेहरान न्यूक्लियर फ्यूल के एनरिचमेंट पर अपना अधिकार छोड़ दे. वेंस ने फॉक्स न्यूज को बताया, मैं सिर्फ यह नहीं कहूँगा कि चीजें गलत हुई. मुझे यह भी लगता है कि चीजें सही हुई. हमने बहुत प्रगति की है.

वेंस ने कहा, वे हमारी तरफ बढ़े, इसीलिए मुझे लगता है कि हम कहेंगे कि हमें कुछ अच्छे संकेत मिले, लेकिन वे काफी आगे नहीं बढ़े. अमेरिकी उपराष्ट्रपति ने ईरानी डेलीगेशन के साथ बातचीत के लिए स्पेशल एन्वॉय स्टीव विटकॉफ और जेरेड कुशनर वाले डेलीगेशन को लीड किया था.

ईरानी डेलीगेशन में पार्लियामेंट स्पीकर मोहम्मद बाघेर ग़ालिबफ और विदेश मंत्री अब्बास अरागची शामिल थे. वेंस ने ज़ोर देकर कहा कि अगर ईरान के न्यूक्लियर एम्बिशन पर अमेरिका की रेड लाइन्स पूरी होती है तो यह दोनों देशों के लिए बहुत, बहुत अच्छी डील हो सकती है.

वेंस ने कहा, चाहे हम आगे बातचीत करें, चाहे हम आखिरकार किसी डील पर पहुँचें, मुझे सच में लगता है कि गेंद ईरान के पाले में है, क्योंकि हमने बहुत कुछ दांव पर लगा दिया है. वाइस प्रेसिडेंट ने कहा कि पाकिस्तान शांति वार्ता आखिरकार इसलिए खत्म हो गई क्योंकि ईरानी नेगोशिएटर डील को फाइनल नहीं कर पाए और कहा कि बातचीत से यह पता चला कि तेहरान में फैसले लेने का अधिकार किसके पास है.

उन्होंने समझाया, हमें जो पता चला वह यह है कि वे, मुझे लगता है जो टीम वहाँ थी, वह डील नहीं कर पाई. उन्हें तेहरान वापस जाना था या तो सुप्रीम लीडर से या किसी और से और असल में उन शर्तों को मंजूरी लेनी थी जो हमने तय की थी.

राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी ने उर्वरकों में आत्मनिर्भरता हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए विचार-मंथन सत्र आयोजित किया

- **वर्ष 2047 तक आत्मनिर्भर भारत की ओर इस यात्रा में कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा: डॉ. एम.एल. जाट, सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग**
- **उर्वरक आयात पर निर्भरता कम करना अनिवार्य है; मृदा स्वास्थ्य को मजबूत करना, संतुलित उपयोग और किसानों में जागरूकता लाना सतत कृषि की कुंजी है: डॉ. जाट**

नई दिल्ली। राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी (एनएएएस) ने उर्वरकों के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता हासिल करने की रूपरेखा तैयार करने के लिए आज विचार-मंथन सत्र (बीएसएस) आयोजित किया। संबंधित सरकारी विभागों, शिक्षा जगत, उर्वरक उद्योग और किसानों के प्रतिनिधियों ने इस चर्चा में भाग लिया, और इस महत्वपूर्ण क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की आवश्यकता पर एकमत होकर राय व्यक्त की।

सत्र के बाद, कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग के सचिव, भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) के महानिदेशक और एनएएएस के अध्यक्ष डॉ. एम.एल. जाट ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत ने 2047 तक आत्मनिर्भर राष्ट्र बनने का लक्ष्य निर्धारित किया है, और इस यात्रा में कृषि क्षेत्र महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। जहां हरित क्रांति के दौरान उत्पादन बढ़ाने में उर्वरकों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, वहीं वर्तमान चुनौती उर्वरकों के उपयोग की दक्षता में कमी और उनके अंधाधुंध इस्तेमाल में निहित है।

डॉ. जाट ने यह भी कहा कि देश में सालाना लगभग 33 मिलियन टन उर्वरकों की खपत होती है, जिसका बड़ा हिस्सा आयात किया जाता है; ऐसे में आयात पर निर्भरता कम करना अनिवार्य हो गया है। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे को हल करने के लिए ऐसे व्यापक दृष्टिकोण की आवश्यकता है, जिसमें अल्पकालिक, मध्यकालिक और दीर्घकालिक रणनीतियां शामिल हों। उन्होंने कहा कि मृदा स्वास्थ्य जैसी योजनाओं को मजबूत करना, उर्वरकों के संतुलित और आवश्यकता-आधारित उपयोग को बढ़ावा देना, और किसानों के बीच जागरूकता बढ़ाना इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं।

डॉ. जाट ने बताया कि उर्वरकों के उपयोग को इष्टतम बनाने के लिए हमें सटीक पोषक तत्व प्रबंधन, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और सेंसर-आधारित प्रणालियों जैसी आधुनिक तकनीकों का लाभ उठाना चाहिए। उन्होंने कहा कि दालों और तिलहनों की ओर फसल विविधीकरण, 'वेस्ट-टू-वेल्थ' पहल के तहत जैविक कचरे का पुनर्चक्रण और जैविक स्रोतों के उपयोग को बढ़ाना, रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता कम करने में और भी अधिक योगदान देगा।

विचार विमर्श सत्र के बारे में उन्होंने बताया कि प्रतिभागियों ने सलाह दी कि बहु-आयामी रणनीति अपनाई जाए, जिसमें छोटे, मध्यम और लंबे समय के अनुसंधान एवं विकास लक्ष्य हों, और उन्हें हासिल करने के लिए सहायक नीतियां हों। रूपरेखा में उर्वरक अनुसंधान को मजबूत करने पर जोर दिया जाना चाहिए, ताकि स्मार्ट वैकल्पिक उर्वरक विकसित किए जा सकें; अप्रयुक्त स्वदेशी खनिजों (ग्लूकोनाइट, फॉस्फेट चट्टानें, अभ्रक, पॉलीहेलाइट...) और औद्योगिक उप-उत्पादों का उपयोग किया जा सके; जैविक पदार्थों का उपयोग बढ़ाया जा सके; मिट्टी के माइक्रोबायोम की क्षमता का लाभ उठाया जा सके; खाद बनाने की तकनीकों में सुधार किया जा सके; बेहतर एनयूई के लिए फसल प्रजनन किया जा सके; और अच्छी कृषि पद्धतियां (जीएपी) अपनाई जा सकें—जिनमें उर्वरकों और जैविक पदार्थों को मिलाकर सटीक पोषक तत्व प्रबंधन, मिट्टी के स्वास्थ्य की बहाली, फसल विविधीकरण और अवशेषों का पुनर्चक्रण शामिल हो।

प्रतिदिन राजधानी

रायपुर, बुधवार 15 अप्रैल 2026

https://epaper.pratidinrajdhani.in

संतोष वर्मा National Federation OF Govt ITI Employees Associations के National Vice president एवं गजेंद्र साहू National Secretary निर्वाचित हुए

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

अत्यंत हर्ष का विषय है ऑल इंडिया लेबल पर National Federation OF Govt ITI Employees Associations का गठन वर्ष 2015 में हुआ है ,जिसका राष्ट्रीय अधिवेशन(सेमिनार) का आयोजन चंडीगढ़ (पंजाब) में दिनांक 12.04.2026 एवं 13.04.2026 को आयोजित किया गया था।

उक्त अधिवेशन में राष्ट्रीय स्तर पर निर्वाचन (चुनाव) भी सम्पन्न करवाया गया जिसमें श्री सरदार दविंदर सिंग जी National President एवं श्री अनिल भोसले जी (GOA) National general secretary निर्वाचित हुए है।

साथ ही भारत देश के एक छोटे से राज्य छत्तीसगढ़ से हमारे साथी श्री संतोष कुमार वर्मा National Vice President निर्वाचित हुए एवं हम सभी के लिए बड़े गर्व कि बात है कि छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ के प्रांताध्यक्ष श्री गजेंद्र साहू National Secretary निर्वाचित हुए है।

राष्ट्रीय स्तर पर हमारे आईटीआई संघ के दोनों पदाधिकारीयों को एक बहुत महत्वपूर्ण एवं बड़ी जिम्मेदारी मिलना हम सब के लिए बड़े सौभाग्य और गौरव कि बात है।

इस नियुक्ति पर छत्तीसगढ़ आईटीआई कर्मचारी अधिकारी संघ के पदाधिकारियों एवं सक्रिय सदस्यों ने श्री संतोष कुमार वर्मा एवं श्री गजेन्द्र कुमार साहू को बधाई देते हुए खुशी जाहिर किए है।

उक्त गरिमामय कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्तर पर सभी राज्यों के प्रतिनिधि मंडल से सौजन्य मुलाकात करने और अपने राज्य स्तर के मुद्दों/मांगों/समस्याओं को उनके समक्ष रखने और उनके अपने अपने राज्यों के क्या क्या मुद्दे है उसे जानने/समझने का सौभाग्य मिला, साथ ही उन सभी मुद्दों/समस्याओं को कैसे समाप्त किया जा सकता है उस पर भी विस्तार से चर्चा हुई जिसमें सभी राज्यों ने सहमति देते हुए सर्वसम्मति से तत्काल NCVT Act बनाने हेतु कमेटी का गठन किया।

साथ ही सभी राज्यों में समान ग्रेड पे निर्धारण एवं एक समान पदनाम के लिए भी एक कमेटी का गठत किया गया है।

Ncvt act बनने से सभी राज्यों के बहुत सारी समस्याओं का निदान भी हो जाएगा जो निम्नांकित हैं –:

1) सभी राज्यों में ग्रेड पे एवं पदनाम में समानता होगी। जिससे 4600 ग्रेड पे वाली समस्या का निराकरण होगा।

2) सभी राज्यों में प्रशिक्षण हावर्स एक समान निर्धारित होगी जिससे 5 Days (शनिवार अवकाश) Working के मुद्दे निराकृत होंगे।

3) DGT नई दिल्ली द्वारा जारी सभी दिशा निर्देशों को सभी राज्यों को लागू (मान्य)करना अनिवार्य हो जाएगा।

4) संस्था स्तर पर प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण एवं infrastructure में सुधार होगी।

उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने नवलपुर में सब स्टेशन क्षमता विस्तार का किया लोकार्पण

लोरमी (प्रतिदिन राजधानी)

उप मुख्यमंत्री एवं स्थानीय विधायक श्री अरुण साव ने लोरमी विधानसभा क्षेत्र के नवलपुर में मुख्यमंत्री विद्युत अधोसंरचना विकास योजना के तहत सब स्टेशन क्षमता विस्तार का लोकार्पण किया। इस कार्य से क्षेत्र के 10 गांवों में लो वोल्टेज और ओवरलोडिंग की समस्या दूर होगी। उन्होंने बताया कि सब स्टेशन की क्षमता 3.0 एमवीए से बढ़ाकर 5 एमवीए कर दी गई है, जिससे 6500 उपभोक्ताओं और 3500 कृषि पंप धारक किसानों को लाभ मिलेगा।

श्री साव ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए

इस अवसर पर श्री साव ने सब स्टेशन परिसर में सोलर पैनल का भी लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के तहत सोलर पैनल लगाने से बिजली बिल शून्य होगा और अतिरिक्त बिजली से आय भी प्राप्त होगी। उन्होंने लोगों से इस योजना का लाभ उठाने की अपील की।

कहा कि, क्षेत्र के गांवों में बिजली समस्याओं के समाधान के लिए नए सब स्टेशन का निर्माण और अतिरिक्त ट्रांसफार्मर लगाने का कार्य किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकार उपभोक्ताओं की जरूरतों के अनुसार बेहतर बिजली सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है।

उन्होंने सभी ग्रामीणों को इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए बधाई और शुभकामनाएं दी। साथ ही कहा कि इस तरह के विकास कार्यों से क्षेत्र में सुविधा और समृद्धि बढ़ेगी।

सब स्टेशन के क्षमता बढ़ने से नवलपुर, हड़गांव, लालपुर कला, नवागांव, औराबांधा, सुरेठा, बांधा, गैंजी, नारायणपुर, करीलकुंडा को लाभ मिलेगा। लो वोल्टेज और ओवरलोडिंग की समस्या नहीं होगी।

बाबा साहेब के संविधान ने ही हमें जनप्रतिनिधि के रूप में सेवा का अधिकार दिया: सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर, (प्रतिदिन राजधानी)

वरिष्ठ भाजपा नेता एवं सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल मंगलवार को भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की जयंती के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों में सम्मिलित हुए। इस दौरान उन्होंने बाबा साहेब के योगदान को याद करते हुए उन्हें आधुनिक भारत का शिल्पकार बताया।

सांसद श्री अग्रवाल भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) द्वारा टिकरापारा स्थित बालक छात्रावास में आयोजित 'समरसता भोज' में शामिल हुए। यहाँ उन्होंने युवाओं के साथ बैठकर भोजन किया और उनसे सीधा संवाद किया।

इस अवसर पर उन्होंने समाज में एकता और समानता का संदेश देते हुए कहा कि , आज भारत रत्न बाबासाहेब अंबेडकर जी की जयंती है और बाबासाहेब अंबेडकर जी ने पूरे देश में एकरूपता, समरूपता और समरसता का संदेश दिया था कि हमारे संविधान में कोई छोटा नहीं है, कोई बड़ा नहीं है, सब बराबर हैं और सबको एक वोट का अधिकार दिया था। और इसलिए आज भी कहीं न कहीं थोड़ा बहुत लोगों में भेदभाव या जातिगत भावना है, उसको दूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने यह तय किया कि 'समरसता भोज' का आयोजन ऐसे स्थानों पर करेंगे और उसके माध्यम से एक समरसता का संदेश देंगे। और उसी के तहत आज यह टिकरापारा स्ट छात्रावास में हमारे भारतीय जनता पार्टी के युवा मोर्चा में अर्पित सूर्यवंशी जी, उनके नेतृत्व में समरसता भोज का आयोजन किया गया और मेरा सौभाग्य है कि उसमें मुझे भी शामिल होने का अवसर मिला।

लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम बाधाओं को दूर करता है : ओम बिरला

एजेंसी, नई दिल्ली

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को यहां कहा कि लक्ष्य और संकल्प के साथ किया गया परिश्रम न केवल बाधाओं को मिटाता है बल्कि सफलता का मार्ग भी खोलता है।

ओम बिरला ने दिल्ली स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में लेडेक्स और आइकन एजुकेशन फाउंडेशन की ओर से डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर आयोजित एलीना और महान संविधान (बाल संविधान) पुस्तक लोकार्पण के दौरान यह बात कही। इसकी टैगलाइन 'बाल संविधान: बचपन से पढ़े संविधान तो देश बने महान' है जो इंदौर इंस्टीट्यूट ऑफ लॉ ने दी है।

इस पुस्तक श्रृंखला का उद्देश्य बचपन से ही बच्चों में संवैधानिक मूल्यों और नागरिक कर्तव्यों के प्रति जागरूकता पैदा करना है ताकि एक सशक्त और महान राष्ट्र का निर्माण हो सके।

मुख्य अतिथि के रूप में बिरला ने कहा, बाबासाहेब की यात्रा आने वाली पीढ़ी को हमेशा प्रेरणा देती रहेगी कि जीवन में कितनी ही विपरीत परिस्थितियां हों, कितनी भी चुनौतियां हों कितना भी घनघोर अंधेरा हो जब लक्ष्य और संकल्प के साथ काम किया जाता है तो चुनौतियां भी समाप्त होती हैं और अंधेरा भी समाप्त होता है।

उन्होंने कहा कि डॉ. अंबेडकर ने सामाजिक न्याय के सिद्धांतों को रखते हुए संविधान सभा की प्रारूप समिति के अध्यक्ष के रूप में एक ऐसा संविधान बनाया जो हम सबका मार्गदर्शक है और दुनिया के संसदीय लोकतंत्र के लिए मार्गदर्शक है।

बंगाल में बुलडोजर नहीं चलते, यहां के लोग प्रणाम करते हैं : ममता

एजेंसी, पश्चिम मेदिनीपुर

प्रदेश की मुख्यमंत्री एवं तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के बुलडोजर वाले बयान पर पलटवार किया। ममता ने कहा कि आजकल उत्तर प्रदेश जल रहा है। योगी बाबू यहां आकर भाषण देते हैं और कहते हैं कि बंगाल में बुलडोजर चलते रहेंगे।

पिंगला में मंगलवार को जनसभा को संबोधित करते हुए ममता बनर्जी ने कहा कि बंगाल में बुलडोजर नहीं चलते। बगाली सलाम करता है, 'प्रणाम' करता, 'जय हिंद' कहता है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा शासित राज्यों में बंगाल के लोगों के साथ दुर्व्यवहार किया जाता है। ममता के मुताबिक 'जब बंगाल के लोग भाजपा शासित राज्यों में जाते हैं, तो उन्हें प्रताड़ित किया जाता है और बंगाली बोलने पर उन्हें घुसपैठिया कहा जाता है।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बंगाल में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कहा था कि उत्तर प्रदेश का बुलडोजर केवल सड़क ठीक नहीं करता, माफियाओं का भी इलाज करता है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में भी भाजपा सरकार लाइए, डबल इंजन सरकार दंगाइयों का इलाज कर देगी।

समाज में न्याय और समानता की प्रेरणा देता रहेगा बाबा साहेब का जीवन : मुख्यमंत्री साय

रायपुर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की 21 फीट ऊंची प्रतिमा का भव्य अनावरण

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने मंगलवार को राजधानी रायपुर में भारत रत्न डॉ. भीमराव अंबेडकर की जयंती के अवसर पर कलेक्ट्रेट परिसर के सामने स्थित डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर चौक में उनकी 21 फीट ऊंची पंचधातु से निर्मित भव्य प्रतिमा का अनावरण किया।

इस अवसर पर आयोजित गरिमामय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि बाबा साहेब का जीवन संघर्ष, शिक्षा और समानता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब के नेतृत्व और उनके द्वारा निर्मित भारतीय संविधान ने वंचित, शोषित और पिछड़े वर्गों को समाज में सम्मानजनक स्थान दिलाया है। उनके विचार आज भी समाज को न्याय और समानता की दिशा में आगे बढ़ने का मार्ग दिखाते हैं।

मुख्यमंत्री ने आयोजन समिति की मांग पर मंगल भवन, सामुदायिक भवन सहित विभिन्न निर्माण एवं जीर्णोद्धार कार्यों के लिए 60 लाख रुपये की राशि स्वीकृत करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि यह राशि स्थानीय स्तर पर सामाजिक गतिविधियों और जनसुविधाओं को सुदृढ़ करने में सहायक सिद्ध होगी।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि भारतीय संविधान ने देश के प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और न्याय का अधिकार प्रदान किया है। इसी कारण आज समाज के सभी वर्गों को अपने जीवन में आगे बढ़ने के समान अवसर प्राप्त हो रहे हैं। उन्होंने शिक्षा के महत्व पर बल देते हुए कहा कि बाबा साहेब ने विपरीत परिस्थितियों में भी कोलंबिया विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त कर यह सिद्ध किया कि शिक्षा ही समाज परिवर्तन का सबसे बड़ा माध्यम है।

उन्होंने कहा कि आज देश के प्रत्येक कोने में बाबा साहेब की प्रतिमाएं स्थापित हैं, जो उनके प्रति लोगों के अटूट सम्मान और श्रद्धा का प्रतीक हैं। रायपुर सहित पूरे प्रदेश में उनकी जयंती हर्षोल्लास और श्रद्धा के साथ मनाई जा रही है, जिससे नई पीढ़ी निरंतर प्रेरणा प्राप्त कर रही है।

मुख्यमंत्री ने महिला सशक्तिकरण पर बाबा साहेब के विचारों का उल्लेख करते हुए कहा कि किसी भी समाज की प्रगति वहां की महिलाओं की स्थिति से आंकी जाती है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए निरंतर ठोस कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार बाबा साहेब के सपनों को साकार करने की दिशा में कार्य कर रही है। प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, जनधन योजना और जल जीवन मिशन जैसी योजनाएं समाज के अंतिम व्यक्ति तक विकास पहुंचाने का माध्यम बन रही हैं।

रक्षा क्षेत्र की नई चुनौतियों को परास्त करने की दक्षता हासिल करें- राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु

एजेंसी, गांधीनगर

भारत की राष्ट्रपति (श्रीमती) द्रौपदी मुर्मु ने रक्षा क्षेत्र का अध्ययन करने वाले युवाओं से आह्वान किया है कि वे नए दौर की चुनौतियों का निदान करने की दक्षता हासिल करें। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में सुरक्षा परिदृश्य और जटिल होता जाएगा। कुछ वर्ष पहले तक हम डिजिटल अरेस्ट (आभासी गिरफ्तारी), साइबर क्राइम (साइबर अपराध), फिशिंग अटैक्स (धोखाधड़ी वाले हमले) जैसे शब्दों से परिचित नहीं थे। लेकिन ये आज बहुत बड़े खतरे के रूप में हमारे सामने हैं। ऐसी परिस्थिति में राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय जैसे संस्थानों का महत्व और उत्तरदायित्व बढ़ जाता है।

राष्ट्रपति ने दो दिवसीय गुजरात दौरे के समापन से पूर्व गांधीनगर स्थित राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में को संबोधित करते हुए सुरक्षा की नई चुनौतियों के प्रति आगाह किया। इस अवसर पर भारत के चर्चित राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को विश्वविद्यालय ने डाक्टरेट की मानद उपाधि से भी सम्मानित किया। राष्ट्रपति ने उन्हें यह सम्मान प्रदान करते हुए उनकी बधाई दी।

अपने संबोधन में राष्ट्रपति ने कहा कि देश की प्रगति और विकास के लिए आंतरिक सुरक्षा अनिवार्य है। हम जैसे–जैसे वर्ष 2047 तक विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ेंगे, वैसे–वैसे देश के आंतरिक सुरक्षा तंत्र के सुचारु संचालन के लिए दक्ष एवं कुशल प्रोफेशनल्स (पेशेवरों) की आवश्यकता बढ़ेगी। उन्होंने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि राष्ट्रीय रक्षा विश्वविद्यालय इस दिशा में आवश्यक कदम उठा रहा है।

राष्ट्रपति ने उपाधि प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों से कहा कि देश को वर्तमान में और भविष्य में ऐसे पुलिस अधिकारियों की आवश्यकता है जो साइबर धोखाधड़ी करने वाले अपराधियों को पकड़ने और सजा दिलाने में तकनीकी रूप से सक्षम एवं दक्ष हों। ऐसे फोरेंसिक एक्सपर्ट्स की आवश्यकता है जो न्यायालयों की कसौटी पर खरा उतरने वाले साक्ष्य उपलब्ध करा सकें। ऐसे कंपीटेंट प्रोफेशनल्स (सक्षम पेशेवरों) की आवश्यकता है जो जियो–पॉलिटिक्स (भू–राजनीति)की बारीकियों को समझ सकें और भारत की बात को विश्व–पटल पर आत्मविश्वास एवं स्पष्टता से रख सकें।

उन्होंने आगे कहा कि आप सब ऐसे समय में उपाधि प्राप्त कर रहे हैं जब राष्ट्रीय सुरक्षा की अवधारणा में बहुत अधिक परिवर्तन हो गया है। कुछ समय पहले तक आंतरिक सुरक्षा का अर्थ केवल भू–भाग,सैनिकों और पारंपरिक हथियारों के संदर्भ में आंकलन किया जाता था। लेकिन अब सुरक्षा में प्रौद्योगिकी, साइबर सिक्योरिटी (साइबर सुरक्षा), डेटा (जानकारी) की सुरक्षा, तटीय सुरक्षा, कूटनीति आदि भी समान रूप से महत्वपूर्ण हो गए हैं। मुझे पूरा विश्वास है कि आप सभी ने जो भी क्षेत्र चुना है उसके आप सुविज्ञ एवं प्रवीण प्रोफेशनल (पेशेवर) माने जाएंगे।

राष्ट्रपति ने कहा कि राष्ट्र की शक्ति और सुरक्षा सुरक्षा बलों के साहस एवं पराक्रम पर तो निर्भर है ही,यह सुरक्षा के लिए आवश्यक अस्त्रों एवं शस्त्रों की गुणवत्ता,उत्पादन,प्रशिक्षण और प्रौद्योगिकीय आत्मनिर्भरता पर भी निर्भर है। उन्होंने इस बात पर

भाजपा सरकार में जंगलराज सरकारी अमला पर तस्कर हमला कर रहे : कांग्रेस

गृह मंत्री विजय शर्मा कानून व्यवस्था संभाल नहीं पा रहे है तो इस्तीफा क्यो नही दे देते?

रायपुर (प्रतिदिन राजधानी)

सरकारी अमला पर तस्करों के हमला को भाजपा सरकार की नाकामी बताते हुए प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि उपमुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा गृह मंत्रालय सम्हाल नही पा रहे है, कानून व्यवस्था मजबूत नहीं कर पा रहे है तो उन्हें इस्तीफ़ा दे देना चाहिए। प्रदेश में जंगलराज कायम है, तस्करों के हौसला इतना बुलंद है कि सरकारी अमला पर हमला कर रहे है। जब कानून के रखवाले ही सुरक्षित नहीं है फिर जनता का ख्याल कौन रखेगा? महासमुंद के पटेवा में शराब तस्कर को पकड़ने गये पुलिस टीम पर जानलेवा हमला हो गया, थानेदार सहित महिला सिपाही घायल हो गये। मुंगेली के लोरमी में रेत तस्करों ने वन विभाग की टीम पर जानलेवा हमला किया। हिंसक झड़प हुई, वन अमला को जान बचाकर भागना पड़ा। आखिर इन तस्करों पर नकेल कौन कसेगा? बेहद तस्करों की बढ़ते आतंक से प्रदेश खौफ में है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा पर तस्करों को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए कहा कि ढाई साल की सरकार में प्रदेश तस्करों का गढ़ बन गया है। रेत तस्करी, शराब तस्करी, अवैध नशीली वस्तुओं की तस्करों, अवैध काम जोरो पर चल रहा है। सरकार के नुमाइन्दे सिर्फ अपराध रोकने बयानबाजी कर रहे है, धरातल पर अपराध रुक नहीं रहा है। तेजी से आपराधिक घटनाओं में वृद्धि हो रही है। रेप, गैंगरेप, हत्या, लूट, डिजिटल ठगी की घटनाएं बढ़ी है। गांजा सूखा नशा खुले आम बिक रहे है, जुआ, सट्टा जोरो पर है, आखिर गृहमंत्री इन पर कार्यवाही करने से डरते क्यों है? जब गृहमंत्री जिम्मेदारी निभा नहीं पा रहे है।

स्वामी एवं प्रकाशक शांतिदेवी नचरानी प्रतिदिन राजधानी, प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक रायपुर छत्तीसगढ़ के लिए मुद्रक हरीश कुमार नचरानी प्रतिदिन प्रिंटर्स एण्ड पब्लिशर्स कचहरी चौक जेल रोड रायपुर (छ.ग.) द्वारा मुद्रित एवं स्वामी शांतिदेवी नचरानी (रामचंद नचरानी एण्ड संस की कर्ता) द्वारा प्रतिदिन हाऊस जी.ई.रोड शारदा चौक से प्रकाशित। संपादक-शांतिदेवी नचरानी * कार्यकारी संपादक-हरीश नचरानी, मो.-9617598000। (किसी भी विवाद के लिए न्यायलयीन क्षेत्र रायपुर होगा।) RNI NO. CHH HIN/2001/05596 फोन नं.- 0771-2223399, मो.-6262904444